जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 169 प्रभात उदयपुर, बुधवार 23 अप्रैल, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

पहलगाम में बड़ा आतंकी हमला, 26 लोगों की मौत

बताया जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब यात्रा बीच में ही छोड़कर भारत लौट रहे हैं

- पहलगाम की बैसारन घाटी में पौने तीन बजे यह घटना हुई, उस समय वहाँ काफी पर्यटक थे। चश्मदीदों ने बताया, आतंकियों ने पहले नाम पूछा फिर गोली मारी।
- मृतकों में इटली व इज़रायल का एक-एक पर्यटक व दो स्थानीय नागरिक शामिल हैं, शेष 22 पर्यटक गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु व ओडिशा के हैं।
- घटना की जिम्मेवारी ''द रैज़िस्टैंट फ्रंट'' ने ली है, जो कि लश्कर-ए-तोयबा का हिस्सा है। हादसे के बाद गृह मंत्री अमित शाह तुरंत जम्मू-कश्मीर पहुंचे और राज भवन में आपात बैठक बुलाई।
- जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्लाह, इस घटना को लेकर काफी गंभीर हैं। कांग्रेस ने इस मामले में कड़ी कार्यवाही की मांग की और सरकार को पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया।

पहलगाम, 22 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर में 2019 के पुलवामा अटैक के बाद सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ है। आतंकियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर फायरिंग की, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में इटली और इज़रायल का एक-एक पर्यटक और 2 स्थानीय नागरिक भी शामिल हैं। बाकी पर्यटक गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु और ओडिशा के हैं।

घटना मंगलवार दोपहर करीब 2.45 बजे पहलगाम की बैसारन घाटी में हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकियों ने एक टूरिस्ट से नाम पूछा, फिर उसके सिर में गोली मार दी। इसके बाद, दूसरे पर्यटकों पर फायरिंग करते हुए भाग निकले। हमले की जिम्मेवारी ''द रैज़िस्टैंट फ्रंट'' (टी.आर.एफ.) नामक एक आतंकवादी संगठन ने ली है। इस संगठन को भारत पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुका है। जम्मू-कश्मीर में सक्रिय टी.आर.एफ. 2019 में तब सामने आया, जब राज्य से धारा 370 को हटाया गया। टी.आर.एफ. को लश्कर-ए- तोयबा का हिस्सा माना जाता है।

प्रशासन ने शुरुआत में आतंकी हमले में एक मौत की बात कही थी, लेकिन करीब 4 घंटे बाद न्यूज़ एजेंसी ने 26 मौतों की जानकारी दी। घटना में 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने पहलगाम में हमले वाले इलाके को घेर लिया है। हैलिकॉप्टर से भी नजर रखी जा रही है।

घटना के बाद गृह मंत्री अमित शाह दिल्ली से श्रीनगर पहुंच गए हैं। वे राजभवन में सेना और प्रशासन के अफसरों के साथ हाई लेवल मीटिंग कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सऊदी अरब दौरा बीच में छोड़ कर लौट रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख उपेन्द्र द्विवेदी से बातचीत करके हालात की जानकारी ली है।

बताया जा रहा है कि कुल चार आतंकियों ने इस वारदात को अंजाम दिया, जिनमें से तीन पाकिस्तानी और एक लोकल कश्मीरी है। कांग्रेस पार्टी ने सरकार से कहा कि वह उनके साथ है तथा आतंकियों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

जब दोपहर को यह वारदात हुई, तब सैलानी वहां घुड़सवारी कर रहे थे। तभी आतंकी वहां पहुंचे और उन्होंने पंजाबी में पर्यटकों से उनका मजहब पूछा। पहचान स्थापित होने के बाद लोगों को मौत के घाट उतारा गया। इस दौरान करीब 50 राउण्ड फायरिंग की गई। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने पहलगाम अटैक पर दुख जताया।

सूत्रों के मुताबिक, मरने वालों में अधिकांश पुरुष हैं। पर्यटकों का नाम पूछ-पूछकर आतंकियों ने उन पर गोली चलाई।

गृह मंत्री अमित शाह ने, पहलगाम के लिए निकलने से पहले, आईबी चीफ, जम्मू-कश्मीर के डीजी और सेना व सीआरपीएफ के आला अधिकारियों के साथ एक हाई-लेवल मीटिंग भी की। पीएम मोदी इस मीटिंग में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपलब्ध रहे। जम्मू-कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला भी इस घटना को लेकर काफी गंभीर हैं।

खुफिया सुरक्षा एजेंसी के मुताबिक, आतंकी, पर्यटकों के बड़े ग्रुप को टारगेट करने की फिराक में थे। वारदात को अंजाम देने के बाद सभी आतंकी फरार हो गए। सुनियोजित तरीके से पर्यटकों को निशाना बनाया गया। गर्मियों के इस सीजन में घाटी में पर्यटकों की संख्या काफी ज्यादा बढ़ जाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 22 अप्रेल (निसं)। शहर में एक कोचिंग छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक ने आत्महत्या से पहले एक सुसाइड नोट छोड़ा है, जिसमें उसने यह स्पष्ट किया है कि इस घटना का किसी भी तरह से मेडिकल एंट्रेंस परीक्षा (नीट यूजी) से कोई संबंध नहीं है। उसने अपनी आत्महत्या के कारण को अन्य निजी कारणों से जोड़ते हुए अपील की है कि उसका नाम और उसके परिवार की जानकारी उजागर न की जाए।

कुन्हाड़ी थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने बताया कि इस घटना की

- मृतक के सुसाइड नोट के अनुसार, आत्महत्या का नीट परीक्षा से संबंध नहीं है।

जानकारी सुबह 6 बजे कुन्हाड़ी थाना पुलिस को मिली। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और हॉस्टल के कमरे का दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला। हॉस्टल संचालक के मुताबिक छात्र दरवाजा नहीं खोल रहा था। पुलिस ने घटनास्थल से साक्ष्य इकट्ठा करने के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेजा गया और उसके परिवार को सूचना दी गई। हॉस्टल संचालक के अनुसार, मृतक छात्र बिहार के छपरा जिले का निवासी था और पिछले एक साल से कोटा में मेडिकल एंट्रेंस एग्जाम की तैयारी कर रहा था।

थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दाऊदी बोहरा मुसलमान, वक्फ संशोधन विधेयक में सरकार का साथ देंगे

जाने-माने अधिवक्ता हरीश साल्वे इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में बोहरा समाज का पक्ष रखेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। वक्फ संशोधन बिल नए कानूनी व राजनैतिक मोड़ की ओर बढ़ रहा है, क्योंकि दाऊदी बोहरा समाज कथित रूप से सुप्रीम कोर्ट में विधेयक के पक्ष में याचिका दायर करने की तैयारी कर रहा है। इस कदम का समस्त मुस्लिम समाज ने कड़ा विरोध किया है और कई संगठनों ने इस मुद्दे पर बोहरा समाज के नेतृत्व के मोदी के साथ खड़े होने पर चिंता जताई है।

उल्लेखनीय है कि बोहरा मुस्लिम समाज ने पहले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मिलकर समुदाय की लम्बे समय से चली आ रही चिंता का समाधान करने और नए कानून में उन्हें शामिल करने के लिए आभार जताया था। समझा जाता है कि सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे बोहरा मुसलमानों का पक्ष रखेंगे। इससे इस केस को और बल मिलेगा।

लेकिन यह बात अन्य मुस्लिम संगठनों और राजनैतिक दलों को रास नहीं आई है। जाने-माने इस्लामिक स्कॉलर, जो पवित्र कुरान का अंग्रेजी अनुवाद करने के लिए विख्यात हैं, ने बोहरा समुदाय के इस कदम की आलोचना की और कहा कि ऐसे मुश्किल समय में यह कदम बांटने वाला है। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब सरकार के इस असंवैधानिक कदम को चुनौती देने के लिए देश के 20 करोड़ मुसलमान एकजुट हैं, ऐसे में एक छोटा सा समुदाय, 2 लाख बोहरा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- एक इस्लामिक स्कॉलर, जिसने कुरान का अनुवाद अंग्रेज़ी में किया है, ने इस मुद्दे पर कहा कि, यह दुर्भाग्य की बात है कि जब बीस करोड़ मुसलमान एकजुट होकर इस विधेयक का विरोध कर रहे हैं, तब दो लाख व्यक्तियों का समाज, सरकार का इस मुद्दे पर समर्थन कर रहा है।
- इस स्कॉलर के अनुसार, यह मोदी सरकार की सोची समझी साजिश है, सुप्रीम कोर्ट को उलझाने व भ्रमित करने के लिये।
- हैदराबाद में आयोजित एक विशाल रैली में इस बात पर आश्चर्य व्यक्त किया गया कि ''जॉइन्ट पार्लियामैंटरी कमेटी की बैठक में दाऊदी बोहराओं ने पुरजोर ढंग से साफ कहा था कि वे वक्फ विधेयक का विरोध करेंगे, पर, अब वे कैसे बदल गये।''
- वैसे बोहरा मुस्लिम समाज के नेताओं ने प्र.मंत्री मोदी व राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू से मिलकर आभार व्यक्त किया, वक्फ के प्रबंधन में आयी बदइंतजामी को दूर करने का प्रयास करने के लिए।

'संसद ही सुप्रीम है'

दिल्ली विश्वविद्यालय के समारोह में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पुरजोर ढंग से सुप्रीम कोर्ट को उसकी जगह बताई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रेल। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर सरकार के अधिकार क्षेत्र में सर्वोच्च न्यायालय के प्रवेश पर प्रश्न खड़े किये। उन्होंने कहा कि संविधान में कहा गया है कि ''संसद (विधायिका) सर्वोच्च है'' तथा ''निर्वाचित प्रतिनिधि (सांसद) संविधान के स्वरुप के मूल एवं अंतिम नियन्ता (अल्टीमेट मास्टर्स) हैं। --- उनसे ऊपर कोई सत्ता नहीं हो सकती।''

धनखड़ ने मंगलवार सुबह दिल्ली विश्वविद्यालय के एक आयोजन में उनके पूर्ववर्ती बयानों पर किये गये हमलों की आलोचना करते हुये, पलटवार किया तथा कहा, ''किसी संवैधानिक पदाधिकारी द्वारा बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित के मार्गदर्शन में होता है। सर्वोच्च न्यायालय पर सार्वजनिक रुप से किये गये हमलों में दो ऐतिहासिक फैसलों 1967 के आई.सी. गोलकनाथ केस तथा 1973 के केशवानन्द भारती केस- में संविधान की प्रस्तावना के बारे में परस्पर विरोधाभासी टिप्पणियों की आलोचना भी शामिल थी। धनखड़ ने 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल के दौरान अदालत की भूमिका पर भी प्रश्न खड़े किये।

धनखड़ ने कहा, ''एक केस में, सर्वोच्च न्यायालय कहता है कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है, वहीं दूसरे केस में न्यायालय कहता है कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा है।-- लेकिन संविधान के बारे में कोई सन्देह या भ्रम नहीं होना चाहिये। निर्वाचित प्रतिनिधि ही संविधान के स्वरुप के अंतिम निर्वाचक होगे। उनसे ऊपर कोई सत्ता नहीं हो सकती।''

धनखड़ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने आपातकाल लगाये जाने तथा मौलिक अधिकारों के निलम्बन के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- धनखड़ के अनुसार, निर्वाचित प्रतिनिधि (सांसद) अंतिम निर्णय लेंगे कि संविधान क्या कहता है।
- धनखड़ ने 1975 में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा घोषित आपातकाल का उदाहरण देते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने नौ हाई कोर्टस के निर्णय को बदल दिया था। सुप्रीम कोर्ट यह बात कहने में चूक गया था, जो नौ हाई कोर्ट्स ने कही थी कि, प्रजातंत्र में जनता के मूल अधिकारों को ठंडे बस्ते में नहीं डाला जा सकता है।

ग्राम पंचायतों के पुनर्गठन में विभाग के परिपत्र की पालना क्यों नहीं?

जयपुर, 22 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने ग्राम पंचायत के पुनर्गठन के मामले में पंचायती राज विभाग के परिपत्र की पालना नहीं करने से जुड़े मामले में पंचायती राज आयुक्त और झुंझुनूं कलेक्टर सहित, अन्य से जवाब तलब किया है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश बाबूलाल

- हाई कोर्ट ने पंचायतीराज आयुक्त व झुँझुनूँ कलैक्टर से जवाब मांगा।

यादव की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि झुंझुनूं की छापोली ग्राम पंचायत का पुनर्गठन कर अलग ग्राम पंचायत बनाई जा रही है। पंचायती राज विभाग के गत 13 फरवरी के परिपत्र के अनुसार, नई ग्राम पंचायत में शामिल होने वाले सभी स्थानों की सीमा मिलनी जरूरी है,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'न तो संसद और न ही ''एक्ज़ीक्युटिव'' (सरकार) सुप्रीम है, केवल संविधान ही सुप्रीम है'

वरिष्ठ अधिवक्ता, पूर्व विधि मंत्री व सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने धनखड़ के उद्बोधन से नाइत्तफाकी जताई

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्देश, कि भारत के राष्ट्रपति को, राज्यपालों द्वारा उनकी (राष्ट्रपति) सम्मति के लिये आरक्षित विधेयकों पर, तीन माह के अन्दर निर्णय लेना होगा, के बाद, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ तथा वरिष्ठ एडवोकेट कपिल सिब्बल के बीच तीखी संवैधानिक बहस छिड़ गई है।

उपराष्ट्रपति धनखड़, जो राज्यसभा के सभापति भी हैं, ने दृढ़तापूर्वक कहा कि ''संसद सर्वोच्च है तथा संविधान इससे ऊपर किसी सत्ता को नहीं मानता है।''

धनखड़ के इस बयान का खण्डन करते हुए, सिब्बल ने आज कहा कि न तो संसद सर्वोच्च है और न कार्यपालिका, सर्वोच्च तो संविधान है।''

इस विवाद में एक और ज्वलंत प्रश्न पैदा हो गया है- भारत के संवैधानिक ढाँचे में कौनसी संस्थाएं सर्वोपरि हैं?

धनखड़ ने कहा है कि निर्वाचित प्रतिनिधि संविधान के ''अल्टीमेट मास्टर्स'' है तथा संसद की सर्वोच्चता आधारभूत है। उन्होंने न्यायपालिका पर आरोप लगाया कि विधेयकों पर निर्णय लेने के लिये राष्ट्रपति एवं राज्यपालों के लिये समय-सीमा तय करके, न्यायपालिका ''सुपर पॉर्लियामैंट'' का काम कर रही है।

सिब्बल, जो पूर्व केन्द्रीय मंत्री तथा वर्तमान में सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हैं, ने धनखड़ के बयान का सटीक खंडन करते हुए कहा कि ''संविधान के प्रावधानों की व्याख्या सर्वोच्च न्यायालय करता है। देश ने अब तक कानून के अर्थ को इसी प्रकार समझा है।'' उन्होंने कहा कि सर्वोच्च न्यायाल के हाल ही के फैसले, जिनमें वे फैसले भी शामिल हैं, जिनकी आलोचना सरकार के पदाधिकारियों ने की है, संवैधानिक मूल्यों के अनुकूल थे तथा राष्ट्रहित द्वारा संचालित एवं निर्देशित थे।

सिब्बल ने संविधान द्वारा प्रदत्त विशिष्ट भूमिकाओं पर भी प्रकाश डाला: संसद को विधेयक पारित करने का पूर्ण अधिकार है, जबकि सर्वोच्च न्यायालय के पास संविधान की व्याख्या करने का तथा अनुच्छेद 142 के तहत, पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने का दायित्व है। सिब्बल ने धनखड़ के ''राजनैतिक रंगत वाले'' रुख की आलोचना करते हुये कहा कि किन्हीं भी सदनों की अध्यक्षता करने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सिब्बल ने इसी लय में कहा, संविधान के प्रावधानों की सुप्रीम कोर्ट व्याख्या करता है और देश ने इस सिद्धांत को समझा है और अब तक चलता आया है।

इंडोनेशिया में भूकंप के झटके

जकार्ता, 22 अप्रैल । इंडोनेशिया के उत्तरी सुलावेसी प्रांत में मंगलवार को भूकंप के जोरदार झटके महसूस किये गये।

मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान एवं भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार, भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 6.6 आंकी गयी, लेकिन इससे बड़ी लहरें नहीं उठीं। भूकंप के झटके जकार्ता समयानुसार 17:17 बजे महसूस किये

- रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 6.6 नापी गई है।

गये। इसका केन्द्र केपुलांग तलौद रीजैंसी से 67 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में समुद्र तल से 107 किमी की गहराई पर स्थित था। एजेंसी ने सुनामी की चेतावनी जारी नहीं की, क्योंकि भूकंप से विनाशकारी लहरों के उत्पन्न होने की आशंका नहीं हैं। गौरतलब है कि भूकंपीय रूप से सक्रिय प्रशांत रिंग ऑफ फायर पर स्थित इंडोनेशिया में अक्सर भूकंप आते रहते हैं और तीव्र टेक्टोनिक गतिविधि के कारण यहां 127 सक्रिय ज्वालामुखी हैं।

उपराष्ट्रपति वैंस ने भारत-अमेरिका वार्ता में ''चमत्कारिक प्रगति'' का दावा किया

वैंस ने कई क्षेत्र, जैसे डिफैन्स प्रोडक्शन, ऊर्जा, जटिल टैक्नॉलजी, फार्मास्युटिकल्स व ''डेटा सैन्टर'' , ''कोलैबोरेशन'' (आपसी सहयोग) के लिये चिन्हित किये

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। तमाम नकारात्मक भविष्यवाणियों के बावजूद, भारत के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं में अमेरिका प्रगति का दावा कर रहा है। वाइट हाउस की आज की प्रैस ब्रीफिंग में ऐसा ही संकेत दिया गया, जब अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे.डी. वैंस ने पिछले दो दिनों में भारतीय अधिकारियों के साथ बातचीत और संबोधनों के दौरान यह बात कही।

उपराष्ट्रपति वैंस ने स्पष्ट रूप से उन क्षेत्रों को चिन्हित किया, जहाँ भारत और अमेरिका मिलकर बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि भारत कुछ गैर-शुल्क बाधाओं को हटा सकता है, जो अमेरिकी उत्पादों की भारत में प्रवेश में रुकावट डालती हैं। ये बाधाएँ व्यापार के मुक्त प्रवाह के लिए एक बड़ी अड़चन हैं।

इसके अलावा, अमेरिका ने कई क्षेत्रों में भारत के साथ ''सहयोग'' बढ़ाने के अवसरों को भी चिन्हित किया, जिनमें संयुक्त रक्षा उत्पादन, ऊर्जा क्षेत्र, उच्च प्रौद्योगिकी, फार्मास्युटिकल्स और डेटा सेंटरों की स्थापना शामिल हैं। ये वे उद्योग हैं, जो भविष्य में वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रमुख भूमिका निभाएंगे, और कई देश अपने आप को इन क्षेत्रों में स्थापित करने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

वैंस और अमेरिकी दस्तावेज़ों से यह साफ़ संकेत मिलता है कि इन साझा क्षेत्रों की पहचान के लिए गहन शोध किया गया है। ये सहयोग केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि वैंस के शब्दों में ''सहयोग'' भविष्य के रिश्तों की कुंजी होगा।

उपराष्ट्रपति वैंस ने विशेष रूप से जोर दिया कि भारत को अमेरिकी रक्षा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- विशेषकर जोर दिया कि डिफैन्स इक्युपमैंट (हथियार व आयुध) भारत, अमेरिका से खरीदे, जैसे, आधुनिकतम एफ-35 लड़ाकू विमान।
- उपराष्ट्रपति ने एनर्जी सैक्टर तथा भारत के प्राकृतिक गैस व ऑयल के ''ऑफशोर'' (तटीय क्षेत्र) में मौजूद भण्डार के दोहन के आपसी सहयोग (कोलैबोरेशन) की बात पर जोर दिया।
- उपराष्ट्रपति ने जोर देकर कहा कि अमेरिका के पास इस काम के लिये आवश्यक टैक्नॉलजी व मनोइच्छा है।
- अमेरिका को भारत भारी एक्सपोर्ट करता है, फार्मास्युटिकल का। पर भारत, इन फार्मास्युटिकल्स के मूलभूत रसायन (एपीआई) चीन से आयात करके फार्मास्युटिकल्स में परिवर्तित करके अमेरिका को बेचता है। पर, चीन अगर इन मूल कैमिकल्स के निर्यात को प्रतिबंधित कर दे, भारत की फार्मास्युटिकल्स इण्डस्ट्री ठप्प हो सकती है।
- पर, फिर भी अमेरिकी ऑफिशियल्स का मानना है कि चीन व यूरोपियन्स की हिचकिचाहट से जो जगह खाली हुई है, उसे आसानी से भरने का अद्वितीय मौका है, भारत के पास।

दिल्ली हाईकोर्ट की बाबा रामदेव को फटकार

नयी दिल्ली, 22 अप्रैल। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को उस विडियो पर नाराजगी जताई, जिसमें बाबा रामदेव ने शरबत जिहाद शब्द का इस्तेमाल किया था। जस्टिस अमित बंसल ने कहा कि यह बयान माफी लायक नहीं है। इसने कोर्ट की अंतरआत्मा झकझोर दी।

कोर्ट की फटकार के बाद पतंजलि के फाउंडर रामदेव ने कहा कि हम ऐसे

- दिल्ली हाईकोर्ट ने ''शरबत जिहाद'' टिप्पणी को लेकर नाराजगी जताई। बाबा रामदेव ने ऐसे सभी वीडियो हटाने का वादा किया।

सभी हटा लेंगे, जिनमें धार्मिक टिप्पणियां की गई हैं। कोर्ट ने रामदेव को एफिडेविट दाखिल करने का आदेश भी दिया है।

बाबा रामदेव ने 3 अप्रैल को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ख्याति की अभिलाषा वह पोषक है जिसे ज्ञानी भी सबसे अंत में उतारते हैं। –कहावत

पत्रकारों का खास होना और मीडिया का स्वरूप बदलना

सोशल मीडिया पर एक सफल नौजवान मीडियाकर्मी ने एक बार दावा किया कि पत्रकार इसलिए खास होते हैं क्योंकि वे सवाल कर सकते हैं। उस मीडियाकर्मी को पत्रकार होने के नाते किसी भी बड़े से बड़े राजनेता से सवाल कर सकने का अभिमान था। आज के अधिकांश मीडियाकर्मियों के स्वभाव में ऐसा अभिमान झलकता है भले ही उनके पास पूछने के लिये कोई समझदार सवाल न हो, और न जवाब मिलने पर आगे सवाल करने की कोई तैयारी हो। सम्पादन विहीन सोशल मीडिया की मिली मुफ़्त दीवार, जिस पर कोई कुछ भी लिख सकता है, ने उन्हें अभिव्यक्ति की निर्बाध आजादी दी है। मगर मीडियाकर्मी से यह सवाल कौन पूछे कि हुजूर क्या आप अपने से भी कभी सवाल करते हैं? सवाल करने का हक तो भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को देता है। किसी पत्रकार को भी यह हक संविधान द्वारा आम नागरिक को दिए इसी अधिकार के तहत ही मिलता है। यह पत्रकार का या किसी समाचार संस्थान का अपना अलग से अधिकार नहीं है, जैसा अमरीका में फर्स्ट अमेंडमेंट के जरिए 'प्रेस' को मिला हुआ है। वर्तमान इफ़रात की अर्थव्यवस्था में मीडिया विराट हो चला है। डिजिटल प्रौद्योगिकी ने बाज़ार में माल बेचने के लिये मीडिया की पहुंच को अनंत विस्तार दे दिया है। समाचार भी अब माल की तरह पैकेजिंग के साथ बेचे जाने लगे हैं। कभी ज़माना गरीबी का था। लोग गरीब थे मगर वे दरिद्र नहीं थे। पत्रकार उन्हीं लोगों में से आते थे इसलिए स्वाभाविक ही वे भी गरीब ही होते थे। मगर वे भी दरिद्री नहीं होते थे। उनके पास आत्मविश्वास की अकूत पूंजी होती थी। तब के ज़माने के पत्रकार नहीं, उनकी कलम बोलती थी। वे लड़ते थे, संघर्ष करते थे जनता के लिए। वे गरीब जनता के दोस्त थे। वे जनता के अनिर्वाचित प्रतिनिधि हुआ करते थे। अखबारों के पाठक उनकी ताकत होते थे। पत्रकार अपने पाठकों –आम लोगों– के दोस्त होते थे, और उनसे वैसा ही दोस्ती का प्यार वापस पाते थे। पत्रकार लोगों को बहकाते नहीं थे। सच या हकीकत को ईमानदारी से बताते थे। उसे नाटकीय या सनसनीखेज बनाना पत्रकारिता का धर्म नहीं होता था। उनसे गलती हो जाती तो उसे तुरंत स्वीकार करने में उन्हें कोई गुरेज़ नहीं होता था, बल्कि इसे वे अपना फ़र्ज़ मानते थे। इसी कारण लोग प्रेस को लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ कह कर मान देते थे। पत्रकारों की कलम में दम होता था क्योंकि वे गरीब जनता की लड़ाई लड़ते थे। पाठक उन्हें बड़े से बड़े राजनेता, अफसर धन-कुबेर से बड़ा मानते थे। मगर पत्रकार इसका गुमान नहीं करते थे। लोगों में बना अपना वह ग्लैमर कहीं न कहीं उनके मन को जरूर अच्छा लगता था। इससे श्रमजीवी पत्रकार के मन में पैसे की कमी का दर्द कम हो जाता था। तब भले ही पत्रकार संपन्नता में नहीं जीते थे, मगर समाज में उनकी हर कहीं इज्जत होती थी। यही उनकी बड़ी पूंजी होती थी। इसीलिए उस जमाने के अधिकतर पत्रकार अपने बच्चों के लिए संपत्तियां छोड़ कर नहीं गये। क्योंकि पत्रकारिता में भौतिक संपन्नता थी नहीं इसीलिए उस जमाने में पत्रकारिता में उन परिवारों के युवा नहीं आते थे जिनके सपने ऐश्वर्यशाली बनने के होते थे। पत्रकारिता के पेशे को अपनाने वाले विश्वासों को आंख मूंद कर स्वीकार करने को तैयार नहीं थे, तर्क करते थे और वैज्ञानिक सोच रखते थे। युवा पत्रकार एक ऐसे भविष्य की तरफ बड़ी आशा के साथ देखते थे जब सामाजिक और आर्थिक असामानता खत्म होनी थी। यही उनकी विश्वदृष्टि थी।

पत्रकार जब से अपने को खास मानने लगे तभी से वे आम-जन से दूर होते चले गये। उनमें खास होने का चस्का राजनेताओं ने लगाया। पत्रकार राजनेताओं के मित्र बनने लगे और शासन से तरजीह पाकर अपने को विशेष समझने लगे। पत्रकारों के लिए कहा जाता था कि वे लोकतंत्र में निर्वाचिन शासन और आम जनता के बीच की कड़ी हैं। आम जनता को यह बताना उनका फ़र्ज़ था कि निर्वाचित प्रतिनिधि लोक कल्याण का कैसा काम कर रहे हैं। इसके लिए किसी की तरफदारी या रंजिश के बगैर शासन के कामों का जायजा लेना, लोकहित के सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी देना, ताकि लोग उनका लाभ उठा सकें, उन कार्यक्रमों की क्रियान्विति पर पैनी निगाह रखना और कहीं चूक हो तो उसे खुल कर उजागर करना और कोई अच्छा काम हो रहा हो तो उसका भी प्रचार करना मुख्यधारा के पत्रकारों का काम होता था। इस अवधारणा को भी स्वीकृति थी कि पत्रकार का काम शासन के हक़ में नहीं बल्कि उसके प्रतिरोध की भूमिका में और आम अवाम के समर्थन में खड़ा होना है। मगर खास होकर मीडियाकर्मी अपने को साधारण मानवीय शालीनता के मानकों से परे मानने लगे। पहले पाठक होते थे, फिर वे दर्शक हो गये और अब वे उपभोक्ता हैं। बाज़ार अध्ययन की भाषा को देखें; वह लक्ष्यों और रणनीतियों, कमज़ोरियों जैसे सैन्य शब्दों से भरी हुई है। मीडिया का नियामक बन गये बाज़ार की भाषा का पूरा लहज़ा युद्ध का है, मानो उपभोक्ता को जीतना और मुनाफा कमाना ही चरम लक्ष्य है। यह हमारे इतिहास का सबसे गतिशील युग माना जा रहा है। इस काल में मीडिया की तकनीक और प्रभाव में आ रहे परिवर्तन की दर सबसे तेज है। प्रिन्ट मीडिया के वैभव काल में जब एक बड़े संपादक से यह पूछा गया कि अखबार में क्या छपना चाहिए और क्या नहीं तब उसका जवाब था ईश्वर ने अपनी बुद्धि से जो कुछ भी दुनिया में घटित होने दिया, वह सब प्रकाशन योग्य है। वह भी समय था जब समाचार कक्ष में किसी डेस्क इंचार्ज से पूछा जाता कि अपन यह चित्र या स्टोरी क्यों चला रहे हैं तो वह झुंझला कर कहता यह समाचार है, बेवकूफ़! वास्तव में ऐसे सवाल सार्वजनिक रूप से कभी पूछे नहीं जाते थे। क्योंकि इसके जवाब में अक्सर पत्रकारिता का बदलता मिज़ाज़ सामने आता था। नये मिज़ाज़ में समाचार माध्यमों में खबरे खेल हो गईं। विकसित हो रही मुनाफे की पत्रकारिता को लगता है कि इस समाचारों के 'खेल' से अखबारों के पाठक और टीवी के दर्शक आकर्षित होंगे। अधिक पाठक और अधिक दर्शक अधिक विज्ञापन पाने में मदद करेंगे। समाचार माध्यम एक प्रकार से अपने पाठकों तथा दर्शकों को विज्ञापनदाताओं के बेचने लगे हैं। सभी माध्यम विज्ञापनदाताओं के लिए हो गये और उनके लिए पाठक व दर्शकों के रूप में ठाहक तैयार करना उनका मुख्य ध्येय हो गया। एक नया खतरनाक चलन भी बढ़ गया कि समाचार माध्यम विज्ञापन से इतर भी अपनी कमाई के जतन करने लगे। विज्ञापन के स्पेस की तरह खबरों के स्पेस बिकने लगे। तेजी से बढ़ते बड़े समाचार माध्यमों का यह चलन ठेट नीचे तक पहुंच गया। पीत पत्रकारिता शब्द ही अब खबरों की दुनिया से लुप्त हो गया है। अब तो संपादक और संवाददाता के बीच भेद भी समाप्त हो गया है। डिजिटल पटल पर अपनी बात कहने और वीडियो के जरिये दिखाने वाला प्रत्येक व्यक्ति रिपोर्टर भी है और संपादक भी और मालिक भी।

आधुनिक पत्रकारिता का वह शुरुआती दौर था। अब तो टीवी के एंकर खुद पक्षकार बन कर पत्रकारिता को इस हद तक ले आये हैं कि आम दर्शक को उनसे जुगुप्सा होने लगी है। अब अखबारों का पाठक समूह और टीवी का दर्शक समूह व डिजिटल मेडिया का उपभोक्ता वही रह गया है जो पक्षधरों के साथ होता है - इधर या उधर। निष्पक्ष अब्जेक्टिव पत्रकारिता किताबों में पढ़ाने के लिए रह गई है।

हर रिपोर्टर, लेखक और निर्माता अपने माल के लिए हमेशा अधिक से अधिक पाठक और दर्शक चाहता है। इसके लिए वे सारे व्यावसायिक यत्न करने के लिए व्यवसाय जगत के प्रबंधकों का दखल भी पत्रकारिता में हो गया है। इन व्यावसायिक प्रबंधकों ने समाचारों को एक पैकेजिंग डिवाइस में बदल दिया। समाचारों की ही नहीं समूचे अखबार और टीवी चैनलों के कार्यक्रमों की पैकेजिंग होने लगी जो अब सर्वत्र पसार गई है। नई संपन्नता के अहंकार में हर मिडियाकर्मी को लगने लगा कि वह जो चाहे कह सकता है। पुरानी पीढ़ी के संपादक राजेन्द्र माथुर ने इसी ट्रेंड को रेखांकित करते हुए एक बार लिखा था एक संवाददाता सुबह सुबह काले पेन्ट का डिब्बा तथा ब्रश लिये निकलता है और रास्ते में जो भी सफेद मूर्ति सामने आती है उसका मुंह काला करता चलता है। आधुनिक पत्रकारिता का वह शुरुआती दौर था। अब तो टीवी के एंकर खुद पक्षकार बन कर पत्रकारिता को इस हद तक ले आये हैं कि आम दर्शक को उनसे जुगुप्सा होने लगी है। अब अखबारों का पाठक समूह और टीवी का दर्शक समूह व डिजिटल मीडिया का उपभोक्ता वही रह गया है जो पक्षधरों के साथ होता है – इधर या उधर। निष्पक्ष अब्जेक्टिव पत्रकारिता किताबों में पढ़ाने के लिए रह गई है। कोई चार दशक पहले जब मीडिया के नए रुझान सामने आने लगे थे तब उस पीढ़ी के वरिष्ठ संपादकों को दिख रहा था कि नये मार्केटिंग दर्शन में मिशन वाली पत्रकारिता को किसी अन्य व्यवसाय की भांति और ठीक उसी उद्देश्य से चलाया जाने के जतन हो रहे हैं। मगर उन्हें विश्वास था कि इस तरह की दोहरी सोच लंबे समय तक नहीं बनी रह सकती है और जनता इस तरह की दोहरी सोच को अस्वीकार कर देगी। अब हम पाते हैं कि वे संपादक खुले बाज़ार की आंधी की विध्वंसात्मक क्षमता का ठीक अंदाजा नहीं लगा पाये। भारतीय मीडिया जगत के हालात ने उन्हें पूरी तरह गलत साबित कर दिया है। इसीलिए विश्वास और प्रतिष्ठा के मामले में पत्रकारिता का पेशा अब गिर कर सबसे निचली पायदान पर आ गया है। जिस प्रकार वोटिंग मशीनों से अपेक्षा की जाती है कि वह उसमें दर्ज किये गये मतों की वह सही गिनती करे और लोगों को विश्वास हो कि उनके मतों की सही गिनती हो रही है, वैसी ही अपेक्षा समाचार संस्थानों से भी करना खयाली पुलाव पकाने जैसा है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राष्ट्रीय एकता और विकास के लिए गांधीवादी विश्वविद्यालय

अशोक कुमार

आज की दुनिया में हिंसा, असहिष्णुता, सामाजिक अन्याय, आर्थिक असमानता और पर्यावरणीय संकट जैसी कई चुनौतियाँ मौजूद हैं। महात्मा गांधी के सत्य, अहिंसा, सर्वधर्म समभाव, सत्याग्रह और आत्मनिर्भरता के सिद्धांत इन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करते हैं और एक बेहतर भविष्य का मार्ग दिखाते हैं। एक समर्पित विश्वविद्यालय इन विचारों का गहन अध्ययन और प्रसार कर सकता है। युवा पीढ़ी को महात्मा गांधी के जीवन, दर्शन और मूल्यों से परिचित कराना आवश्यक है ताकि वे एक नैतिक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। एक विश्वविद्यालय गांधीवादी विचारों को युवाओं तक प्रभावी ढंग से पहुँचाने और उन्हें सामाजिक परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का एक शक्तिशाली माध्यम हो सकता है।

गहन अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा देना: महात्मा गांधी के विचारों का अभी भी पूरी तरह से अन्वेषण नहीं किया गया है। एक समर्पित विश्वविद्यालय गांधीवादी दर्शन के विभिन्न पहलुओं पर गहन अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा दे सकता है, जिससे नए ज्ञान और अंतर्दृष्टि का सृजन होगा। गांधीवादी विचार दर्शनशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, पर्यावरण अध्ययन और शांति अध्ययन जैसे कई विषयों से जुड़े हुए हैं। एक विश्वविद्यालय इन विभिन्न विषयों को एक साथ लाकर गांधीवादी विचारों का समग्र और अंत:विषयक अध्ययन प्रदान कर सकता है।

गांधीवादी अध्ययन में विशेषज्ञता रखने वाले शिक्षकों और शोधकर्ताओं की आवश्यकता है जो इस ज्ञान को अगली पीढ़ी तक पहुँचा सकें और इस क्षेत्र में अनुसंधान को आगे बढ़ा सकें। एक समर्पित विश्वविद्यालय ऐसे विशेषज्ञों को प्रशिक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। महात्मा गांधी के विचार वैश्विक स्तर पर प्रासंगिक हैं। एक विश्वविद्यालय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय विद्वानों, कार्यकर्ताओं और नीति निर्माताओं के बीच गांधीवादी विचारों पर संवाद और सहयोग को बढ़ावा दे सकता है।

राजस्थान का महात्मा गांधी के जीवन और कार्यों से गहरा संबंध रहा है। खेड़ा सत्याग्रह और अन्य आंदोलनों के दौरान उनका यहाँ आना-जाना रहा। इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण भी राजस्थान में महात्मा गांधी के नाम पर एक विश्वविद्यालय स्थापित करना उचित होगा।

विश्वविद्यालय छात्रों में सत्य, अहिंसा, करुणा, सहिष्णुता और सामाजिक न्याय जैसे गांधीवादी मूल्यों को विकसित करने में मदद कर सकता है, जो एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज के लिए आवश्यक हैं।

एक गांधीवादी विश्वविद्यालय छात्रों को सामुदायिक सेवा और सामाजिक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित कर सकता है, जिससे वे गांधी के सेवा भाव और सामाजिक जिम्मेदारी के सिद्धांतों को व्यावहारिक रूप से सीख सकें। ऐसा विश्वविद्यालय गांधीवादी विचारधारा के अनुयायियों और इतिहासकारों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है, जिससे पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा मिलेगा। 2020 बहु-विषयक शिक्षा को बढ़ावा देता है, और गांधीवादी अध्ययन में दर्शनशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र और साहित्य जैसे कई विषयों का समावेश होता है। इसलिए, महात्मा गांधी के अध्ययन पर एक विश्वविद्यालय स्थापित करना 2020 के सिद्धांतों के अनुरूप हो सकता है, खासकर यदि यह संस्थान गांधीवादी विचारों के विभिन्न पहलुओं में गहन अध्ययन और अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करे।

मूल गांधीवादी अध्ययन से संबंधित विषय:

गांधीवादी दर्शन और विचार: यह विषय गांधी के प्रमुख दार्शनिक सिद्धांतों जैसे सत्य, अहिंसा, सत्याग्रह, सर्वोदय, न्यासता, और उनके आध्यात्मिक और नैतिक विचारों का गहन अध्ययन करेगा।

गांधी का जीवन और कार्य: गांधी के प्रारंभिक जीवन से लेकर स्वतंत्रता संग्राम में उनकी भूमिका और उनके अंतिम दिनों तक की जीवनी का विस्तृत अध्ययन। उनके प्रमुख आंदोलनों (जैसे असहयोग, सविनय अवज्ञा, भारत छोड़ो) और उनके द्वारा स्थापित संस्थानों का अध्ययन। गांधी और भारतीय स्वतंत्रता संग्राम: भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में गांधी की नेतृत्व भूमिका, उनकी रणनीतियाँ और उनका प्रभाव। अन्य स्वतंत्रता सेनानियों और आंदोलनों के साथ उनके संबंध।

गांधी का सामाजिक और राजनीतिक चिंतन: जाति व्यवस्था, अस्पृश्यता, महिलाओं के अधिकार, ग्राम स्वराज, लोकतंत्र और राष्ट्रवाद पर गांधी के विचार। समकालीन सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर उनके विचारों की प्रासंगिकता। गांधी और अर्थशास्त्र: गांधी का स्वदेशी आंदोलन, ग्राम आधारित अर्थव्यवस्था, विकेंद्रीकरण और शोषण मुक्त अर्थव्यवस्था का उनका दृष्टिकोण। वर्तमान आर्थिक नीतियों के संदर्भ में उनकी विचारों की प्रासंगिकता। **गांधी और धर्म:** सभी धर्मों के प्रति गांधी का दृष्टिकोण, धार्मिक सहिष्णुता, और धर्म का नैतिकता और राजनीति से संबंध। गांधी और संचार: गांधी के जनसंचार के तरीके, उनके लेखन, भाषण और आंदोलनों के माध्यम से लोगों को संगठित करने की उनकी क्षमता का अध्ययन।

अंतर-विषयक दृष्टिकोण वाले विषय:

गांधी और दर्शनशास्त्र: पश्चिमी और भारतीय दर्शन के संदर्भ में गांधी के विचारों का तुलनात्मक अध्ययन। नीतिशास्त्र, सामाजिक दर्शन और राजनीतिक दर्शन के साथ उनके विचारों का संबंध। गांधी और इतिहास: गांधी के जीवन और कार्यों का ऐतिहासिक संदर्भ, उनके समय की सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक परिस्थितियाँ।

इतिहास लेखन में गांधी का स्थान। गांधी और समाजशास्त्र: भारतीय समाज पर गांधी के विचारों का प्रभाव, सामाजिक परिवर्तन के उनके तरीके, और सामुदायिक विकास में उनकी भूमिका। गांधी और राजनीति विज्ञान: गांधी के राजनीतिक विचार, सत्ता की अवधारणा, अहिंसक प्रतिरोध के सिद्धांत, और लोकतांत्रिक शासन के उनके विचार।

गांधी और अर्थशास्त्र: गांधीवादी अर्थशास्त्र के सिद्धांत, सतत विकास, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक न्याय के साथ इसका संबंध।

गांधी और साहित्य: गांधी के लेखन का अध्ययन (जैसे हिंद स्वराज), उन पर और उनके आंदोलनों पर लिखे गए साहित्य का अध्ययन। गांधी और कला: गांधी के जीवन और दर्शन का कला, संगीत और रंगमंच पर प्रभाव। गांधी और शांति अध्ययन: संघर्ष समाधान, अहिंसक प्रतिरोध, और शांति निर्माण में गांधी के विचारों और तरीकों का अध्ययन।

गांधी और मानवाधिकार: मानवाधिकारों के प्रति गांधी का दृष्टिकोण और समकालीन मानवाधिकार आंदोलनों पर उनका प्रभाव। गांधी और पर्यावरण अध्ययन: प्रकृति के प्रति गांधी का सम्मान और सतत जीवन शैली के उनके विचार। पर्यावरण संरक्षण के आंदोलनों के लिए उनकी प्रासंगिकता।

समकालीन प्रासंगिकता और अनुप्रयोग पर केंद्रित विषय:

गांधीवादी विचार और समकालीन चुनौतियाँ: आतंकवाद, जलवायु परिवर्तन, गरीबी, असमानता और सामाजिक अन्याय जैसी वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के समाधान में गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता का अध्ययन।

गांधीवादी नेतृत्व और प्रबंधन: नेतृत्व के गांधीवादी सिद्धांत और उनका आधुनिक प्रबंधन प्रथाओं में अनुप्रयोग।

गांधीवादी आंदोलन और सामाजिक परिवर्तन: विभिन्न सामाजिक आंदोलनों पर गांधीवादी तरीकों का प्रभाव और सामाजिक परिवर्तन लाने में उनकी भूमिका।

गांधी और मीडिया: आधुनिक मीडिया के संदर्भ में गांधीवादी मूल्यों और संचार के तरीकों की प्रासंगिकता।

गांधीवादी शिक्षा: शिक्षा के प्रति गांधी का दृष्टिकोण और समकालीन शिक्षा प्रणालियों में उनके विचारों का अनुप्रयोग। यह विश्वविद्यालय इन विषयों के अंतर्गत स्नातक, स्नातकोत्तर और डॉक्टरेट स्तर के पाठ्यक्रम प्रदान कर सकता है। इसके अतिरिक्त, यह शोध केंद्र, गांधीवादी संग्रहालय और अभिलेखागार भी स्थापित कर सकता है ताकि गांधीवादी अध्ययन और अनुसंधान को बढ़ावा दिया जा सके। विश्वविद्यालय को अंत:विषयक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना चाहिए ताकि छात्र गांधीवादी विचारों की समग्र समझ विकसित कर सकें और विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उनके अनुप्रयोगों का पता लगा सकें।

महात्मा गांधी अध्ययन पर केंद्रित एक विश्वविद्यालय विभिन्न स्तरों पर शैक्षणिक डिग्री प्रदान कर सकता है, जो छात्रों की शैक्षणिक प्रगति और विशेषज्ञता को दर्शाती हैं। यहाँ उन संभावित शैक्षणिक डिग्रियों की सूची दी गई है जो इस विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जा सकती हैं।

स्नातक: बी.ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) इन गांधीवादी अध्ययन: यह तीन वर्षीय डिग्री गांधी के जीवन, दर्शन, और प्रमुख विचारों की एक व्यापक नींव प्रदान करेगी।

बी.ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) इन गांधी और सामाजिक विज्ञान: यह डिग्री गांधीवादी विचारों को समाजशास्त्र, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र जैसे सामाजिक विज्ञानों के साथ जोड़कर अध्ययन कराएगी।

बी.ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) इन गांधी और शांति अध्ययन: यह डिग्री संघर्ष समाधान, अहिंसक प्रतिरोध और शांति निर्माण के गांधीवादी सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करेगी।

डी.लिट्. (डॉक्टर ऑफ लिटरेचर) / डी.फिल. (डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी) (मानद उपाधि): यह विश्वविद्यालय गांधीवादी दर्शन या संबंधित क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले प्रतिष्ठित व्यक्तियों को मानद उपाधियाँ भी प्रदान कर सकता है।

डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम : विश्वविद्यालय विभिन्न अवधि के डिप्लोमा और सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम भी प्रदान कर सकता है, जो विशिष्ट कौशल या ज्ञान प्रदान करते हैं, जैसे: गांधीवादी विचारधारा में डिप्लोमा, अहिंसक संचार में सर्टिफिकेट, गांधीवादी सामाजिक कार्य में डिप्लोमा, शांति और संघर्ष समाधान में सर्टिफिकेट, गांधी और सतत जीवन शैली में सर्टिफिकेट

इन डिग्रियों और पाठ्यक्रमों के अलावा, विश्वविद्यालय अंत:विषयक अध्ययन को बढ़ावा देने के लिए अन्य विभागों के साथ संयुक्त डिग्री कार्यक्रम भी प्रदान कर सकता है। उदाहरण के लिए, गांधी और पत्रकारिता, गांधी और कानून, आदि। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि विश्वविद्यालय द्वारा प्रदान की जाने वाली शैक्षिणक डिग्रियाँ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों और छात्रों को विभिन्न करियर पथों के लिए तैयार करें, चाहे वह शिक्षा, अनुसंधान, सामाजिक कार्य, नीति निर्माण या सक्रियता हो। पाठ्यक्रमों को समकालीन चुनौतियों और गांधीवादी विचारों की प्रासंगिकता को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जाना चाहिए। राजस्थान सरकार इस विषय पर चिंतन कर सकती है। जयपुर में एक अध्ययन केंद्र की बिल्डिंग का निर्माण किया गया है लेकिन उसके उपयोग के लिए अभी कोई योजना नहीं बनाई गई है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

35 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण व पशुधन संवर्धन क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं भंवरलाल खटीक

बरूंदनी गांव निवासी भंवरलाल खटीक ने पर्यावरण संरक्षण और पशुधन संवर्धन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक मिसाल कायम की है

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा जिले के बरूंदनी गांव निवासी भंवरलाल खटीक ने पर्यावरण संरक्षण और पशुधन संवर्धन के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक मिसाल कायम की है। हाल ही में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने राज्य स्तरीय वनस्पति बीज बैंक कार्यशाला के दौरान भंवरलाल खटीक के कार्यों को सराहते हुए उन्हें मंच पर सम्मानित किया। बीते 35 वर्षों से बरूंदनी गांव निवासी भंवरलाल खटीक ने अपने अथक परिश्रम और निजी संसाधनों से 200 हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह भूमि का विकास कर उसे हरियाली में बदल दिया है। उनका यह कार्य आज केवल गांव के लिए नहीं, बल्कि समूचे राजस्थान के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बन गया है।

शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने हाल ही में राज्य स्तरीय वनस्पति बीज बैंक कार्यशाला के दौरान भंवरलाल खटीक को सम्मानित किया था।

- 35 वर्षों से अपने अथक परिश्रम और निजी संसाधनों से 200 हेक्टेयर क्षेत्र में चारागाह भूमि का विकास कर उसे हरियाली में बदला
- भंवरलाल ने एक वनस्पति बीज बैंक की स्थापना की है, जिसमें विभिन्न उपयोगी घासों और वनस्पतियों के बीज एकत्र किये जाते हैं
- आसपास के क्षेत्रों के पशुपालक विकसित चारागाह भूमि से लाभान्वित हो रहे हैं

बरूंदनी गांव निवासी भंवरलाल खटीक ने चारागाह भूमि को न केवल हरित बनाया, बल्कि उसमें विभिन्न प्रकार की देशी वनस्पतियों और घासों का रोपण कर उसका संरक्षण भी किया। उन्होंने एक वनस्पति बीज बैंक की स्थापना की है, जिसमें विभिन्न उपयोगी घासों और वनस्पतियों के बीज एकत्र कर रखे जाते हैं, जिससे आसपास के क्षेत्रों में भी चारागाह विकास और पुनर्रुत्थान में सहयोग मिल रहा है। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने हाल ही में आयोजित राज्य स्तरीय वनस्पति बीज बैंक कार्यशाला के दौरान भंवरलाल खटीक के कार्यों को सराहते हुए उन्हें मंच पर सम्मानित किया था।

मंत्री ने कहा कि खटीक जैसे व्यक्तित्व समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कार्य किया है, बल्कि पशुधन के लिए भी एक सुरक्षित एवं हरित स्थान प्रदान किया है। बरूंदनी गांव और आसपास के क्षेत्रों के पशुपालक आज भंवरलाल खटीक द्वारा विकसित चारागाह भूमि से लाभान्वित हो रहे हैं। इस भूमि पर वर्षभर हरित चारा उपलब्ध रहता है, जिससे पशुओं को पौष्टिक आहार मिल रहा है। इसके चलते दुग्ध उत्पादन में भी वृद्धि हुई है और ग्रामीणों की आजीविका सशक्त हुई है। भंवरलाल खटीक का यह प्रयास यह सिखाता है कि यदि संकल्प दृढ़ हो तो व्यक्तिगत स्तर पर भी बड़े बदलाव लाए जा सकते हैं। उनका कार्य भावी पीढ़ी को पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता, जलवायु संतुलन और सतत विकास की ओर प्रेरित करता है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 23 अप्रैल, 2025

वैशाख मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र दिन 12:08 तक, शुक्ल योग सायं 6:51 तक, विष्टि करण सायं 4:44 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज भद्रा सायं 4:44 तक है। महापात योग दिन 12:41 से सायं 4:32 तक है। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:12 तव, शुभ 10:49 से 12:25 तक, चर 3:38 से 5:14 तक, लाभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:59, सूर्यास्त 6:51

मेष

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसासियक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है।

वृष

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसासियक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

व्यक्तिगत परेशानियां अभी यथाावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आज स्वभाव की तेजी पर नियंत्रण रखें।

सिंह

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

कन्या

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

व्यावसायिक कार्यों से संबंधित मामलों में सोच-विचार होगा। कार्य योजना बन सकती है। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृश्चिक

घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा।

धनु

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ

अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। घर-परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब होगा।

सार-समाचार

जिला कलेक्टर ने ली समीक्षा बैठक

मंडफिया, (निसं)। जिला कलक्टर आलोक रंजन ने मंगलवार को पंचायत समिति भदेसर के सभागार में पेयजल व्यवस्था को लेकर आवश्यक बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने कहा कि आगामी दिनों मे गर्मी को देखते हुए कुछ ठााम पंचायतो में पानी की दिक्कत आ सकती है इससे पहले व्यवस्था हो जाये तो आमजन एवं पशु पक्षियों के लिए समस्या नहीं होगी। जिला कलक्टर रंजन ने निर्देश दिए कि गर्मी को देखते हुए पेयजल की, सार्वजनिक स्थलों पर पेयजल टैंकर और प्याऊ की व्यवस्था करने पर जोर दिया साथ ही पशु-पक्षियों के लिए विभिन्न स्थानों पर परींडे व कुंडिया (पानी के बर्तन) बांधने व रखने के भी निर्देश दिए। जिला कलक्टर रंजन ने कहा कि गर्मी से निपटने के लिए हैंड पंप बोरवेल्स की क्या स्थिति में है अगर कोई खराब है तो उनको तुरंत प्रभाव से तैयार करा कर चालू करावे एवं जिन गांवों में पानी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है उन गांवों में टैंकरों से पानी पहुंचाने की व्यवस्था तुरंत प्रभाव राज्य निर्देशानुसार कार्यवाही करें तथा पानी की गुणवत्ता की रेगुलर जांच करें। उन्होंने सांवलिया जी गौशाला के गायों के लिए भी छाया पानी एवं घास व्यवस्था एडवांस रखने, गर्मी के तुरंत पश्चात पौधारोपण व गड्ढे खोदने की तैयारी करने व ज्यादा से ज्यादा पेड पौधे वर्षा की सीजन मे लगाने के निर्देश दिए।बैठक में उपखंड अधिकारी भदेसर , तहसीलदार, नायब तहसीलदार,विकास अधिकारी सहित जन स्वास्थ्य अभियंत्रिक विभाग के अधिकारी,एवं ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

जनचेतना यात्रा को दिखाई हरी झण्डी

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मण्ड़ल, क्षेत्रीय कार्यालय उदयपुर के तत्वावधान में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर विविध जागरूकता कार्यक्रम हुए। क्षेत्रीय अधिकारी शरद सक्सेना ने बताया कि पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय कार्यालय एवं फोस्टर भारतीय पर्यावरण सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में पर्यावरण संरक्षण एवं स्वच्छता जनचेतना यात्रा निकाली गई। जिला कलक्टर नमित मेहता ने कलक्ट्रेट परिसर में हरी झण्डी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों को हीट वैव से बचाव एवं रोकथाम के लिए निर्देशित किया। फतहसागर झील एवं गुलाब बाग क्षेत्र में कपडे॰के थैले एवं कम्पोस्टेबल बैग वितरित कर आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। आमजन को एकल प्रयोग प्लास्टिक के नुकसान एवं प्रकृति में होने वाली हानियों के बारे में अवगत कराया। विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों में आईईसी गतिविधियायथा पोस्टर प्रतियोगिता, शपथ ग्रहण एवं पौधारोपण का आयोजन किया गया। विभिन्न औद्योगिक इकाईयों ने भी उत्साह पूर्वक पृथ्वी दिवस मनाया इसमें शपथ ग्रहण, पौधारोपण एवं कपड़े के थैले वितरित किए गए।

मदर्स डे पर हुए कार्यक्रम

उदयपुर, (कासं)। मदर्स डे के अवसर पर मातृत्व, महिला सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता को समर्पित विविध गतिविधियाँ एवं प्रेरणादायक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस आयोजन के माध्यम से नारी शक्ति को सम्मान देने, उनकी रचनात्मकता को मंच प्रदान करने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल की जा रही है। कार्यक्रम का संचालन गीतांजली हॉस्पिटल एवं प्रेक्षा एंटरटेनमेंट द्वारा किया जा रहा है, जो स्वास्थ्य और सांस्कृतिक विकास दोनों क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।आयोजन में जैन सोशल ग्रुप संगिनी अरहम की संस्थापक अध्यक्ष रश्मि पगारिया विशेष योगदान दे रही हैं।इनके साथ मंजीत कौर, महिला मोर्चा कार्यालय मंत्री, भारतीय जनता पार्टी नीमच, भी इस पहल में भागीदारी निभा रही हैं। डॉ. बलदीप शर्मा, सचिव भारत विकास परिषद, एवं प्रीति चपलोत, अध्यक्ष प्रेशियस क्लब, इस आयोजन में शामिल होकर महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रेरणा दे रही हैं।

धोखाधड़ी का मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखे से नकदी हडपने का प्रकरण दर्ज किया है।पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित निशांत पुत्र भगवतीलाल साहू निवासी चपड़े वाली गली झीणीरेत उदयपुर ने आरोपी हेमा हसीज पत्नी हरीश हसीजा निवासी सविना के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण बचाने का लिया संकल्प

राजसमन्द, (निसं)। पृथ्वी दिवस पर शहर सहित जिलेभर में विविध गतिविधियों का आयोजन कया गया। इसी क्रम में आलोक स्कूल के विद्यार्थियों ने विश्व पृथ्वी दिवस पर विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का महत्वपूर्ण संदेश दिया। इंटरेक्ट क्लब और इको क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रमों में छात्रों ने शहर के जल चक्की चौराहे से कांकरोली बस स्टैंड तक आमजन को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक के उद्देश्य से जागरूकता रैली निकाली। विद्यार्थियों ने अपने हाथों में पेड, पानी, पहाड, नदियां, जंगल, पक्षी और मिट्टी को बचाने से संबंधित नारे लिखी तख्तियां के साथ पर्यावरण से जुडे नारे लगाते हुए चल रहे थे। रैली जल चक्की चौराहे से शुरू होकर कांकरोली बस स्टैंड पर समाप्त हुई, जहां पृथ्वी को बचाने से संबंधित रंगोली बनाई गई और सभी ने मिलकर पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया। इससे पूर्व विद्यालय में विद्यार्थियों ने सुंदर रंगोली बनाकर पृथ्वी, पानी और पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को दर्शाया। कक्षा 3 से 12 तक के छात्रों ने पर्यावरण सुरक्षा, पृथ्वी और पानी को

■ पृथ्वी दिवस पर स्काउट गाइड ने बांधे परिण्डे

बचाने विषयों पर आयोजित पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। संस्थान निदेशक डॉ प्रदीप कुमावत ने विद्यार्थियों को पर्यावरण को सुरक्षित रखनें, अधिक पेड लगाने, पानी बचाने और पॉलीथिन का उपयोग न करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने आ ान करते हुए कहा कि पृथ्वी को बचाने के लिए सबसे पहले पानी की बचत करनी होगी और प्लास्टिक के बढते उपयोग को समाप्त करना होगा। पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पेट्रोल्-डीजल से चलने वाले वाहनों का कम से कम उपयोग करके प्रदूषण को कम करने का प्रयास करना होगा।

उन्होंने कहा कि ये साधारण उपाय पृथ्वी को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। धरती हमारी मां है और हमें उसे नमन कर उसकी रक्षा का संकल्प लेना चाहिए। प्राचार्य ललित गोस्वामी ने बताया कि पृथ्वी दिवस पर कक्षा 9 और 10 के विद्यार्थियों ने शहर में रैली निकाली। पर्यावरण संरक्षण के इस महत्वपूर्ण अभियान की रैली को सहायक प्रशासक ध्ा्व कुमावत ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। विद्यार्थियों ने लघु नृत्य नाटिका के माध्यम से पृथ्वी को प्रदूषण से बचाने का प्रभावशाली संदेश दिया। इसके साथ ही, पृथ्वी की प्रतिकृति पर एक विशाल रंगोली बनाकर पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। ग्लोबल वार्मिंग, पृथ्वी और पानी का संरक्षण, पेड-पौधों की सुरक्षा, ई-कचरा प्रबंधन और बूंद-बूंद पानी को सहेजने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर पोस्टर बनाए और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति अपनी दूरदर्शिता का परिचय दिया।

जिला मुख्यालय के समीप एमडी स्थित राउमावि के स्काउट गाइड व कब बुल ने घर-घर जाएगें परिण्डे व चुग्गा पात्र लगायेगें, स्काउट गाइड का कहना है, हरियाली बढाना है के निनाद के साथ पृथ्वी दिवस मनाया। प्रधानाचार्य एवं पीईओ भानुकुमार वैष्णव ने कहा कि आज के समय में इस पृथ्वी को बचाना ओर पर्यावरण के सन्तुलन को बरकरार रखना एक चुनौती भरा टास्क हो गया है। अगर हम सब मिलकर अपने-अपने घरों में एक-एक पेड लगाकर व पक्षियों के लिए इस भीषण गर्मी में परीण्डा व चुग्गा पात्र लगाएंगे तो निश्चित रूप से हम प्रकृति के सन्तुलन को बनाय रखने में सहायक सिद्ध होगें। पीटीआई एवं स्थानीय संघ सचिव धर्मेंद्र गुर्जर अनोखा ने बताया कि पृथ्वी दिवस पर नेशनल ग्रीन कोर के तहत गठित इको क्लब सदस्यों ने जिला कलेक्टर बालमुकुंद असावा के पक्षी मित्र मुहिम के तहत विद्यालय में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ के स्काउट गाइड व कब बुलबुल ने पक्षियों के लिए परिण्डे एवं चुग्गा पात्र लगाकर आ ान किया कि हम सभी गांव के घर-घर जायेंगे, चुग्गा पात्र लगायेंगे, घर-घर जायेंगे पेड जरूर लगायेंगे, स्काउट गाइड ने ठाना है प्रकृति को बचाना है भाव को लेकर पृथ्वी दिवस मनाया। इस दौरान चन्द्र वन्दना कुमावत, कौशलचन्द्र सनाढ्य, गाइडर निषा जांगिड, पुर्णिमा राजपूत, मंजु वैष्णव, शान्ति शर्मा, गोपाल कुमावत, भावेश कुमावत, सोनाली शक्तावत सहत विद्यार्थी मौजूद थे।राउमावि बडगुल्ला में राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के सक्रिय युनिट की ओर से कार्यवाहक प्रधानाचार्य मोहनलाल की अध्यक्षता में पृथ्वी दिवस पर विविध गतिविधियां आयोजित की गई।

जेवराती सोना हड़पा

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने सर्राफा व्यापारी से जेवराती सोना हडपने वाले कारीगरों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित रोहित पुत्र नरेन्द्र कुमार सोनी निवासी सौरभ एनक्लेव न्यू भुपालपुरा ने आरोपी प्रदीप सोनी उर्फ दिपु पुत्र मदनलाल सोनी निवाी मादिका मजिस्द केप ास नियारो का कुआ चुरू तथा रमेश सेनी पुत्र सत्यनारायण सेनी निवासी शुभम ज्वेलर्स भाई का चौक सेन मंदिर चुरू के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि मेरी न्यू भुपालपुरा खारांकुआ पर रामा ज्वेलस नाम से दुकान हैं।

नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शहर के सुखेर थाना पुलिस ने नौकरी दिलाने का झांसा देकर पीडित से लाखों की नकदी हडपने वाले के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित नरेन्द्रसिंह पुत्र हिम्मतसिंह निवासी कनसडा केलवा राजसमन्द हॉल सोलिरिया गार्डन श्यामनगर सुखेर ने आरोपी प्रदीप चौधरी पुत्र रामदयाल निवासी भीलवाडा के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि आरोपी से मेरा संपर्क राकेश आमेटा सुखार राजसमन्द के जरिये हुआ था। इस दौरान नजदीकिया बढने पर आरोपी ने सरकारी नौकरी दिलाने की बात कही। इसके लिए आरोपी ने तीन माह पर्वू मुझसे 12 लाख रूपये प्राप्त किए थे।

प्रपत्र संख्या-7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, उदयपुर (राज.)

नोटिस

पत्रावली संख्या: 40/2025/1459 दिनांक 16-4-25

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस सम्बन्धित व्यक्तियों को (नाम, वर्णन तथा निवास स्थान) (समाचार पत्र में प्रकाशन)

चूंकि श्री पवन कुमार पगारिया, अध्यक्ष ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(2) के अंतर्गत श्री पार्श्वनाथ जैन ट्रस्ट, 569 हिरण मगरी, सेक्टर-11, उदयपुर प्रन्यास के सम्बन्ध में किये जाने के लिये आवेदन-पत्र दिया है। अतएव धारा 18 की उपधारा 2 द्वारा प्रदत शक्तियों के प्रयोग में उपयुक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 (साठ) दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई है तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभीलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 16.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आगामी पेशी तारीख 24.06.2025 की रखी गयी है।

मोहर

(जतीन कुमार गांधी)
सहायक आयुक्त
देवस्थान विभाग, उदयपुर

कार्यालय उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर (राज.)

क्रमांक: F.7/12 /PLAN/LANDUSE/2025-26/703 **आम सूचना** दिनांक : 21/4/2025

सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार के द्वारा गुलाब कोठारी बनाम राजस्थान सरकार एवं अन्य सिविल रिट संख्या 1554/2004 में माननीय उच्च न्यायालय, जोधपुर के द्वारा पारित निर्णय के क्रम में सरकार के विभागीय आदेश दिनांक 20-07-2017 के अनुसार एवं राज्य सरकार के द्वारा समय-समय पर वृहद/व्यापक जनहित के दृष्टिगत मास्टर प्लान में भू-उपयोग परिवर्तन अनुज्ञये किये जाने के संबंध मे प्रदत आदेशों/परिपत्रों की अनुपालना मे निम्नलिखित प्रकरण भू-उपयोग परिवर्तन बाबत विचाराधीन है:-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम/ योजना	खसरा संख्या / ब्लॉक संख्या	भूखण्ड संख्या	क्षेत्रफल	भूखण्ड / भूमि की स्थिति	भू-उपयोग परिवर्तन
1	श्रीमती भूरी बाई पत्नी श्री देवीलाल पटेल	सवीना	211 से 219, 223 से 255, 257, 259, 4070/246	03	1920.00 वर्गफीट	सविना चौराहे से जडाव नर्सरी जाने वाली 150 फीट सडक पर पण्डित पराठा के सामने स्थित है।	आवासीय उपयोग से वाणिज्यिक प्रयोजनार्थ

उक्त प्रकरण के भू-उपयोग परिवर्तन के सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्राधिकरण कार्यालय में इस सूचना जारी होने की तिथि से 15 दिवस में किसी भी कार्य दिवस में निम्नहस्ताक्षरकर्ता को प्रस्तुत कर सकते है। इस समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होने पर भू-उपयोग परिवर्तन बाबत अग्रिम कार्यवाही की जायेगी।

सचिव, उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर

शिक्षा मंत्री के नाम भेजा ज्ञापन

डूंगरपुर, (निसं)। प्रदेशाध्यक्ष सुभाष चंद्र भट्ट, जिलाध्यक्ष हरिओम पंचाल, प्रदेश संगठन महामंत्री विश्राम कटारा ने संयुक्त रूप से बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा हाल ही में एक आदेश जारी कर समस्त सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज करने हेतु कक्षा-अध्यापकों को मोबाइल एप का उपयोग करने के निर्देश दिए हैं। संगठन ने इस आदेश का घोर विरोध करते हुए है इसे तुगलकी फरमान बताया है।

संगठन ने वर्तमान में विद्यार्थियों की उपस्थिति ऑफलाईन रजिस्टर के माध्यम से व्यवस्थित रूप से दर्ज की जा रही है,जो कि वर्षों से स्थापित और सुचारु प्रक्रिया है। राज्य के अनेक विद्यालय दुर्गम, ग्रामीण और पहाडी क्षेत्रों में स्थित हैं, जहाँ नेटवर्क की अत्यंत दयनीय स्थिति है। ऐसी स्थिति में मोबाइल एप से उपस्थिति दर्ज करना व्यवहारिक रूप से संभव नहीं है।

देश में स्वच्छता इमरजेंसी लागू करने की आवश्यकता : गुप्ता

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान सरकार के स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के प्रदेश समन्वयक और नगर निकाय झुंझूनू, बांसवाडा तथा उदयपुर के लिए न्यायालय द्वारा नियुक्त न्याय मित्र के के गुप्ता ने केन्द्र सरकार को सुझाव दिया है कि भारत में स्वच्छता की स्थिति को बेहतर बनाने और सुधारने के लिए भारत सरकार को देश में स्वच्छता इमरजेंसी लागू करने की आवश्यकता है। स्वच्छता इमरजेंसी लागू होने से देश में स्वच्छता की स्थिति में अपेक्षित सुधार हो सकेगा।

गुप्ता ने बयान जारी कर कहा कि भारत में स्वच्छता एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, जिस पर सबसे पहले ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि, इसका सीधा सम्बंध स्वास्थ्य से जुडा हुआ है। गंदगी की वजह से ही देश में लाखों लोग बीमार होते है और हजारों लोगों की असामयिक मृत्यु हो जाती है। गंदगी जनित बीमारियों के इलाज पर सरकार को लाखों करोडो रू. खर्च करने पडते है।अत: स्वच्छता के महत्व को समझते हुए देश में तत्काल स्वच्छता इमरजेंसी लागू कर गंदगी फैलाने के लिए दोषी लोगों पर भारी अर्थ दण्ड लगाने का कानून बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देश में स्वच्छता की स्थिति को सुधारने के लिए सरकार और नागरिकों को मिल कर काम करने की आवश्यकता है।इसके बिना स्वच्छता के लिए जागरूकता पैदा नहीं होगी और स्वच्छता कार्यक्रम पूरी तरह से जन आन्दोलन भी नहीं बन पायेगा। निकायों में अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों पर जब तक नैतिक दबाव नहीं होगा स्वच्छता का धरातल पर उतरना मुस्किल है। निकायों का प्राथमिक दायित्व स्वच्छता है लेकिन दुर्भाग्य से यह केवल कागजों में ही चमक रही है। उन्होंने बताया कि स्वच्छता इमरजेंसी लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने जरूरी है। सबसे पहले सरकार और नागरिकों को मिलकर सघन स्वच्छता अभियान चलाने की आवश्यकता है। इसके लिए शहरों और गांवों में स्वच्छता की आधुनिक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी।

गुप्ता ने बताया कि देश में कूडा-कचरा प्रबंधन की व्यवस्था को सख्ती से लागू करना होगा। गुप्ता ने कहा कि सरकार को शहरों और गांवों में स्वच्छता की आधुनिक सुविधाएं प्रदान करनी होंगी। इसके लिए शौचालय, कूडा-कचरा प्रबंधन और स्वच्छ पानी की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी।

मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर

क्रमांक/मोलासुविवि/परीक्षा/2025/8550 दिनांक 22.04.2025

अधिसूचना संख्या - 13 (परीक्षा आवेदन 2024-25)

विश्वविद्यालय के समस्त B.A. B.Ed. द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष तथा B.Sc. B.Ed. द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ वर्ष के नियमित/पूर्व अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि उनके परीक्षा सत्र 2025 के लिए ऑनलाईन परीक्षा आवेदन दिनांक 23.04.2025 से आमंत्रित किये जाते है, जिसकी ऑनलाईन आवेदन की अन्तिम तिथि दिनांक 02.05.2025 तक आवेदन कर सकेंगे।
समस्त अभ्यर्थी परीक्षा आवेदन की हार्ड कॉपी संबंधित महाविद्यालय में दिनांक 07.05.2025 तक आवश्यक रूप से जमा कराना सुनिश्चित करावें।
नोट :- अभ्यर्थी परीक्षा संबंधित समस्त अद्यतन सूचना हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाईट का समय-समय पर अवलोकन करते रहें। (डॉ. राजेश चन्द्र कुमावत)-परीक्षा नियंत्रक

विधायक फूलसिंह मीणा करवाएंगे प्रतिभाशाली छात्राओं को हवाई यात्रा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर ग्रामीण से लगातार तीसरी बार निर्वाचित हुए विधायक फूलसिंह मीणा के सानिध्य में 57 प्रतिभाशाली छात्राएं हवाई यात्रा कर जयपुर में राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं अन्य मंत्रियों से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगी।

प्रथम चरण में 30 छात्राएं 13 मई को हवाई जहाज से जयपुर के लिए रवाना होगी। शेष 27 छात्राओं को दूसरे चरण में ले जाया जाएगा। विधायक फुलसिंह मीणा उदयपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र की प्रत्येक पंचायत एवं वार्ड से कक्षा 10 एवं कक्षा 12 में से सभी वर्गों में से सर्वाधिक अंक पाने वाली 57 छात्राओं को हवाई यात्रा से जयपुर ले जा रहे हैं। सभी छात्राएं विधानसभा भवन का अवलोकन भी करेगी। विधायक फूलसिंह मीणा विधानसभा के स्पीकर पैनल में शामिल है और विधानसभा की जनजाति कल्याण समिति के सभापति भी हैं। विधायक फूलसिंह मीणा की अनूठी पहल के कारण क्षेत्र में हर बार हवाई यात्रा की पात्र छात्राओं की संख्या निरंतर बढती जा रही है। पिछली बार यह संख्या 24 थी,इस बार ढाई गुना संख्या जो 57 है। छात्राएं स्वामीनारायण मंदिर,बिरला मंदिर एवं गणेश जी मंदिर मोती डूंगरी के दर्शन भी करेगी।

विधायक फूलसिंह मीणा ने बताया कि इस अनूठे नवाचार के लिए अपनी बेटियों से प्रेरणा मिली। 15 वर्ष की आयु में पढाई छोड चुके विधायक फूलसिंह ने अपनी बेटियों के प्रेरणा और प्रोत्साहन से 40 वर्ष बाद 55 वर्ष की उम्र में पुन: शिक्षा की डगर थामी और बी.ए. उत्तीर्ण करने के बाद अभी एम.ए. अधिस्नातक अंतिम वर्ष में अध्यनरत हैं।उन्होंने बताया कि समूचे क्षेत्र में जहां भी वह जाते है, बालिकाएं उन्हें बताती हैं कि उनका सपना भी बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर उनके सानिध्य में हवाई यात्रा करने का है तो उन्हें अपनी पहल के सार्थक होने पर सुकून महसूस होता है। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं में शिक्षा की अलख जोर.शोर से जाग चुकी है। विधायक फूलसिंह मीणा स्वयं की पांचों पुत्रियां उच्च शिक्षित हैं।

जिला कारागृह का निरीक्षण

बांसवाड़ा, (निसं)। बांसवाडा में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव व अपर जिला न्यायाधीष कौशल सिंह ने जिला कारागृह का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह के समस्त बैरकों, भोजनषाला, महिला बैरक, शौचालय व स्नानघर आदि में साफ-सफाई की व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई।

निरीक्षण के दौरान जिला कारागृह में कारागृह प्रशासन द्वारा 372 बंदी उपस्थित होना जाहिर किया गया है। इस अवसर पर प्राधिकरण सचिव कौशल सिंह ने बन्दीगणों को नि:शुल्क विधिक सहायता के बारे में जानकारी देते हुए उनके प्रकरणों में अधिवक्ता नियुक्त होने अथवा नहीं होने के सम्बन्ध में जानकारी ली।

पर्स छीना

उदयपुर, (कासं)। बाइक सवार बदमाश स्कूटी सवार महिला का पर्स छिन ले गए। जिसमें जेवरात व नकदी थी। जानकारी के अनुसार पीडिता नीलीमता नगवाड़ा पुत्री रामलाल निवासी सिद्धार्थ कॉलोनी विजयनगर ब्यावर हॉल हनुमान मंदिर के आगे खारोल कॉलोनी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडिता ने बताया कि 19 अप्रेल रात मैं अपनी बहन को लेकर स्कूटी से सहेलियों की बार्ड मार्ग पर जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार तीन बदमाशों में से एक बदमाश ने झपट्टा मार बहन के हाथ से पर्स छीन ले गया। जिसमें सोने की रिंग, 10 हजार रूपये नकदी के अलावा कीमती सामान था।

पृथ्वी हमारी पहचान, संस्कृति व भविष्य का आधार : सारंगदेवोत

उदयपुर, (कासं)। विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर जनार्दन राय नागर राजस्थान विद्यापीठ में 'पृथ्वी हमारी पहचान, संस्कृति और भविष्य' विषय पर आयोजित संगोष्ठी में कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने कहा कि पृथ्वी केवल एक ग्रह नहीं, बल्कि हमारी पहचान, संस्कृति और भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पृथ्वी के संरक्षण की जिम्मेदारी हम सभी की है, क्योंकि यही जीवन का आधार है।

प्रो. सारंगदेवोत ने बताया कि पृथ्वी पंचतत्वों पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश से निर्मित है। वायुमंडल का हवा का आवरण पृथ्वी को जीवन योग्य बनाए रखता है और जैव विविधता की रक्षा करता है। उन्होंने चिंता जताई कि अनगिनत वन्य जीवों की प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं और कई अन्य संकट के दौर से गुजर रही हैं। कुलपति सारंगदेवोत ने कहा कि आज विश्व के 'माता भूमि: पुत्रोऽहं पृथिव्या:' की संकल्पना से ही पृथ्वी का संरक्षण संभव होगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान दौर में जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई, प्रदूषण और प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी के अस्तित्व के लिए गंभीर खतरे बन चुके हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह पृथ्वी को बचाने के लिए ठोस कदम उठाएं। उन्होंने विद्यार्थियों और जनसामान्य से आव्हान किया कि पृथ्वी को बचाने के लिए पौधरोपण करें, जल संरक्षण को अपनाएं, स्वच्छ ऊर्जा के साधनों का प्रयोग बढ़ाएं और प्राकृतिक संसाधनों के प्रति संवेदनशील बनें।

'फ्लैगशिप योजनाओं के क्रियान्वयन व प्रगति में उदयपुर जिला रहे अग्रणी'

उदयपुर, (कासं)। जिला कलक्टर नमित मेहता ने कहा कि फ्लैगशिप योजनाएं सरकार के जनकल्याणकारी और विकासोन्तुखी दृष्टिकोण के मुख पत्रक के समान होती हैं। उनकी क्रियान्विति में किसी प्रकार की कौताही नहीं बरती जानी चाहिए। उदयपुर जिला इन योजनाओं की क्रियान्विति और प्रगति में प्रदेश में अग्रणी रहे, इसके लिए सभी अधिकारी पूर्ण गंभीरता से कार्य करते हुए अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाएं।

जिला कलक्टर मेहता मंगलवार शाम कलक्ट्रेट सभागार में राज्य सरकार द्वारा हाल में घोषित विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। जिला कलक्टर ने कहा कि इन योजनाओं में जिले की रैंकिंग का विशेष ध्यान रखें। राज्य सरकार, माननीय मुख्यमंत्री महोदय तथा मुख्य सचिव स्तर से लगातार इन योजनाओं की विभिन्न जिलों में प्रगति की मॉनिटरिंग की जा रही है।

मेहता ने खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग की राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना, ऊर्जा विभाग की कुसुम योजना तथा जिले में जीएसएस स्थापना के कार्यों की प्रगति की जानकारी ली। साथ ही महिला अधिकारिता विभाग की लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत योजना से वंचित रही पात्र बालिकाओं को शीघ्र योजना से लाभान्वित करने की निर्देश प्रदान किये। इससे पूर्व जिला कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा के दौरान पशुपालन, विभाग, डेयरी, सहकारिता, श्रम, रोजगार आदि विभागों की विभिन्न योजनाओं तथा बजट घोषणाओं की प्रगति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि संपर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाले प्रकरणों को लेकर सरकार गंभीर है, ऐसे में समस्त अधिकारी संपर्क पोर्टल पर प्राप्त होने वाली शिकायतों का समयबद्ध तथा गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। बैठक के दौरान जिला कलक्टर मेहता ने वर्तमान में जिले में हीट वैव के प्रभावों के संदर्भ में भी अधिकारियों से चर्चा की तथा आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हीट वैव को लेकर सतर्कता बरतें, हीट वैव प्रबंधन को लेकर समस्त विभाग सक्रिय रहे। आमजन से जुड़े विभाग हीट वैव प्रबंधन हेतु विशेष ध्यान दें। साथ ही अधिकारी - कर्मचारी अनावश्यक अवकाश लेने से बचें। बैठक में एडीएम प्रशासन दीपेंद्र सिंह राठौड, नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

कुंवारिया में पंचायत समिति की मांग को लेकर महिलाओं ने भागीदारी निभाई

महिलाओं ने पंचायत समिति की मांग को उठाते हुए धरना स्थल पर भजन-किर्तन किए

राजसमंद, (निसं)। जिले में कुंवारिया तहसील मुख्यालय पर पंचायत समिति की मांग को लेकर कुंवारिया सहित आसपास के विभिन्न गांवों के ग्रामीणों द्वारा गत एक पखवाड़े से भी अधिक समय से जारी धरना प्रदर्शन में मंगलवार को क्षेत्र की महिलाओं ने भी अपनी भागीदारी निभाई। महिलाओं ने पंचायत समिति की मांग को पुरजोर तरीके से उठाते हुए धरना स्थल पर भजन-किर्तन किए तथा कुंवारिया तहसीलदार सीताराम बोलीवाल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम का ज्ञापन सौंपा।

जानकारी के अनुसार क्षेत्र की महिला कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को धरना स्थल पर पहुंचकर पंचायत समिति की मांग में रूकावट डालने वाले लोगों को सद्बुद्धि देने की कामना को लेकर विभिन्न भजन गाए गए। महिलाओं ने मत कर काया रो अभिमान रे बंधे, काया चार दिन की हैं..., समय बड़ो बलवान रे बंधे समय बड़ो बलवान..., आदि भजनो को ढोलकी, मंजिरे व खरताल के साथ में मधुर प्रस्तुतियां दी। धरना स्थल पर महिलाओं ने बताया कि कितनी विचित्र स्थिति हैं कि

कुंवारिया को पंचायत समिति बनाने की मांग को लेकर महिलाओं ने तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा।

- महिला कार्यकर्ताओं ने कुंवारिया तहसीलदार को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा

कुंवारिया तहसील मुख्यालय जो विगत 20 वर्षों से पंचायत समिति की मांग कर रहा है, उसकी जान बूझकर उपेक्षा करने की मंशा से प्रस्ताव नहीं बनाया जा रहा हैं। वहीं कुंवारिया तहसील मुख्यालय को अन्य प्रस्तावित पंचायत समिति में जोड़ा जा रहा है जो सरासर गलत है।

महिलाओं ने कहा कि कुंवारिया की उपेक्षा को स्वीकार नहीं करेंगे। महिलाओं ने बताया कि कुंवारिया तहसील मुख्यालय के साथ द्वेष भावना बरती जा रही है। उसी का परिणाम है कि कुंवारिया तहसील मुख्यालय पात्र होने के बाद भी उपेक्षा की जा रही है। कुंवारिया में पंचायत समिति के लिए आधारभूत व मूलभूत सुविधाएं सभी उपलब्ध होने के बाद भी कुछ प्रभावशाली लोगों के दबाव में आकर कुंवारिया की अपेक्षा की जा रही हैं, वो सरासर गलत है।

महिलाओं ने बताया कि कुंवारिया में तहसील कार्यालय, पुलिस थाना, सीएचसी, ब्रॉडगेज, फोरलेन सहित मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने के बाद भी उपेक्षा की जा रही है वो सरासर गलत है। महिला कार्यकर्ताओं ने कहा कि कुंवारिया तहसील मुख्यालय पर पंचायत समिति बनेगी तो क्षेत्र की 20 से भी अधिक ग्राम पंचायतों का कुंवारिया से सीधा जुडाव होगा तथा आम जन को हर प्रकार से सुविधाजनक रहेगी। महिला कार्यकर्ताओं ने पुरजोर तरिके से कुंवारिया तहसील मुख्यालय पर पंचायत समिति बनाने की मांग की। महिला कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर पहुंचकर जमकर नारेबाजी करते हुए कुंवारिया तहसील की एक ही मांग पंचायत समिति पंचायत समिति आदि नारे लगाए गए।

इस दौरान कुंवारिया पूर्व सरपंच राजेश्वरी सेन, वार्डपंच रतनी देवी नाथ, एडवोकेट सुगना कुमारी खटीक, कौशल्या काबरा, रामकंवर मोदी, प्रेम देवी लखारा, शंकरी देवी, देउ कीर, श्यामु देवी लौहार, सोसर सेन, मीना देवी, कैलाशी जाट, ज्योत्स्ना, लाडू देवी, तुलसी देवी, भागवंती वैष्णव सहित अन्य महिला कार्यकर्ता उपस्थित थी।

श्रीगंगानगर में ब्रांडेड कम्पनी का नकली घी पकड़ा

कार्रवाई में एक आरोपी को गिरफ्तार किया, दूसरा फरार, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है

श्रीगंगानगर, (निसं)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने मिलावटखोरी के खिलाफ जारी "शुद्ध आहार, मिलावट पर वार" अभियान के तहत देर रात्रि को जिला मुख्यालय पर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। विभाग की टीम ने शहर के एक प्रतिष्ठित स्टोर से ब्रांडेड कंपनियों के नकली देसी घी का जखीरा पकड़ा। इस कार्रवाई में एक आरोपी को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरा फरार हो गया, जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि शहर में नकली घी की बिक्री

- 212 किलो नकली माल बरामद, तीन दिन की रैकी के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की

हो रही है। इसी सूचना के आधार पर चांडक कोठी के पास स्थित बिग डील मार्ट पर दबिश दी गई, जहां पर सरस ब्रांड का नकली घी पाया गया। हालांकि उस समय वहां घी की मात्रा कम थी, इसलिए मुख्य सप्लायर तक पहुंचने के लिए टीम ने निगरानी और मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखा। देर रात को टीम ने पुनः कार्रवाई करते हुए बिग डील मार्ट पर पहुंचे दीपक शर्मा (निवासी पुरानी आबादी) को रंगे हाथों गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि वह यह घी ड्रीम सिटी इलाके से लाता था। इसके बाद टीम दीपक शर्मा को साथ लेकर ड्रीम सिटी के चार बी ब्लॉक स्थित मोनू बुटीक पहुंची, जहां से अमूल, सरस और एवरेडी ब्रांड्स का कुल 212 किलो नकली घी बरामद हुआ। नकली घी की पुष्टि होने के बाद दुकान को सीज कर दिया गया। इस कार्रवाई में सदर थाना पुलिस और सरस कंपनी के प्रतिनिधि भी मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से स्पष्ट है कि आरोपी पिछले कई महीनों से यह अवैध घी बनाने का कारोबार संचालित कर रहा था।

4950 नशीली टैबलेट के साथ तस्कर गिरफ्तार

सूरतगढ़, (निसं)। सर्किल की राजियासर थाना पुलिस ने कार सवार एक नशा तस्कर को 4950 नशीली टैबलेट के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस कार्रवाई को नाकाबंदी के दौरान एनएच-62 पर थाना के सामने ही अंजाम दिया। वहीं, तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट कार भी पुलिस ने जब्त कर ली।

थाना अधिकारी सतीश यादव ने सोमवार रात को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक गौरव यादव के निर्देश पर जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन सीमा संकल्प के तहत

- राजियासर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान पकड़ा, तस्करी में प्रयुक्त कार भी जब्त की

यह कार्रवाई की गई। सीआई ने बताया कि उनके साथ थाना के हेड कॉन्स्टेबल सुखबीर सिंह, कॉन्स्टेबल कालूराम, धर्मपाल, खुमान सिंह, कुलबीर सिंह, सुनील कुमार आदि ने शाम के समय बीकानेर-सूरतगढ़ नेशनल हाईवे संख्या 62 पर थाना के सामने ही नाकाबंदी कर रखी थी।

इसी दौरान बीकानेर की ओर से आई एक स्विफ्ट कार को रोककर तलाशी ली तो उसमें 495 पत्तों में कुल 4950 टैबलेट ट्रामाडोल साल्ट की बरामद की गई। इस पर कार सवार गुरदीप सिंह (34) पुत्र जगसीरसिंह निवासी चक 34 केएसडी, बुधरवाली, पुलिस थाना लालगढ़ को गिरफ्तार करते हुए कार को भी जब्त कर लिया। सीआई यादव ने बताया कि इस संबंध में आरोपी पर एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज कर प्रकरण में आगे की जांच सूरतगढ़ सिटी थाना के सब इंस्पेक्टर नगेंद्र सिंह को सौंपी गई है।

युवक ने आत्महत्या की

उदयपुर, (कासं)। शहर के फतहसागर झील में कूदकर युवक ने आत्महत्या कर ली। युवक ब्यावर निवासी बताया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सांय फतहसागर पाल पर स्थित फीश एक्वेरियम के सामने झील में कूदकर युवक ने आत्महत्या कर ली। इसका पता चलने पर विष्णु वैष्णव निवासी देवाली एवं सिविल डिफेंस की टीम ने कूदकर उसे बाहर निकालकर एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की शिनाख्त सागर निवासी ब्यावर सेक्टर 3 के रूप में हुई। इसकी सूचना परिजनों को दी गई है, जिनके आने पर बुधवार को युवक का पोस्टमार्टम होगा।

महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों को अब नए सत्र में शिक्षक मिलेंगे

- प्रदेश के 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा हुई थी
- परीक्षा परिणाम जारी होने के चार माह बाद भी इन शिक्षकों को इंग्लिश मीडियम स्कूलों में पदस्थापन नहीं मिला है

बीकानेर, (निसं)। राज्य के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अब नए शिक्षा सत्र में ही शिक्षक मिलेंगे। प्रदेश के 3737 महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने के लिए शिक्षा विभाग में पिछले साल 25 अगस्त को चयन परीक्षा आयोजित की थी। चयन परीक्षा का रिजल्ट 23 दिसंबर को घोषित किया गया जिसमें करीब 30 हजार शिक्षक पात्र हुए। लेकिन परीक्षा परिणाम जारी होने के चार माह बाद भी इन शिक्षकों को इंगिलश मीडियम स्कूलों में पदस्थापन नहीं मिला है।

दो दिन बाद 9वीं और 11वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। यह परीक्षाएं 8 मई तक चलेंगी। 17 मई से राज्य के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियां हो जाएगी। स्कूल वापस 1 जुलाई से खुलेंगे। इस स्थिति में अब इंग्लिश मीडियम स्कूलों के लिए चयनित शिक्षकों का जिला आवंटन और पदस्थापन संभव नजर नहीं आ रही है। हालत यह है कि प्रदेश के महात्मा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूलों में करीब 17 हजार शिक्षकों के पद रिक्त हैं। विद्यार्थियों की 10वीं 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं खत्म हो चुकी है लेकिन इन स्कूलों में शिक्षकों की पोस्टिंग अभी तक नहीं हुई। अब दो दिन बाद स्कूली स्तर की वार्षिक परीक्षाएं शुरू हो जाएगी। फिर ग्रीष्मावकाश ऐसे में अब पात्र शिक्षक जुलाई से पहले स्कूलों को मिलने संभव नहीं है। राज्य में संचालित महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षकों के पद रिक्त होने का असर नामांकन पर भी पड़ेगा। हालही में शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम जारी कर दिया है, लेकिन उसमें महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों का कही जिक्र नहीं किया गया है।

बंदी की मौत

उदयपुर, (कासं)। जेल में बंदी रोगी की एमबी चिकित्सालय में उपचार के दौरान मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार जेल में बंदी अम्बामाता ओड़ बस्ती निवासी प्रवीणसिंह पुत्र लालसिंह की तबीयत खराब होने पर उसे जेल प्रशासन ने टीबी चिकित्सालय बड़ी में भर्ती करवाया, जहां उसकी मौत हो गई। प्रवीणसिंह हत्या के मामले में 2023 से जेल में बंद था।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वा.अभि.विभाग, खण्ड धौलपुर
मचकुण्ड चौराहा जीएटी रोड धौलपुर, फोन नं0 05642-220728 ई-मेल ee.dho.phed@rajasthan.gov.in
क्रमांक :- 104-111 दिनांक :- 08.04.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 16-19 / 2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से खण्ड के अधीन विभिन्न कार्यों की उपरोक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ऑन लाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित विस्तृत विवरण निम्न यू.वी.एन. के अनुसार www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.rajwater.gov.in पर देखी जा सकती है एवं डाउन लॉड भी किये जा सकते है।

एन.आई.वी.नं.	PHE2526A0259
यू.वी.एन.	PHE2526WSOB00618, PHE2526WSOB00619, PHE2526WSOB00620 PHE2526WSOB00623

DIPR/C/5089/2025

(आशाराम मीणा) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा0 अभि0 विभाग, खण्ड धौलपुर

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान
No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/13 - 15 Date : 21/04/2025

ई-निविदा संशोधन सूचना

उदयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जारी ई-निविदा सूचना संख्याः 04/2025-26 के निविदा कार्य संख्या- 07 (Preparing of Detailed DPR for Developing Rajiv Gandhi Garden as an Adventure and Theme Park.) की तिथियों में निम्नानुसार संशोधन किया गया है, ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड एवं EMD, Tender Fee & Processing Fee Online दिनांकः 25.04.2025 को सांयः 6.00 बजे तक जमा की जा सकेगें एवं दिनांकः 28/04/2025 को प्रातः 11.00 बजे तकनिकी बिड़ खोली जावेगी एवं कार्य की पूर्ण करने की अवधि 3-माह के स्थान पर 75-दिवस पढ़ी जावे। अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

राज.संवाद/सी/25/1065 अधिशाषी अभियन्ता-चतुर्थ, उदयपुर विकास प्राधिकरण

कार्यालय नगर पालिका कुड़ी भगतासनी जिला - जोधपुर
सेक्टर-सी विवके विहार योजना, कुड़ी भगतासनी, जोधपुर
ई-मेल-np.kudi.bh@rajasthan.gov.in

क्रमांक :- न0पा0कु0/स्टोर/2025-26/951 दिनांकः- 15.04.2025

NOTICE INVITING BIDS

Bid for Various Annual Rate Contract of Procurement are Invited from Interested Bidders Upto 28.04.2025, 05.00 PM Other perticulars of the Bid Amy be Visited on the Procurement Portal (http://sppp.raj.nic.in) Or www.eproc.Rajasthan.Gov.In of the State, and local self Departmental Website.
NIB CODE DLB2526A0559
UBNDLB2526SLOB02324,26 ।

राज.संवाद/सी/25/1089 Executive Officer
Municipal Board Kudi Bhagtasni

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण
भू-तल, पर्यटन भवन, संगत मार्ग (विधायकपुरी थाने के सामने), खासा कोठी, जयपुर-302001,
Tel:-0141-2615648/40, E-Mail : rhppa.jaipur@gmail.com

ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26

निम्नलिखित कार्यों के लिए केन्द्र/राज्य सरकार के अभियांत्रिकी विभागों द्वारा पंजीकृत एवं अनुभवी संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग प्रक्रिया हेतु ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु.)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	Remaining Civil work for Construction of Devnarayan Ji Panorama, Jodhpuriya (Niwai), Tonk (Raj.) (Risk and Cost) UBN is: HPP2526WSOB00004	269.69 Lakh	08 Months
2	Remaining Civil work for Construction of Rana Hameer Panorama, Sawaimadhopur (Raj.) (Risk and Cost) UBN is: HPP2526WSOB00006	224.39 Lakh	08 Months

निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर देखा जा सकता है। इच्छुक निविदादाताओं को अपने डिजीटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर करवाना आवश्यक है।

राज.संवाद/सी/25/1078 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग खण्ड-चाकसू
क्रमांक-85 दिनांक :- 17.04.2025

ई-टेन्डिरिंग सूचना संख्या 02/2025-26

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के विभिन्न श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्य हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जावेगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट Http://dipr.rajasthan.gov.in/tenders.asp व www.sppp.rajasthan.gov.in व Http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

FINANCE (G&T) DEPARTMENT NOTIFICATION Jaipur, October 22, 2021 (75A. Additional Performance Security.- (1) In addition to Performance Security as specified in rule 75, an Additional Performance Security shall also be taken from the successful bidder in case of unbalanced bid. The Additional Performance Security shall be equal to fifty percent of Unbalanced Bid Amount. The Additional Performance Security shall be deposited in lump sum by the successful bidder before execution of Agreement. The Additional Performance Security shall be deposited through e-Grass, Demand Draft, Banker's Cheque, Government Securities or Bank Guarantee.)

निविदा का कार्य	Various Work for VVIP Visit in PWD Division-Chaksu, Jaipur (2 Nos)
कुल धरोहर राशि (रूपयों में)	अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत
निविदा आवेदन / डाउनलोड करने की तारीख	मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025 प्रातः 9.30 बजे से गुरुवार, 01 मई 2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की तारीख	मंगलवार, 22 अप्रैल, 2025 प्रातः 9.30 बजे से गुरुवार, 01 मई 2025 सांय 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की तारीख	शुक्रवार, 02 मई, 2025 को साय 3.00 बजे
प्रोसेसिंग शुल्क एवं : निविदा शुल्क जमा कराने की प्रक्रिया	वित्त विभाग द्वारा जारी परिपत्र प.6 (5)/वित्त/सावितेनि/2018 दिनांक 27.04.2020 के अनुसार ई ग्रास पर आनलाईन के माध्यम से चालान द्वारा (परिपत्र संलग्न) 1. प्रोसेसिंग शुल्क 8658-00-102-16-02 निर्माण विभाग 2. निविदा शुल्क 0075-00-800-52-01 3. धरोहर राशि 8443-00-108-00-00 ऑफिस आई.डी. 32826

UBN No :- (1) PWD2526WSOB00578, (2) PWD2526WSOB00580

DIPR/C/5353/2025 (राजीव जैन) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड-चाकसू (जयपुर)

तीस लाख की नकबजनी मामले में चार गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। झाड़ोल थाना पुलिस ने कस्बे में तीस लाख की नकबजनी करने के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 14 जून 2024 को पीड़ित दशरथसिंह पुत्र उकारसिंह निवासी गोराणा झाड़ोल ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी। उसने बताया कि 13 जून को रात में अज्ञात चोर मकान में घुस कर अलमारी का ताला तोड़ कर 29 लाख रूपये के साने-चांदी के जेवरात, 1 लाख 25 हजार रूपये नकदी, पड़ोसी राजकुमार पुत्र भंवरलाल वडेरा फला खाखली के घर से 3 मोबाइल तथा लखालाल डूंगरी पुत्र अम्बालाल के मकान से एक मोबाइल चुरा ले गए थे। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, उप अधीक्षक नेत्रपालसिंह के सुपरविजन में झाड़ोल थानाधिकारी फैलीराम के नेतृत्व में गठित दल ने मुखबीर से मिली सूचना के आधार पर

- मुख्य आरोपी ने अपने बाहरी साथियों को बुला कर वारदात करने की जानकारी दी

शंकरलाल उर्फ पेमाराम उर्फ प्रवीण पुत्र टिबाराम उर्फ सिंगाराम निवासी साकड़ा फला कांटी का खेत थाना नाणा पाली व सोवनाराम पुत्र हनाराम निवासी विशमा फला धमाणिया सायरा को को गिरफ्तार किया। पूछताछ में दोनों ने भीमाराम पुत्र भीमाराम के साथ मिलकर वारदात करना बताया। इस पर चोरी किये सोने-चांदी के जेवरात भरत कुमार पुत्र मीठालाल निवासी तरपाल सायरा व भैरूसिंह पुत्र सरदारसिंह निवासी विषमा सायरा को बेचना बताया। इस पर दोनों को भरत कुमार व भैरूसिंह को गिरफ्तार किया। मुख्य आरोपी भैरूसिंह ने अपने बाहरी साथियों को बुलाकर वारदात करने की जानकारी सामने आई हैं।

विवाहिता ने आत्महत्या की

टोंक, (निसं)। सदर थाना टोंक क्षेत्र में सोमवार की रात एक विवाहिता ने पंखे से रस्सी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली, सूचना पर पहुंची पुलिस ने महिला का शव उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार को शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका रीना महावर उम्र 22 वर्ष की शादी शहर स्थित संतोष नगर कॉलोनी निवासी अनिल महावर से दह माह पहले हुई थी, सोमवार देर रात को अज्ञात कारणों से उसने अपने कमरे में रस्सी का फंदा डालकर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली, घटना के समय उसका पति घर से बाहर था। रात करीब 10 बजे परिजनो ने उसे आवाज लगाई तो उसकी प्रतिक्रिया नहीं आने पर उसे कमरे की खिड़की से देखा तो वह पंखे से लटकी हुई दिखाई दी। बाद में पुलिस को सूचना दी, जहां पुलिस ने उसे नीचे उतारकर अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

गुरुद्वारा सेवादार के भाई की पत्नी से दुष्कर्म के मामले में सैंपल जुटाए

श्रीगंगानगर, (निसं)। एक थाना क्षेत्र के एक गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार के भाई की पत्नी से युवक द्वारा दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने परस्पर दर्ज मामलों में मौके के सबूत जुटाए हैं। इसी मामले में पीड़ित चेले के पुलिस बयान भी दर्ज किए गए हैं। दूसरी तरफ महिला के साथ दुष्कर्म का मामला देरी से दर्ज करने के विरोध स्वरूप सिख समाज प्रतिनिधियों ने सुबह एसपी ऑफिस पर प्रदर्शन कर नाराजगी जताई।

सदर एसएचओ सुभाषचंद्र के नेतृत्व में एफएसएल की टीम ने सुबह घटनास्थल गुरुद्वारा परिसर का गहन निरीक्षण किया और वहां से कई सैंपल जुटाए। पीड़ित चेले और पीड़िता महिला द्वारा घटना की तारीखों के सीसीटीवी फुटेज भी जुटाए गए हैं। इनका परीक्षण कर सच्चाई सामने लाने के प्रयास किया जा रहे हैं। पुलिस के मुताबिक ये साक्ष्य जांच में अहम भूमिका निभाएंगे। पीड़िता

- मामले में पीड़ित चेले के पुलिस बयान भी दर्ज किए हैं

के बयान दर्ज नहीं हो सके। वहीं, गुरुद्वारा सेवादार पर उससे कुकर्म किए जाने के दर्ज मामले में पुलिस द्वारा पीड़ित चेले के बयान दर्ज कर लिए गए हैं। एसएचओ सुभाषचंद्र ने बताया कि मामले की सभी एंगल से जांच की जा रही है। मामले में जांच अधिकारी द्वारा पीड़िता के बयान दर्ज किए जा सकते हैं। हालांकि मामले की जांच तेज गति से आगे बढ़ाई जा रही है ताकि दोनों पक्षों की ओर से शहर में माहौल खराब नहीं किया जाए। अभी दोनों तरफ के मुकदमों में पीड़ितों का स्वास्थ्य परीक्षण नहीं करवाया गया है। इसके बाद मजिस्ट्रेट बयान भी दर्ज करवाने की प्रक्रिया की जानी शेष है।

थाना क्षेत्र के एक गांव के गुरुद्वारा में आठ साल की उम्र से सेवा करने वाले 19 वर्षीय चेले ने मुख्य सेवादार पर छह माह पूर्व कुकर्म करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज करवाया है। उधर, मुख्य सेवादार के छोटे भाई की पत्नी की ओर से चेले पर 11 अप्रैल रात को लंगर हॉल के सामने कमरे में ले जाकर दुष्कर्म का केस दर्ज करवाया गया है। थाना में दर्ज मामले को लेकर धर्म प्रचार कमेटी राजस्थान एसजीपीसी के चेयरमैन तेजेंद्रपाल सिंह टिम्मा के नेतृत्व में सिख समाज के प्रतिनिधि मंडल ने एसपी ऑफिस में रोष प्रदर्शन किया। टिम्मा ने आईपीएस बी आदित्य को बताया कि सेवादार के चेले की ओर से प्रार्थना-पत्र बदलकर कुकर्म का मामला दर्ज कर लिया गया, जबकि दुष्कर्म का मामला दर्ज करने में देरी की गई। प्रतिनिधिमंडल ने गुरुद्वारा के मुख्य सेवादार का पक्ष लेते हुए पूरे मामले की जांच एसपी कार्यालय की देखरेख में करवाने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल में शिवचरण सिंह, निरमल सिंह खरलियां, हरमीत कौर, सिमरण सिंह, सुखजीत सिंह आदि शामिल थे।

दिनदहाड़े युवती के अपहरण मामले में आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। कस्बे स्थित भूमिका प्लाजा में दिनदहाड़े एक युवती के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां बोलेरो में सवार करीब आधा दर्जन लोगों ने प्रेम विवाह किए हुए तीन महीने से साथ रह रहे प्रेमी के साथ लड़की के परिजनों ने मारपीट कर दी। इसके बाद युवती को जबरन गाड़ी में बैठाकर उसका अपहरण कर फरार हो गए। पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई है व सोशल मीडिया पर वायरल भी हो गई।

मामले को लेकर जीतू पुत्र मोहनलाल गुर्जर निवासी जोहड़ा मोहल्ला पटेल नगर अलवर हाल निवासी भूमिका प्लाजा पावटा ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाते हुए बताया कि मैने 17 जनवरी 2025 को युवती से कोर्ट मैरिज की थी तब से हम दोनों भूमिका प्लाजा पावटा में किराए पर रहते हैं। वहीं 18 अप्रैल शुक्रवार को दोपहर में युवती के चाचा व जीजा बोलेरो गाड़ी लेकर आए उनके साथ 5-6 लोग और थे जिन्होंने हमारे साथ मारपीट की व मकान के गेट तोड़कर युवती यानि

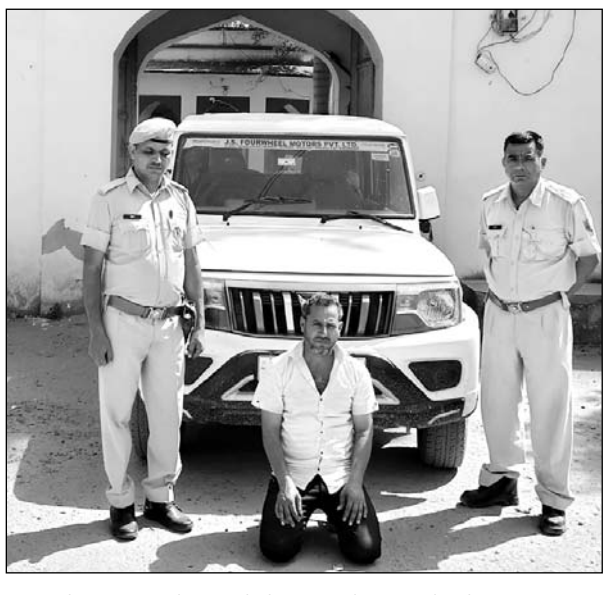

युवती के अपहरण के मामले में पुलिस ने एक जने को पकड़ा।

- जिस बोलेरो गाड़ी में सवार आधा दर्जन लोगों ने युवती का अपहरण किया, उस गाड़ी को किया जप्त
- प्रेम विवाह किए हुए तीन महीने से साथ रह रहे प्रेमी के साथ लड़की के परिजनों ने मारपीट भी की थी

मेरी पत्नी का अपहरण कर ले गए।

जिला पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने बताया कि महिला के अपहरण मामले को गंभीरता से लेते हुए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा मुलजिमों व अपहरणकर्ताओं की तलाश शुरू करते हुए दिए गए टास्क की पालना में रात दिन अथक प्रयास करते हुए घटना में प्रयुक्त वाहन बोलेरो गाड़ी को जब्त कर अभियुक्त अयूब खान पुत्र इब्राहिम खान निवासी गोठडी गुरु थाना लक्ष्मणगढ़ जिला अलवर को गिरफ्तार किया। शेष मुलजिमों की सरगर्मी से तालाश जारी है।

गर्ल्स पीजी से लापता नाबालिग दस्तयाब

सूरतगढ़, (निसं)। सिटी थाना पुलिस ने शहर के एक गर्ल्स पीजी से लापता हुई नाबालिग को महज कुछ ही घंटों में दस्तयाब करने में सफलता हासिल की है। इस संबंध में नाबालिग के पिता ने सिटी थाने में पुत्री की गुमशुदगी दर्ज करवाई थी। वहीं, प्रारंभिक जांच में नाबालिग के साथ दुष्कर्म होने की जानकारी भी सामने आई है।

मामले की जांच कर रहे सिटी थाने के सहायक उप निरीक्षक रणवीर सिंह ने बताया कि एक थाना क्षेत्र के निवासी एक व्यक्ति ने रविवार शाम को सिटी थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। उसकी पत्नी एक गर्ल्स हॉस्टल में खाना बनाने का काम करती है। दोपहर के समय उसकी 16 वर्ष 6 माह की पुत्री भी गर्ल्स पीजी में उसके साथ गई थी, जो कुछ देर बाद वहां से लापता हो गई और शाम तक घर नहीं पहुंची।

नाबालिग के पिता ने गुमशुदगी दर्ज करवाते हुए अज्ञात व्यक्ति पर संदेह भी जताया था। एएसआई रणवीर सिंह ने बताया कि उन्हें मामले की जांच सौंपी गई, जिसके बाद सीओ प्रतीक मील और सीआई दिनेश सारण के सुपरविजन में कॉन्स्टेबल शेराराम और

- मां के साथ गई थी, दुष्कर्म की आशंका पर दो युवक हिरासत में, जांच शुरु

पुष्पा देवी की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पीजी हॉस्टल सहित अन्य स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए।

इस बीच मुखबिर और आसूचना के आधार पर नाबालिग को अनिल कुमार (25) के घर से दस्तयाब कर लिया गया। पुलिस टीम ने नाबालिग से पूछताछ के आधार पर मनीष (20) और रमन कुमार (19) को राउंडअप कर लिया है।

एएसआई रणवीर सिंह के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि नाबालिग के साथ ज्यादती की गई है। इसके लिए उसका मेडिकल परीक्षण करवाया जाएगा और भारतीय न्याय संहिता की धारा 183 (बीएनएस) के तहत बयान दर्ज करवाए जाएंगे। इसके पश्चात प्रकरण में आगे की कार्रवाई की जाएगी।

57 हजार बिजली कार्मिकों को मिलेगा एक करोड़ रूपए तक का बीमा कवर : भजनलाल शर्मा

'आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता'

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के कार्मिकों एवं उन पर आश्रित परिवारजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। हमने कार्मिकों को सुरक्षित भविष्य देने और उनके कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऊर्जा तंत्र को

- **सुगमता से विद्युत कनेक्शन तथा जीएसएस के बेहतर रखरखाव के लिए ऐप लॉन्च**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी में मंगलवार को उनके आवास पर आयोजित भारतीय स्टेट बैंक और विद्युत निगमों के बीच एमओयू किया गया। इस दौरान डिस्कॉम्स की तरफ से चैयरमेन डिस्कॉम्स आरती डोगरा, प्रसारण निगम की तरफ से प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, उत्पादन निगम की तरफ से सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी और भारतीय स्टेट बैंक की ओर से महाप्रबंधक एसबीआई प्रबुद्ध कुमार ने एमओयू एक्सचेंज किए।

सुदृढ़ बनाना तथा आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भारतीय स्टेट बैंक और विद्युत निगमों के बीच एमओयू आदान-प्रदान तथा ऐप लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि 8 करोड़ प्रदेशवासियों को सुशासन देने में राज्य कर्मचारी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। विकसित और खुशहाल राजस्थान के लक्ष्य के लिए कार्मिक समर्पण एवं सेवाभाव के साथ कार्य कर रहे हैं। इसलिए ये महत्वपूर्ण एमओयू कार्मिकों को सुरक्षित भविष्य देने के राज्य सरकार के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक सिद्ध होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बिजली कंपनियों में करीब 57 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। विद्युत उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक सतत् एवं गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन कंपनियों के तकनीकी कर्मचारी दिन-रात जोखिम भरी परिस्थितियों में कार्य करते हैं। विद्युत कार्य करते समय वे कई बार दुर्भाग्य से हादसे के शिकार हो जाते हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में विकलांगता एवं अशक्तता के के साथ ही असमय ही जान तक चली जाती है, जिसके लिए वर्तमान में अधिकतम क्षतिपूर्ति 20 लाख रुपये तक मुहैया करवाई जा रही है।

शर्मा ने कहा कि आज हमने जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण कंपनियों, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम तथा राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में कार्यरत सभी विद्युतकर्मियों को बीमा उपलब्ध कराने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इन एमओयू के तहत विद्युतकर्मियों की व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी निशक्तता की स्थिति में एक करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा उपलब्ध होगा। वहीं आंशिक रूप से अशक्तता की स्थिति में 80 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 10 लाख रुपये के सामूहिक सावधि जीवन बीमा के साथ ही अन्य आर्थिक सहायता एवं सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन एमओयू से राज्य सरकार अथवा ऊर्जा कंपनियों पर बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय भार के कर्मचारियों एवं उन पर आश्रित परिवारजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा और मजबूत हो सकेगी। बैंक द्वारा न तो ऊर्जा कंपनियों से और न ही कर्मचारियों से कोई राशि ली जाएगी। इस बीमा का प्रीमियम एसबीआई स्वयं वहन करेगा।

मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में विद्युत वितरण कंपनियों द्वारा जेईएन साइट वेरीफिकेशन और ऐस्टीमेशन मोबाइल एप्लीकेशन तथा सब स्टेशन मॉनिटरिंग एप्लीकेशन भी लॉन्च किए। उन्होंने कहा कि इससे पेपरलेस सिस्टम को बढ़ावा मिलने के साथ ही यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की डिजिटल भारत की संकल्पना को भी मजबूती मिलेगी। शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार जनसेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है और हम आगे भी प्रदेश के चहुंमुखी विकास और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

इस दौरान डिस्कॉम्स की तरफ से चैयरमेन डिस्कॉम्स आरती डोगरा, प्रसारण निगम की तरफ से प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, उत्पादन निगम की तरफ से सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी और भारतीय स्टेट बैंक की ओर से महाप्रबंधक एसबीआई प्रबुद्ध कुमार ने एमओयू एक्सचेंज किए। कार्यक्रम में ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर तथा अजमेर एवं जोधपुर डिस्कॉम्स के एमडी वीसी के माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय, ऊर्जा विभाग तथा भारतीय स्टेट बैंक के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

वक्फ की संपत्ति पर काबिज लोग ही समाज को भड़का रहे हैं : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की जयपुर शहर कार्यशाला को संबोधित करते हुए विपक्षी पार्टियों पर भ्रमित करने का आरोप लगाया। राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को छोड़कर

- **'संपूर्ण इंडी गठबंधन गांधी परिवार के लिए कर रहा है काम, गांधी परिवार को समृद्ध करने का किया जा रहा है प्रयास'**

कांग्रेस और इंडी गठबंधन देशवासियों को गुमराह करके समाज का विघटन करने का प्रयास कर रहे है। समाज को तोड़ने का प्रयास, समाज में जाति वैमनस्य पैदा करने का प्रयास और समाज में वर्ग संघर्ष करने का प्रयास किया जा रहा है और समाज को भड़काने का काम वो ही लोग कर रहे है जो वक्फ की संपत्ति पर काबिज है। ऐसे में हम सभी को "वक्फ संशोधन विधेयक 2025" को लेकर वस्तु स्थिति समाज के सामने रखने का प्रयास करना होगा।

राठौड़ ने कहा कि संपूर्ण इंडी गठबंधन गांधी परिवार के लिए काम कर रहा है। गांधी परिवार को समृद्ध करने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अल्पसंख्यकों के साथ सभी वर्ग के लोगों को समृद्ध करने का प्रयास कर रहे है। इस दिशा में कार्य करते हुए मोदी सरकार ने तीन तलाक पर कानून बनाकर मुस्लिम बहनों के सम्मान के लिए कार्य किया, पीएम आवास योजना में मुस्लिम बहनों के नाम आवास पट्टे जारी करने का ऐतिहासिक कार्य किया। मोदी सरकार सभी धर्म, समुदाय और वर्ग के उत्थान के साथ उनके सम्मान जनक जीवन जीने के लिए प्रयास कर रही है। के

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने वक्फ सुधार जन जागरण अभियान की जयपुर शहर कार्यशाला में भाग लिया। इस दौरान उनका दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि वक्फ संशोधन का मुख्य उद्देश्य वक्फ की 38 लाख एकड़ जमीन से होने वाली आय का उपयोग गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के लिए किया जाए। अल्लाह को दान में दी गई जमीन वक्फ संपत्ति है, अब अल्लाह की संपत्ति से होने वाली आय उस समाज के उत्थान के लिए लगनी चाहिए, लेकिन समाज के कुछ मठाधिशों ने वक्फ की संपत्ति से अपना घर भरने का काम किया है। गरीब मुस्लिम वर्ग को लाभ ना देकर स्वयं या परिवार को लाभान्वित किया जा रहा है। मोदी सरकार का प्रयास है कि देश का गरीब वर्ग समृद्ध और सशक्त होगा तो देश समृद्धी की ओर अग्रसर होगा, लेकिन कांग्रेसी नेताओं ने कभी गरीब वर्ग की चिंता नहीं की।

कार्यशाला में भाजपा जयपुर शहर सांसद मंजू शर्मा, पूर्व केंद्रीय मंत्री और अभियान के प्रदेश संयोजक कैलाश चौधरी, विधायक कालीचरण सराफ, बाल मुकुंदाचार्य, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, मेयर सौम्या गुर्जर, भाजपा कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हमीद खान मेवाती, भाजपा नेता चंद्रमोहन बटवाडा सहित भाजपा पदाधिकारी मंच पर उपस्थित रहे।

'नए को-ऑपरेटिव कोड से सहकारी संस्थाओं में बढ़ेगी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता'

सहकारिता को सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता : मुख्यमंत्री

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने में सहकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है तथा सहकारिता क्षेत्र को सशक्त बनाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नए को-ऑपरेटिव कोड से सहकारी संस्थाओं में पारदर्शिता एवं जवाबदेही को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, इस नवीन सहकारिता कोड में आमजन को सहकारी सुविधा एवं जन कल्याणकारी योजनाओं तक सुगम पहुंच निश्चित करने के लिए विभिन्न प्रावधान किए गए हैं। यह कोड सहकारी समितियों के आधुनिकीकरण की दिशा में व्यापक सुधार लाएगा। शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर नए को-ऑपरेटिव कोड के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने

- **'अन्त्योदय के संकल्प को साकार करने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका'**

कहा कि राज्य सरकार राजस्थान सहकारिता अधिनियम-2001 को वर्तमान परिपेक्ष्य में प्रासंगिक बनाने के लिए नवीन को-ऑपरेटिव कोड लेकर आ रही है। इसके लिए गठित एक समिति ने महाराष्ट्र, गुजरात, मध्यप्रदेश और केरल जैसे राज्यों का दौरा कर वहां के सहकारी कानूनों का व्यवहारिक अध्ययन भी किया है तथा इन प्रदेशों के सहकारी कानूनों के प्रभावी प्रावधानों का समावेश नए सहकारिता कोड में किया गया है, जिससे सहकारी संस्थाएं सशक्त हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवीन सहकारिता कोड को सरल, व्यावहारिक तथा जनहितेषी बनाया जाए जिससे अधिक से अधिक लोग इसका लाभ ले सके। हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश में सहकारिता को सर्व सुलभ बनाया जाए ताकि प्रदेशवासी सहकारिता के माध्यम से मिलने वाले लाभ से वंचित ना रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस नए कोड में डिजिटल गवर्नेंस, ग्राम सेवा सहकारी समितियों को कम्प्यूटराइजेशन, सहकारी समितियों के नियमित चुनाव, ऑडिट प्रक्रिया में पारदर्शिता तथा बोर्ड के चुनाव में सुधार और समयबद्ध निर्णय प्रणाली जैसे प्रावधान शामिल किए जाए। शर्मा ने कहा कि सहकार से समृद्धि की भावना के अनुरूप इस नवीन सहकारिता कोड के लिए विभागीय अधिकारी अपने सुझाव दें, जिससे सहकारी समितियों को पारदर्शी एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सके। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस संबंध में नियमित बैठक आयोजित की जाए तथा गांवों में सहकारिता मित्र बनाकर उनके सुझाव लिए जाए। इस दौरान बैठक में विभागीय अधिकारियों ने नए को-ऑपरेटिव कोड के प्रारूप को प्रस्तुतीकरण के माध्यम से जानकारी दी। बैठक में कोड से संबंधित प्रमुख बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

वक्फ संशोधन बिल-2025 को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

जयपुर। शहर के आदर्श नगर से कांग्रेस विधायक रफीक खान ने वक्फ संशोधन बिल-2025 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी है। इस याचिका पर भी अन्य याचिकाओं के साथ 5 मई को सुनवाई होगी।

याचिका में कहा गया है कि यह वक्फ संशोधन बिल मुसलमानों के अधिकारों के साथ भेदभाव करने वाला है। इसके साथ ही ये संशोधन विधेयक संविधान के अनुच्छेद 19 के तहत समानता के अधिकार, अनुच्छेद 25 और 26 के तहत धर्म और धार्मिक गतिविधियों के पालन और प्रबंधन का अधिकारों का भी हनन करता है। वहीं संविधान के अनुच्छेद 29 में दिए गए अल्पसंख्यकों के अधिकारों की सुरक्षा का भी हनन करता है। याचिका में ये भी कहा गया है कि वक्फ बोर्ड और केंद्रीय वक्फ परिषद की संरचना में संशोधन कर वक्फ प्रशासनिक निकायों में गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। जबकि ऐसा करना धार्मिक शासन में अनुचित हस्तक्षेप है। याचिका में कहा कि यह चयनात्मक हस्तक्षेप, अन्य धार्मिक संस्थानों पर समान शर्तें लगाए बिना किया गया है।

पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले की निंदा

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए कायराना आतंकी हमले की कड़ी निंदा की है। उन्होंने आतंकी हमले में मृत लोगों की आत्मा की शांति तथा परिजनों को यह दुख सहन करने की शक्ति देने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

सिंधी पंचायत में नई कार्यकारिणी

जयपुर। पूज्य सिंधी पंचायत सेक्टर-19 प्रताप नगर में आयोजित कार्यक्रम में साध्वी तरुणा दीदी का सत्संग हुआ। इस अवसर पर प्रताप नगर सेक्टर -19 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमें गौरव आहूजा को अध्यक्ष, सुरेश लखपतानीमहासचिव, दीपक धनवानी कोषाध्यक्ष, नरेश केवलानी उपाध्यक्ष और अरुण गंगवानी को संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में साध्वी तरुणा दीदी द्वारा किए गए सत्संग और भजनों ने उपस्थित लोगों के दिलों को छू लिया। लोगों ने भजनों का आनंद लिया और साध्वी के वचनों से प्रेरणा ली। कार्यक्रम में प्रताप नगर के अध्यक्ष वासुदेव हासनानी, पूज्य सिंधी पंचायत सेक्टर -17 प्रताप नगर के अध्यक्ष गुलाब कोरानी, चेटीचंड मेला समिति 2025 के कोषाध्यक्ष दीपक दुलानी, दौलत सरनानी मातृशक्ति प्रताप नगर की कुसुम, और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

वीआईपी आवागमन के दौरान जयपुर में आज यातायात व्यवस्था में बदलाव

जयपुर। राजधानी जयपुर में 21 अप्रैल से 24 अप्रैल तक जयपुर शहर में बीवीआईपी-बीआईपी का आवागमन रहेगा। आवागमन के दौरान जयपुर एयरपोर्ट से रामनिवास बाग तक जवाहर लाल नेहरू मार्ग, भवानी सिंह रोड, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार, हवामहल बाजार, सुभाष चौक से आमेर तक ओटीएस चौराहा से केवी तीन तिराहा तक का मार्ग उपयोग में लिए जाने की संभावना रहेगी। इन मार्गों पर अल्पावधि के लिए सुरक्षा कारणों से यातायात रोका जायेगा। जिसके चलते बुधवार को यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है।

बुधवार को जयपुर एयरपोर्ट से जवाहर सर्किल, जेडीए चौराहा तक जवाहर लाल नेहरु मार्ग, रामबाग चौराहा, पोलो सर्किल तक सामान्य यातायात को समय सुबह 7.45 बजे से दोपहर 01.30 तक आवश्यकता पड़ने पर उक्त मार्गो पर संचालित यातायात को समानान्तर मार्ग टोंक रोड, झालाना बाईपास, जवाहर नगर बाईपास, जनपथ में डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। बुधवार को जे.डी.ए. चौराहा से रामनिवास बाग तक जवाहर लाल नेहरु मार्ग, चौडा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार में सामान्य यातायात को शाम 03.30 बजे से शाम 05.30 बजे तक आवश्यकता पड़ने पर उक्त मार्गो पर संचालित यातायात को समानान्तर मार्ग पृथ्वीराज रोड, एम.आई. रोड, गोविन्द मार्ग, एम.डी रोड, किशनपोल बाजार, रामगंज बाजार, घाट बाजार, गणगौरी बाजार, जलेबी चौक में डायवर्ट कर संचालित किया जायेगा। इस समय एवं मार्गो पर हल्के भार वाहक वाहन, बस/मिनी बस, धीमी गति से चलने वाले वाहनों का संचालन आवागमन के दौरान निषेध रहेगा।

बुधवार को जवाहर लाल नेहरू मार्ग, पृथ्वीराज रोड, जनपथ, भवानी सिंह रोड, चौड़ा रास्ता, त्रिपोलिया बाजार में सभी प्रकार के वाहनों की पार्किंग निषेध रहेगी।

बुधवार को शहर में आयोजित विभिन्न परीक्षाओं के मद्देनजर उपरोक्त मार्गो पर आवागमन के दौरान सुरक्षा की दृष्टि से कुछ समय तक सामान्य यातायात प्रभावित रहेगा। अत: उक्त मार्गो पर स्थित परीक्षा केन्द्रों के अभ्यर्थी अतिरिक्त समय लेकर परीक्षा केन्द्रों तक पहुंचे साथ ही समानांतर मार्गो का उपयोग करने का प्रयास करें। एम्बुलेंस एवं आवश्यक सेवाओं के वाहनों का आवागमन निर्बाध रूप से रहेगा।

नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी

जयपुर। बनी पार्क थाना इलाके में पशुपालन विभाग में नौकरी लगवाने के नाम पर एक युवती से पांच लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार सिंधी कॉलोनी कालीदास मार्ग निवासी सोनिया टांक उर्फ संजना ने मामला दर्ज करवाया।

ओयो के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कार्रवाई करने पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने रिसोर्ट की फर्जी बुकिंग दिखाने के मामले में ओयो के खिलाफ अशोक नगर थाने में दर्ज एफआईआर में दंडात्मक कार्रवाई करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही संबंधित पक्षकारों से दो सप्ताह में जवाब मांगा है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश कंपनी की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- **इसके साथ ही संबंधित पक्षकारों से दो सप्ताह में जवाब मांगा है**

याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर और अधिवक्ता लिपि गर्ग ने अदालत को बताया कि शिकायतकर्ता समस्कारा रिसोर्ट ने जीएसटी विभाग की टैक्स रिकवरी के लिए पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। जिसे हाईकोर्ट ने मार्च माह में खारिज कर दिया था। इसके बाद रिसोर्ट संचालकों ने टैक्स दायित्व से बचने के लिए गत 9 अप्रैल को याचिकाकर्ता के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी। याचिका में कहा गया कि याचिकाकर्ता केवल कमीशन के आधार पर काम करता है। बुकिंग से होने वाली आय पर टैक्स का दायित्व संबंधित होटल और रिसोर्ट पर ही होता है। शिकायतकर्ता ने अपने टैक्स दायित्व से बचने के लिए याचिकाकर्ता पर गलत आरोप लगाकर एफआईआर दर्ज कराई है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने याचिकाकर्ता के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने पर रोक लगाते हुए संबंधित पक्षकारों से जवाब तलब किया है। गौरतलब है कि समस्कारा रिसोर्ट की ओर से अशोक नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें कहा गया कि ओयो ने रिसोर्ट में करीब 22.50 करोड रुपए की बोगस बुकिंग दिखाई। इसी तरह कंपनी ने अपनी वैल्थ बढा चढाकर दिखाने के लिए अन्य होटल व रिसोर्ट में भी फर्जी बुकिंग दिखाई। जिसके चलते जीएसटी विभाग होटल और रिसोर्ट संचालकों को टैक्स रिकवरी के नोटिस दे रहा है। जीएसटी ने उसके खिलाफ भी 2.66 करोड रुपए की टैक्स रिकवरी निकाली है।

जयपुर के डॉक्टरों ने फरीदाबाद में छात्रों को दिखाया वैश्विक करियर का रास्ता

जयपुर। जयपुर के प्रख्यात दंत चिकित्सक डॉ. शोभित अग्रवाल और डॉ. मिमांषा अग्रवाल ने हाल ही में सुधा रस्तोगी डेंटल कॉलेज, फरीदाबाद में एक विशेष शैक्षिणक सत्र में छात्रों को संबोधित

- **डॉ. शोभित अग्रवाल और डॉ. मिमांषा अग्रवाल ने डेंटिस्ट्री में नवीनतम तकनीकों और अमेरिका में करियर के अवसरों पर दिया व्याख्यान**

किया। दोनों डॉक्टर मूल रूप से जयपुर के रहने वाले हैं और अमेरिका जाने से पूर्व यहां निजी क्लिनिक चला रहे थे।

अब अमेरिका के बॉस्टन यूनिवर्सिटी से डिग्री प्राप्त कर चुके ये विशेषज्ञ, वर्तमान में वैश्विक मंच पर भारतीय प्रतिभा की पहचान बन चुके हैं। इस विशेष व्याख्यान में उन्होंने डेंटिस्ट्री में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डिजिटल डेंटिस्ट्री, और मीनिमली इनवेसिव तकनीकों जैसी नवीनतम तकनीकों पर चर्चा की।

डॉ. शोभित अग्रवाल, ने डेंटल फील्ड में उभरते ट्रेंड्स और तकनीकी बदलावों पर जानकारी दी। वहीं डॉ. मिमांषा अग्रवाल ने भारतीय छात्रों को अमेरिका में उच्च शिक्षा और प्रैक्टिस की प्रक्रिया के बारे में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने अमेरिका के डेंटल स्कूलों में दाखिला, आवश्यक परीक्षाएं (जैसे), और आवेदन प्रक्रिया को विस्तार से समझाया। दोनों डॉक्टरों का उद्देश्य युवा डेंटल छात्रों को न केवल तकनीकी रूप से मजबूत बनाना है, बल्कि उन्हें अंतरराष्ट्रीय अवसरों के लिए भी तैयार करना है।

कॉलेज प्रशासन ने इस सत्र की सराहना की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों को वैश्विक सोच और प्रतिस्पर्धा के लिए प्रेरित करते हैं। जयपुर से निकले इन दोनों डॉक्टरों की सफलता न केवल शहर बल्कि पूरे देश के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है।

महादेव बैटिंग ऐप पर ईडी का एक्शन : 3.29 करोड़ रुपए सीज किए

जयपुर के ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापे के दौरान ईडी को कई दस्तावेज मिले हैं, जिनमें संपत्तियों के लिंक हैं

जयपुर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सट्टे से जुड़े महादेव बैटिंग ऐप ऑपरेट करने वालों के खिलाफ एक्शन लेना शुरू कर दिया है। इसमें जयपुर के ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापे के दौरान ईडी को कई दस्तावेज मिले हैं, जिनमें संपत्तियों के लिंक हैं। ईडी का दावा है कि ब्लैक मनी दूसरे देशों की कम्पनी में लगाकर फिर वो ही राशि खुद से जुड़ी कंपनी में निवेश का खेल चलाया जा रहा है।

गौरतलब है कि 16 अप्रैल को ईडी ने महादेव बैटिंग ऐप के देश भर (जयपुर, रायपुर, अहमदाबाद, दिल्ली, मुंबई) में 60 ठिकानों पर छापेमारी की थी। छापेमारी के दौरान ईडी ने 3.29 करोड़ रुपए नगद रिकवर किए। इन्हें ईडी ने सीज कर दिया है। वहीं 573 करोड़ रुपए की सिक्योरिटी,डीमेट अकाउंट में रखा पैसा भी सीजर कर दिया गया हैं। इस दौरान ईडी को जयपुर के एप्पल अपार्टमेंट में 503 नंबर के फ्लैट से फर्जी फर्म और कंपनी में निवेश के दस्तावेज मिले थे। इन्हें भी ईडी ने आगे की कार्रवाई के लिए सीज कर दिया है। इस छापेमारी को लेकर ईडी ने बताया कि सभी पॉइंट से जांच के दौरान ईडी के अधिकारियों को 3.29 करोड़ रुपए की राशि नगद मिली। इसे सीज कर दिया गया है। वहीं, 573 करोड़ रुपए की सिक्योरिटी, डीमेट अकाउंट की जानकारी मिली है। इसे भी सीज कर दिया गया है।

- **ईडी का दावा है कि ब्लैक मनी दूसरे देशों की कम्पनी में लगाकर फिर वो ही राशि खुद से जुड़ी कंपनी में निवेश का खेल चलाया जा रहा है**

जानकारी में सामने आया है कि भले ही कार्रवाई का मुख्य केंद्र छत्तीसगढ़ रहा। लेकिन जयपुर के कई बड़े व्यापारी इस ऐप के साथ कई समय से जुड़ कर काम कर रहे थे। कार्रवाई के दौरान जो दस्तावेज ईडी को मिले हैं। उन पर काम किया जा रहा हैं। राजस्थान के कई बड़े व्यापारी इस ऐप से लिंक है।

सोडाला स्थित एपल रेजीडेंसी के ड्राई फ्रूट व्यापारी के घर पर छापे के दौरान ईडी को कई दस्तावेज मिले। इसमें विकास इंफोटेक सहित कई संपत्तियों के लिंक मिले। इन पर ईडी की टीम काम कर रही हैं। ईडी का दावा है कि ब्लैक मनी दूसरे देशों की कम्पनी में लगाकर करके फिर वो ही राशि खुद से जुड़ी कंपनी में निवेश का खेल चलाया जा रहा है। ऐसी करीब दो दर्जन से अधिक कम्पनियों के दस्तावेज ईडी को मिले हैं, जिन पर काम किया जा रहा हैं। महादेव बुक पिछले कुछ सालों में भारत में सबसे बड़े ऑनलाइन सट्टेबाज प्लेटफॉर्म में से एक बन गया है। यह ऐप और वेबसाइट के जरिए अवैध रूप से करोड़ों रुपए का लेन-देन करता है और क्रिकेट, फुटबॉल जैसे खेलों पर सट्टा लगाता है। इसका नेटवर्क पूरे देश में फैला हुआ है। इसमें कई प्रभावशाली लोग भी शामिल हैं। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी पिछले साल इस घोटाले की जांच की थी और कई करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी।

महादेव बुक से जुड़े कुछ लोगों को गिरफ्तार भी किया था। ज्ञात रहे कि छत्तीसगढ़ के भिलाई निवासी रामेश्वर चंद्राकर नगर निगम में पानी के पंप चलाने वाले ऑपरेटर का काम करते हैं। उनके बेटे का नाम सौरभ चंद्राकर है। सौरभ भिलाई में ही जूस फैक्ट्री के नाम से एक छोटी सी जूस की दुकान चलाता था। इसी दौरान उसकी दोस्ती रवि उप्पल नाम के इंजीनियर से हो गई। रवि उप्पल एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता था। रवि और सौरभ ने मिलकर ऑनलाइन सट्टेबाजी के जरिए पैसा कमाने के लिए एक वेबसाइट बनाई। हालांकि शुरुआत में इस वेबसाइट के कम यूजर्स थे और इससे काफी कम कमाई होती थी। सौरभ की कमाई का मुख्य जरिया जूस की दुकान ही थी। इसके बाद नौकरी के लिए सौरभ दुबई चला गया।

छत्तीसगढ़ मानसिक अस्पताल में भर्ती महिला को स्वस्थ होने पर पिता के घर पहुंचाया

मानसिक स्थिति खराब होने पर छह माह पहले महिला पति का घर छोड़कर निकल गई थी

किशनगढ़बास, (निसं)। मानसिक स्थिति बिगड़ने पर छह माह पहले घर से निकलकर छत्तीसगढ़ के बिलासपुर राजकीय मानसिक चिकित्सालय में इलाज करा रही महिला के स्वस्थ होने पर ससुराल और पीहर पक्ष का पता लगने पर मंगलवार को विधिक सेवा प्राधिकरण व पुलिस थाना किशनगढ़ बास की समझाइश एवं प्रयासों के बाद महिला को किशनगढ़ बास के गांव बाघोर में माता-पिता के सुपुर्द किया गया। महिला अब पूर्ण रूप से स्वस्थ हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के सचिव मोहन लाल सोनी ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के द्वारा एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर को ग्राम बागोर किशनगढ़ बास जिला अलवर की रहने वाली शीला बाई के राजकीय मानसिक चिकित्सालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में भर्ती होने से अवगत करवाया गया। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर की ओर से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर को उक्त महिला को उसके परिजनों के पास भिजवाने के संबंध में आवश्यक कार्यवाही करवाने के निर्देश दिए गए। निर्देशों की पालना में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर व अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहनलाल सोनी ने तालुका विधिक सेवा समिति किशनगढ़ बास पीएलवी गुलाब शर्मा तथा पुलिस थाना किशनगढ़ बास को ग्राम बागोर में भेजकर महिला के परिजनों की जानकारी ली। तालुका विधिक सेवा समिति किशनगढ़ बास पीएलवी गुलाब शर्मा ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर के निर्देशानुसार महिला शीला बाई के परिजनों से संपर्क कर शीला बाई की वर्तमान स्थिति के बारे अवगत कराया गया तथा महिला को परिवारजनों के साथ रखने की समझाइश की गई इस पर महिला के परिजनों द्वारा उसको साथ रखने की सहमति देने पर महिला के पुनर्वास करवाए जाने के संबंध में जिला एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर को अवगत कराया गया। इसके उपरांत राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण छत्तीसगढ़ के द्वारा महिला को सुरक्षा कर्मियों के साथ जरिए रेल दिल्ली पहुंचाया गया। जहां से 2 आरक्षकों के साथ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण दिल्ली द्वारा महिला को एम्बुलेंस से उसके गांव बागोर किशनगढ़ बास पहुंचाया गया। जहां महिला को परिजनों के सुपर्द किया। महिला शीला बाई के पिता थावरिया सहित मां भाई भाभी ने खुशी प्रकट कर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण समिति का आभार जताया। तालुका विधिक सेवा समिति के पीएलवी गुलाब शर्मा ने बताया कि महिला शीला बाई के ससुराल पक्ष के लोगों से संपर्क किया तो उन्होंने महिला को घर लेकर आने से इंकार कर दिया। उसके बाद महिला के माता-पिता से बात की और पूरा मामला बताया तो वह खुशी-खुशी बेटी को अपने पास रखने के लिए हां कर दी। अपनी बेटी को पाकर माता-पिता सहित भाई भाभी सभी खुश नजर आए।

विधिक सेवा प्राधिकरण समिति छत्तीसगढ़ व राजस्थान के अथक प्रयासों के बाद महिला को माता-पिता के घर किशनगढ़ बास के गांव बागोर में पहुंचाया गया।

- छत्तीसगढ़ अस्पताल में स्वस्थ होने पर महिला ने पिता व पति का पता बताया

जसरापुर में सड़क पर अतिक्रमण होने से ग्रामीणों में आक्रोश

ग्रामीणों ने एसडीएम को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन दिया।

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के जसरापुर पंचायत की खोल की ढाणी श्यामपुर से होते हुए जसरापुर की ओर आने वाली सड़क पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा है। ग्रामीणों ने एसडीएम को जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन देकर अवैध रूप से हो रहे अतिक्रमण को हटाने की मांग की है।

ग्रामीणों की ओर से एसडीएम मुकेश चौधरी को दिए ज्ञापन में बताया कि गांव के दबंग लोगों ने नाले के ऊपर अवैध कब्जा कर लिया और नाले के पास से गुजर रहे रास्ते को करीब 70 फीट अलग साइड से निकाल दिया। इसके अलावा अवैध रूप से कब्जा कर पक्का निर्माण कर रहे हैं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्रामीण जब उनसे शिकायत करते हैं तो गाली-गलौच कर मारपीट करने को उतारू हो जाते हैं। रास्ते को अलग दिशा में करने से आने वाले वाहनों को सही साइड भी नहीं दिखाई देती है, जिससे आये दिन हादसे होते रहते हैं। नाले की भूमि पर कचरा, मिट्टी, पत्थर डालकर कब्जा कर लिया है। इस संबंध जब ग्रामीणों ने उसे हटाने के लिए कहा तो अतिक्रमी लोग मारपीट पर उतारू हो गए। इस संबंध में पूर्व में भी प्रशासनिक अधिकारियों को अवगत करवाया गया था, लेकिन समस्या का समाधान नहीं होने से राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

- ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन देकर अतिक्रमण हटाने की मांग की
- ज्ञापन में गांव के दबंग लोगों पर अवैध कब्जा करने का आरोप लगाया

ज्ञापन में बताया कि नाले की सरकारी जमीन में ट्यूबवेल तथा नाले में फसल की जाती है। ग्रामीणों ने कहा कि अतिक्रमण के कारण आपस में तनाव की स्थिति बनी रहती हैं तथा आमजन को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान एसडीएम ने जल्द मामले की जानकारी जुटाकर आवश्यक कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। इस मौके पर शिवलाल, राम सिंह, खेताराम, कपूर चंद, विनोद कुमार, कृष्ण कुमार, जिलेसिंह, मदनलाल, राकेश, मुकेश, महिपाल सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे।

भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने दिल्ली स्थित रेल भवन में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव एवं रेल राज्य मंत्री रनवीत सिंह बिट्टू से मुलाकात कर अपने संसदीय क्षेत्र चित्तौड़गढ़ के रेलवे विकास कार्यों के संबंध में चर्चा की। इस दौरान उन्होंने पूर्व में चित्तौड़गढ़ लोकसभा को दी गई सौगातों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रेल मंत्री और रेल राज्य मंत्री का आभार व्यक्त किया।

डिवाइडर से टकराकर कार में आग लगी, हादसा टला

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर-पिंडवाडा नेशनल हाइवे पर डिवाइडर से टकराने पर कार में आग लग गई। कार के दरवाजे लॉक नहीं हुए, जिससे कार में सवार गुजरात के मेहसाणा के युवकों ने बाहर निकलकर जान बचाई। देखते ही देखते कार धूं-धूं कर जल गई। एक बाइक चालक घायल हो गया। उसे हाइवे एम्बुलेंस से हॉस्पिटल पहुंचाया गया।

जानकारी अनुसार बायण माता मंदिर के सामने स्थित कट पर तेज गति से आ रही कार ने बाइक को चपेट में ले लिया। बाइक को टक्कर मारने के बाद कार डिवाइडर से टकराकर रुक गई और उसमें आग लग गई।

मौके पर मौजूद प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि कार में तीन युवक सवार थे। कार में उनका काफी सामान था। कार टकराने के बाद जैसे ही डिवाइडर से टकराई और आग लगी। इसी दौरान युवक बाहर आ गए। उनके सामान को बचाने के लिए लोगों ने अपने स्तर पर कार से सामान बाहर निकाला।

इस बीच आग ने विकराल रूप ले लिया और कार जल गई। आग को लेकर उदयपुर फायर स्टेशन पर सूचना की। इससे पहले लोगों ने पास से पानी का टैंकर लाकर आग को बुझाया, लेकिन तब तक पूरी कार जल गई। ये कार उदयपुर से पिंडवाडा की ओर जा रही थी।

- उदयपुर-पिंडवाडा नेशनल हाईवे पर हादसा हुआ
- कार सवार युवक गुजरात से उदयपुर आ रहे थे

तीन थानों का वांछित आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जिले की गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने अवैध देशी कट्टे के साथ तीन थानों के वांछित आरोपी रोहित (23) उर्फ आरडीएक्स पिता दुर्गेश निमावत निवासी फलासिया को गिरफ्तार किया है। आरोपी उदयपुर में गोवर्धन विलास थाने के अलावा सुखेर और हिरण मगरी थाने में अपहरण, हत्या का प्रयास और पिस्टल से धमकाने के मामले में फरार था। इसके खिलाफ विभिन्न थानों में 5 मामले दर्ज हैं।

थानाधिकारी दिलीप सिंह झाला ने बताया कि 21 अप्रैल को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक अवैध देशी कट्टा बेचने की फिराक में जोगी तालाब की पाल पर घूम रहा है। सूचना पर जाब्ते के साथ तालाब से पहले कुछ दूरी पर रुके। फिर सादा वर्दी में एक जवान आरोपी के पास पहुंचा और देशी कट्टा खरीद के संबंध में बात की। इस पर वह कट्टा बेचने को तैयार हो गया। इसके तुरंत बाद सादा वर्दी जवान ने अपनी टीम को इशारा करके बुला लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक देशी कट्टा मिला। जिससे जुड़े कोई दस्तावेज उसके पास नहीं थे। सख्ती से पूछताछ में उसने बताया कि वह साथियों के साथ मिलकर मारपीट, अपहरण और हथियार दिखाकर धमकाने जैसी घटनाओं को अंजाम देता है।

थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी निमावत उर्फ आरडीएक्स अपने साथी हनी निमावत उर्फ डोनेश पिता मांगीलाल निवासी खटीकवाडा और अंश गहलोत पिता महेश निवासी नाईवाडा के साथ मिलकर संगठित अपराध के रूप में काम करते हैं। आरोपी रोहित का वीरेन्द्र निमावत खटीकवाडा से विवाद चल रहा है। आरोपी ने पूर्व में वीरेन्द्र निमावत पर तलवार और लट्ठ से वार किया था। इसी मामले में हनी निमावत उर्फ डोनेश व अंश गहलोत दोनों जेल में बंद है। इनके जेल जाने के कारण और वीरेन्द्र से दुश्मनी निकालने के लिए ये अवैध हथियार हनी निमावत और अंश गहलोत ने रोहित को दिए थे। वीरेन्द्र निमावत को मारने की नियत से ही रोहित हथियार लेकर घूम रहा था। थानों का वांछित होने के कारण वह इधर.उधर छिपकर फरारी काट रहा था। ऐसे में उसके पास पैसे की किल्लत हो गई थी। जिस कारण वह हथियार बेचने की फिराक में जोगी तालाब के पास घूम रहा था।

- सादा वर्दी में पहुंचे जवान को अवैध देशी कट्टा बेचने लगा था

करंट से ठेके पर कार्यरत कर्मचारी झुलसा

उदयपुर, (कासं)। शहर के कैलाशपुरी क्षेत्र में विद्युत कार्य करते समय करंट लगने से विद्युत विभाग में ठेके पर कार्यरत कर्मचारी झुलस गया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में ठेके पर कार्यरत रमेश पुत्र गेहरीलाल निवासी कैलाशपुरी 21 अप्रैल को कैलाशपुरी क्षेत्र की कम्प्लेन पर मूणवास ट्रांसफार्मर पर काम करने के लिए अम्बेरी जीएसएस में काम कर रहा था। इस दौरान वहां पर कार्यरत ठेकाकर्मी त्रिलोक व गोपीलाल ने विद्युत लाईन चालू कर दी। जिससे रमेश झुलस गया। जिसे साथियों ने उपचार के लिए निजी चिकित्सालय में भर्ती करवाया। इस मामले में अजमेर वि.वि. नि. लि. बड़गांव के कनिष्ठ अभियंता अनुराग सिंह पुत्र राजेश सिंह ने पुलिस को सूचना कर प्रकरण दर्ज करवाया है।

पूर्व पालिका अध्यक्ष नारायण झंवर का निर्वाचन न्यायालय ने रद्द किया

नोखा, (निसं)। नगरपालिका में नेतृत्व परिवर्तन हुआ है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश, नोखा की अदालत ने पूर्व पालिकाध्यक्ष नारायण झंवर के निर्वाचन को अवैध करार देते हुए रद्द कर दिया है।

यह निर्णय चुनाव याचिका क्रमांक 15/2023 (महेन्द्र कुमार बनाम नारायण झंवर) और 18/2023 (श्रीनिवास झंवर बनाम नारायण झंवर) पर सुनवाई के बाद, 15 अप्रैल 2025 को सुनाया गया। अदालती निर्णय के बाद अध्यक्ष पद रिक्त हो गया था। यह पद सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित है और नियमों के अनुसार, केवल सामान्य वर्ग के पार्षद को ही इस पद पर नियुक्त किया जा सकता है। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम, 2009 की धारा 50 (1)(0)(क) के अंतर्गत वार्ड नंबर 11 के पार्षद निर्मल कुमार भूरा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वे राज्य सरकार के अगले आदेश तक इस पद पर कार्यरत रहेंगे। नगरपालिका के अधिशासी अधिकारी शैलेन्द्र गोदारा ने पुष्टि की है कि निर्मल कुमार भूरा ने 22 अप्रैल को अध्यक्ष पद का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। 15 अप्रैल 2025 को एडीजे प्रथम मुकेश कुमार की अदालत ने नारायण झंवर को अयोग्य घोषित करते हुए उनके निर्वाचन को रद्द कर दिया।

याचिकाकर्ताओं ने अदालत में यह तर्क दिया कि नारायण झंवर ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का प्रत्याशी होने का दावा करते हुए नामांकन पत्र दाखिल किया था। उन्होंने नामांकन फॉर्म में पार्टी प्रत्याशी के रूप में खुद को घोषित किया था, जिसमें उम्मेदसिंह चम्पावत के हस्ताक्षर थे। हालांकि, यह स्पष्ट हुआ कि उम्मेदसिंह चम्पावत आरसीपी की ओर से अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता नहीं थे, और इस संबंध में पार्टी द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग को कोई आधिकारिक सूचना भी नहीं दी गई थी।

इसलिए, अदालत ने माना कि नारायण झंवर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के वैध प्रत्याशी नहीं थे और याचिकाओं में प्रस्तुत दलीलों को उचित ठहराते हुए उनका निर्वाचन रद्द करने का निर्णय सुनाया गया।

- पार्षद निर्मल कुमार भूरा को अध्यक्ष नियुक्त किया गया

18 लाख का डोडा-चूरा से भरा वाहन जब्त

उदयपुर, (कासं)। जिले के पानरवा थाना पुलिस ने तलाशी अभियान के दौरान अवैध डोडा-चूरा से भरा वाहन जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। पानरवा थाना अधिकारी धनपतसिंह के नेतृत्व में एएसआई निर्मल कुमार मय टीम ने 21 अप्रैल को गश्त के दौरान मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर खांचण पुलिया पर नाकाबंदी कर एक पिकअप वाहन को रोककर तलाशी ली तो उसमें करीब 18 लाख रूपये का 745 किलो अवैध अफीम डोडा चुरा भरा था, जिसे जब्त कर आरोपी किशोर कुमार पुत्र रघुनाथराम निवासी बाडमेर को गिरफ्तार किया।

नसबंदी ऑपरेशन के बाद महिला की मौत

भीम, (निसं)। उप जिला चिकित्सालय में महिला नसबंदी ऑपरेशन के दौरान एक महिला की मौत हो गई। इस पर चिकित्सालय परिसर में ग्रामीणों ने धरना प्रदर्शन किया।

सेलमा बलीजसा खड़ा निवासी दली देवी पत्नी सीमाराम सालवी का गत 17 अप्रैल को उप जिला चिकित्सालय भीम में महिला नसबंदी ऑपरेशन किया गया था। डाली देवी की स्थिति गंभीर होने पर चिकित्सकों ने रेफर कर दिया था। 21 अप्रैल को अजमेर अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। डाली देवी की मौत की सूचना पर सोमवार को ग्रामीणों ने भीम चिकित्सालय परिसर में धरना प्रदर्शन कर चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया। प्रमुख चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉक्टर सुरेश चंद्र मीणा ने बताया कि 17 अप्रैल को महिला का नसबंदी ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया था। महिला की तबीयत खराब होने की स्थिति पर हायर सेंटर रेफर किया गया था। अजमेर हॉस्पिटल में इलाज के दौरान महिला के मौत की सूचना मिली है पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराया जाएगा। जांच रिपोर्ट आने पर कार्यवाही की जाएगी। ग्रामीणों द्वारा धरना प्रदर्शन करने की सूचना पर उपखंड अधिकारी दुदाराम हुड्डा ग्रामीणों से समझाइश कर निष्पक्ष कार्यवाही का आश्वासन देने पर परिजन पोस्टमार्टम के लिए तैयार हुए।

लावारिस शव का अन्तिम संस्कार किया

मालपुरा, (निसं)। मालपुरा उपखण्ड क्षेत्र के लाम्बाहरिसिंह थानान्तर्गत नयागांव जाटान के पास लम्बे समय से बंद पड़ी ग्रेनाईट की खान में 18 अप्रैल की देर शाम को कपड़े की पोटली में लिपटे पानी में तैरते मिले महिला के शव की पांच दिन बाद भी पहचान नहीं हो सकी। इस पर मंगलवार को प्रशासन ने महिला के लावारिस शव को मालपुरा जिला अस्पताल की मोर्चरी से पुलिस सुरक्षा में लेकर शव का अन्तिम संस्कार किया। जानकारी के अनुसार अठारह अप्रैल की देर शाम लावारिस मिले महिला के शव को पुलिस व प्रशासन ने पहचान के प्रयास करते हुये मालपुरा जिला अस्पताल के मुर्दाघर में रखवाया।

बीकानेर के आदित्य का यूपीएससी में चयन

यूपीएससी की ओर से जारी लिस्ट में 96 वीं रैंक आई

बीकानेर, (निसं)। यहां आचार्य चौक निवासी आदित्य आचार्य का भारतीय पुलिस सेवा में चयन होना निश्चित हो गया है। संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की ओर से जारी लिस्ट में आदित्य का नाम 96 नंबर है। ऐसे में उसे आईएएस के बजाय आईपीएस बनना तय हो गया है। बीकानेर के आचार्य चौक निवासी चांदरतन आचार्य के पौत्र और अमित आचार्य के बेटे आदित्य ने जयपुर में रहकर ही पढ़ाई की और वर्तमान में भी जयपुर ही है।

बीकानेर के आचार्य चौक में रहने वाले आचार्य परिवार में मंगलवार दोपहर से ही बधाईयों का सिलसिला जारी है। आदित्य ने जयपुर में रहकर ही अपनी पढ़ाई पूरी की। इसके बाद एग्जाम की तैयारी भी वहीं से की। आदित्य के पिता अमित आचार्य भी अर्से से जयपुर में ही रह रहे हैं। प्राइवेट नौकरी करने वाले अमित परिवार के साथ जयपुर के मानसरोवर में रहते हैं। आदित्य के चाचा और जलदाय विभाग में श्रमिक नेता बृजराज आचार्य का कहना है कि आदित्य शुरू से ही होनहार था। पढ़ाई में हमेशा अवल्ल रहने वाले आदित्य के मन में आईएएस और आईपीएस बनने का सपना था। आज उसकी मेहनत रंग लाई है। श्रमिक नेता बताते हैं कि उसके माता-पिता ने भी खूब मेहनत करके इस मुकाम तक पहुंचाया है।

नोखा के रामनिवास सियाग ने क्लियर की यूपीएससी : वहीं नोखा के उदासर गांव के रामनिवास सियाग ने यूपीएससी में 618वीं रैंक हासिल की है। रामनिवास ने पहले प्रयास में सफलता हासिल की। रामनिवास की प्रारंभिक शिक्षा नोखा से हुई। एनआईटी हमीरपुर से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी की। उनके दादा नारायणराम सियाग, जो पूर्व ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हैं, ने सफलता के लिए भगवान का आभार व्यक्त किया। पूर्व सरपंच चेतनराम के अनुसार रामनिवास की सफलता से गांव में खुशी का माहौल है।

- उदासर गांव के रामनिवास सियाग ने यूपीएससी में 618वीं रैंक हासिल की

जेल में बंदी के पास मोबाइल मिला

अजमेर, (कांस)। प्रदेश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली अजमेर की हाई सिक्योरिटी जेल में एक बार फिर मोबाइल फोन और दो सिम कार्ड मिलने पर जेल की सुरक्षा पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। जेल में हत्या के मामले में बंद आरोपी की बैरक से की-पैड मोबाइल और अलग-अलग स्थान से दो सिम कार्ड बरामद हुए है। सिविल लाइन थाना प्रभारी राजवीर सिंह ने बताया घूघरा स्थित हाई सिक्योरिटी जेल के जेल प्रहरी खेतपाल सिंह ने थाने पर शिकायत देते हुए जेल में बंद बंदी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है, दर्ज रिपोर्ट में बताया कि 21 अप्रैल को जेल के वार्ड नंबर 4 की ड्यूटी कार्मिक मुख्य प्रहरी योगेश कुमार मीणा व प्रहरी परमेश जाट द्वारा मौजूद कारापाल को वार्ड में निषेध सामग्री होने के संभावना जताई थी, जिस पर जेल प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। जेल प्रशासन के निर्देश पर वार्ड नंबर 4 के ब्लॉक संख्या दो व तीन की तलाशी ली गई।

थाना प्रभारी ने बताया कि तलाशी के दौरान वार्ड नंबर 4 के ब्लॉक नंबर 3 की सेल संख्या दो जिसमें हत्या के मामले में विचाराधीन बंदी सरजीत पुत्र सूबे सिंह निरुद्ध है, जिसकी कोठरी के दरवाजे के पास एक काले रंग का थैली में की-पैड मोबाइल सिम सहित बरामद हुआ। एक चार्जर जिसका एडेप्टर पॉलिथीन में लिपटा हुआ था।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन 112वें दिन भी अनवरत जारी

शाहपुरा, (निसं)। जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर क्रमिक अनशन धरने पर किसान केसरी संघ के बैनर तले सरदारपुरा के किसान के शांतिपूर्ण तरीके से नारेबाजी करते हुए धरना स्थल पर पहुंचकर शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में प्रदर्शन किया और शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को दिया।

- शाहपुरा को वापस जिले का दर्जा देने की मांग का ज्ञापन राज्यपाल के नाम उपखंड अधिकारी को दिया

जिला समाप्त करने के विरोध में क्रमिक अनशन धरने पर किसान केसरी संघ सरदारपुरा एवं गोपालपुरा के किसान बैठे।

सरदारपुरा के किसान के किसान केसरी संघ के बैनर तले जिलाध्यक्ष सूर्यप्रकाश ओझा, उपाध्यक्ष रज्जाक मोहम्मद, सुवा कुम्हार, चंद्रा कुम्हार, घीसाराम, कजोड़ खाना बागरिया महावीर बैरवा, रतनलाल, मोहित सुथार, अनिल शर्मा, महिला सदस्यों में खानी देवी, लक्ष्मी देवी सहित कई सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठे। जिनका संघर्ष समिति की ओर से माला पहनकर स्वागत किया गया। धरने को किसान केसरी संघ के जिला अध्यक्ष सूर्यप्रकाश ओझा, सरदारपुरा के किसान घीसाराम बागरिया, महावीर बैरवा, अनिल शर्मा, पार्षद इशाक मोहम्मद, संघर्ष समिति संयोजक रामप्रसाद जाट, महासचिव कमलेश मुंडेतिया, सदस्य ताज मोहम्मद ने संबोधित करते हुए सरकार से शाहपुरा जिले की बहाली की मांग की। इस मौके पर संघर्ष समिति सदस्य राजेंद्र बोहरा, रामस्वरूप टेपन, रविशंकर उपाध्याय अजय मेहता, सत्यनारायण पाठक, हाजी उस्मान मोहम्मद छीपा, धनराज जीनगर, विनीत बुनकर, शहाबुद्दीन पठान, दुर्गालाल जोशी, प्रवीण पारीक, संस्था उपाध्यक्ष गजेंद्र प्रतापसिंह राणावत, वरिष्ठ अधिवक्ता कल्याणमल धाकड़, ताज मोहम्मद, वेदप्रकाश धाकड़ सहित कई सदस्य मौजूद रहे। जिला बचाओ संघर्ष समिति महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि 23 अप्रैल को युवा परिषद शाहपुरा के सदस्य क्रमिक अनशन धरने पर बैठेंगे।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज के दो छात्र निलंबित

अजमेर, (कांस)। गत वर्ष नीट परीक्षा में डमी छात्र के रूप में परीक्षा दे रहे अजमेर जेएलएन मेडिकल कॉलेज के दो छात्रों के निलंबन के आदेश नेशनल मेडिकल कमीशन नई दिल्ली ने जारी किए हैं। जेएलएन मेडिकल कॉलेज अजमेर के दो स्टूडेंट निलंबित छात्र सपोटरा करौली निवासी अभिषेक कुमार जिंदल पुत्र सुरेशचंद गुप्ता 2020 तथा जवाहर नगर भरतपुर निवासी गौरव कुमार पुत्र कृष्णपाल सिंह साल 2023 की नीट परीक्षा में उत्तीर्ण हुए थे। दोनों छात्रों को गत वर्ष एनएमसी टीम ने भरतपुर से नीट की परीक्षा में किसी दूसरे अभ्यर्थी की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में परीक्षा देते हुए पकड़ा था। एनएमसी व सीबीआई ने जेएलएन मेडिकल कॉलेज से इस मामले को लेकर दोनों की उपस्थिति की कॉपी मांगी। हाजिरी रजिस्टर में दोनों ही अनुपस्थित पाए गए। एनएमसी द्वार जारी एक लेटर जेएलएन मेडिकल कॉलेज को मिला, जिसमें आगामी आदेश तक दोनों स्टूडेंट को सस्पेंड किए। दोनों स्टूडेंट अब कॉलेज नहीं आ सकेंगे, न ही क्लास में बैठ सकेंगे। दोनों की हाजिरी पूरी नहीं होगी तो सालाना परीक्षा से भी वंचित भी किया जा सकता है। यदि अगर दोनों छात्र हॉस्टल में रह रहे हैं तो दोनों को हॉस्टल खाली करने के लिए कहा जाएगा।

मैं युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना चाहता हूं। 10 एथलीट्स की मदद करना चाहता हूँ और हर किसी को 70 हजार रुपये दूंगा।
-शिवम दुबे

चेन्नई सुपर किंग्स के ऑलराउण्डर, तमिलाडु के उभरते खिलाड़ियों की मदद के लिए बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अमित मिश्रा

अमित मिश्रा का नाम मंगलवार 22 अप्रैल को काफी चर्चा में आ गए। इस नाम को लेकर काफी कंफ्यूजन क्रिएट हो चुका है। दरअसल, क्रिकेटर अमित मिश्रा की पत्नी गरिमा तिवारी ने अपने पति पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस खबर के सामने आती ही लोगों और कुछ मीडिया एजेंसियों ने टीम इंडिया के लिए खेल चुके लेग स्पिनर अमित मिश्रा को समझा। जिसके बाद खुद लखनऊ सुपर जायंट्स के पूर्व खिलाड़ी को ट्वीट करके सच बताना पड़ा कि जिस अमित मिश्रा की बात हो रही है वह वो नहीं हैं। ये अमित मिश्रा स्पिनर नहीं बल्कि तेज गेंदबाज हैं जो रणजी खेल चुका है।

क्या आप जानते हैं ?... क्रिस्टियानो रोनाल्डोपुर्तगालदेश के रहने वाले हैं। उनका जन्म 5 फ़रवरी, 1985 को पुर्तगाल के फ़ंचल में हुआ था।

अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग

स्टार क्रिकेट एकेडमी ने सुराणा को हराया

जयपुर, 22 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल बी के मैच में स्टार क्रिकेट एकेडमी ने सुराणा क्लीनिक को 279 रनों से हराया। अरावली ग्राउंड पर स्टार क्रिकेट एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वरुण गुप्ता के 96 रन, ऋतिक शर्मा के 133 रन, ऋत्विक चावला के 43 रन, करण सिंह के 27 रन, प्रणव चौधरी के 38 रन से 50 ओवर में 6 विकेट पर 383 रन बनाए। सुराणा क्लीनिक के लिए मोहन सैनी ने 44 पर 2, चेतन मीणा व धीरज ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में सुराणा क्लीनिक की टीम दक्ष शर्मा के 22 रन, चेतन मीणा के 31 रन व रनों से 31.4 ओवर में 104 रनों पर सिमट गई। स्टार क्रिकेट एकेडमी के लिए हर्ष शर्मा ने 23 पर 5, अथर्व सिंह ने 8 पर 3, सचिन व आदित्य सराफ ने एक - एक विकेट लिए।

जोधपुर ने जयपुर बी टीम को हराया

जयपुर, 22 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित जोधपुर जिला क्रिकेट संघ की अंडर - 19 टीम के साथ 3 एकदिवसीय मैचों की सीरीज के तहत खेले गए दूसरे मैच में जोधपुर ने जयपुर की बी टीम को 42 रनों से हराया। के एल सैनी स्टेडियम पर जोधपुर ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वैभव राजपुरोहित के 11 रन, रिषभ यादव के 22 रन, आर्यन विश्नोई के 47 रन, केतन देवासी के 52 रन, रवि प्रजापत के 29 रन, देवेंद्र दुखतावा के 17 रनों से 44.2 ओवर में 237 रन बनाए। जयपुर बी टीम के लिए वेदांग शर्मा ने 68 पर 5, सार्थक सैनी ने 25 पर 2, मनय कटारिया ने 42 पर 2, अविनाश यादव ने 39 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर बी टीम ने त्रिलोक सैनी के 13 रन, गौरव सैनी के 42 रन, कुशाग्र ओझा के 21 रन, कुमार वासुदेव के 28 रन, आलोक गुर्जर के 38 रन, वरदान शर्मा के 23 रन से 39.3 ओवर में 195 रन बनाकर आउट हो गई। जोधपुर के लिए रवि प्रजापत ने 22 पर 4, शिवांग सिंह शेखावत ने 8 पर 2, केतन देवासी व देवेंद्र दुखतावा ने एक - एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जोधपुर ने वैभव राजपुरोहित के 46 रन, शिवांग सिंह के 86 रन, केतन देवासी के 51 रन, वीरेंद्र सिंह के 25 रन व रवि प्रजापत के 10 रनों से 49.1 ओवर में 247 रन बनाकर आउट हो गई। जयपुर के लिए कार्तिक बदलानी ने 43 पर 5 विकेट लिए, प्रखर शर्मा ने 53 पर 2, हर्षित शर्मा व आदित्य शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

सैनी ने फोगाट को चार करोड़ और प्लाट देने को दी मंजूरी

चंडीगढ़, 22 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने मंगलवार को प्रदेश की महिला पहलवान और कांग्रेस विधायक विनेश फोगाट को भारतीय जनता पार्टी(भाजपा) की ओर से चार करोड़ रुपये और प्लॉट देने का निर्णय लिया है। सैनी ने विनेश की फाइल पर हस्ताक्षर किए हैं। विनेश फोगाट को हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण की तरफ से प्लॉट दिया जाएगा। गौरतलब है कि पेरिस ओलंपिक में विनेश रजत पदक जीतने से चूक गई थी। उस दौरान सैनी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा था कि विनेश की उपलब्धि को ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर माना जाएगा। जो पुरस्कार रजत पदक विजेता दिया जाता है, वे सारे सम्मान विनेश को दिए जाएंगे।

भारत ने आईएसएसएफ विश्व कप में जीते सात पदक

लीमा 22 अप्रैल। आईएसएसएफ विश्व कप में भारतीय निशानेबाजों ने दो स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल सात पदक जीते।भारतीय निशानेबाज सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक के साथ अपना पहला सीनियर अंतरराष्ट्रीय पदक जीता, वहीं पेरिस ओलंपिक की दोहरी पदक विजेता मनु भाकर टूर्नामेंट में सोमवार को 22 हिट्स के साथ चौथे स्थान पर रहीं और पदक से चूक गईं। निशानेबाजी फाइनल में सिमरनप्रीत ने 33 हिट्स के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चीन की सुन यूजिये ने 34 हिट्स के साथ स्वर्ण और याओ कियानशुन ने 29 हिट्स के साथ कांस्य पदक जीता। क्वालिफिकेशन में मनु भाकर ने 585 स्कोर के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। सिमरनप्रीत ने 580 के साथ पांचवां और ईशा सिंह ने 575 के साथ आठवां स्थान हासिल किया। जबकि ईशा सिंह 17 हिट्स के साथ छठे स्थान पर रहीं।

दिल्ली के आलराउंड प्रदर्शन से लखनऊ चारों खाने चित

लखनऊ 22 अप्रैल। मुकेश कुमार (33 रन पर चार विकेट) के बाद अभिषेक पोरल (51) और केएल राहुल (57 नाबाद) के शानदार अर्धशतकों की मदद से दिल्ली कैपिटल्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 40वें मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को 13 गेंद शेष रहने आठ विकेट से रौंद दिया।

इस जीत के साथ दिल्ली ने गुजरात जायंट्स के बाद प्लेऑफ में जगह लगभग पक्की कर ली है। एलएसजी ने पहले खेलते हुये 159 रन बनाये जिसके जवाब में दिल्ली ने विजय लक्ष्य दो विकेट खोकर पूरा कर लिया। दिल्ली के मुकेश कुमार ने धारदार गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुये मेजबान टीम को सामान्य स्कोर पर सीमित कर दिया जबकि बाद में अभिषेक और करुण नायर (15) ने अपनी टीम के लिये तेज शुरुआत की जबकि बाद में केएल राहुल और कप्तान अक्षर पटेल (34 नाबाद) ने विजय लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया।

अक्षर ने मात्र 20 गेंदो में एक चौके और चार आसमानी छक्के लगाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इससे पहले केएल राहुल के साथ 56 रन की धुआंधार साझीदारी की। इससे पहले अभिषेक ने केएल राहुल के साथ 69 रन जुटा कर अपनी टीम की राह आसान कर दी थी।

इकाना स्टेडियम पर एडन मारक्रम (52) और मिचेल मार्श (45) ने 87 रन की तेज भागीदारी कर अच्छी शुरुआत दी थी मगर मध्य क्रम के बल्लेबाज रन गति को हवा देने में विफल रहे और 20वें ओवर तक एलएसजी छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी। कप्तान ऋषभ पंत (0) एक बार फिर नहीं चले हालांकि आयुष बदोनी (21 गेंद पर 36 रन) की बदौलत टीम चुनौतीपूर्ण लक्ष्य खड़ा करने में सफल रही। मुकेश कुमार ने 33 रन पर चार विकेट चटका कर एलएसजी के स्कोर को सीमित रखने में अहम योगदान दिया।

मारक्रम और मार्श ने पहले पॉवर प्ले का भरपूर लाभ उठाते हुये 51 रन ठोक दिये। दिल्ली के कप्तान अक्षर पटेल ने हालांकि गेंदबाजी में चतुराई से बदलाव कर रन गति को लय में आने नहीं दिया। मारक्रम और मार्श ने दसवें ओवर की समाप्ति तक स्कोरबोर्ड में 87 रन टांग दिये मगर इस बीच मारक्रम श्रीलंकाई गेंदबाज दुश्मांता चामीरा की गेंद पर हवा में मारने के प्रयास में डीप प्वाइंट पर खड़े स्टब्स को कैच थमा बैठे। मारक्रम ने अपनी 33 गेंदों की अर्धशतकीय पारी में दो चौके और तीन छक्के मारे।

निकोलस पूरन (9) आज भी नहीं चले और दो चौके मारने के बाद मिचेल स्टार्क की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गये।अब्दुल समद (2) मुकेश कुमार का आज का पहला शिकार बने जिन्हे उन्होने अपनी ही गेंद पर लपक कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। एक छोर पर संयम से खेल रहे मिचेल मार्श को इसी ओवर में मुकेश कुमार ने क्लीन बोल्ड आउट कर मेजबान टीम को दवाब में ला दिया।

आखिरी के ओवरों में आयुष बदोनी और डेविड मिलर (14 नाबाद) ने रन गति बढ़ाने का सफल प्रयास किया। बदोनी ने एक के बाद एक छह बार गेंद को सीमा रेखा के पार पहुंचा कर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया मगर उन्हे मुकेश कुमार ने पारी के आखिरी ओवर में यार्कर के जरिये क्लीन बोल्ड आउट कर दिया।

मंधाना और बुमराह को विज्डन के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का सम्मान

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। विज्डन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने भारतीय क्रिकेटर स्मृति मंधाना और जसप्रीत बुमराह को वर्ष 2024 के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना गया है। वर्ष 2024 के लिए विज्डन क्रिकेटर्स अल्मनाक ने भारतीय महिला टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना और पुरुष टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को विश्व का सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर चुना है। जसप्रीत बुमराह को 2024 मे औसत 14.92 रहा और स्ट्राइक रेट 30 से रिकॉर्ड तोड़ 71 टेस्ट विकेट लिए और टी-20 विश्वकप में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में उन्होंने अकेले 13.06 की औसत से 32 विकेट झटके।

महिला वर्ग में स्मृति मंधाना ने पिछले वर्ष तीनों प्रारुपों टी-20, एकदिवसीय और टेस्ट मैच में 1659 रन बनाए। इसी के साथ उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक कैलेंडर वर्ष में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी अपने नाम किया।

मधाना ने यह उपलब्धि दो बार पाने वाले पहली भारतीय महिला खिलाड़ी है। बीते वर्ष उन्होंने चार एकदिवसीय शतक और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक टेस्ट शतक (149 रन) बनाया था। उन्होंने कहा कि एकदिवसीय में 747 रन के साथ-साथ टी-20 में 763 रन बनाकर शीर्ष पर रहीं। इसके अलावा मंधाना ने पिछले वर्ष रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) को अपने पहले महिला प्रीमियर लीग का खिताब जिताया था।

नजमुल शान्तो ने बंगलादेश की पारी को संभाला

सिलहट 22 अप्रैल। कप्तान नजमुल शान्तो (नाबाद 60), मोमिनुल हक (47) और जाकेर अली (नाबाद 21) की जूझारू पारियों के दम पर बंगलादेश ने पहले टेस्ट मैच के तीसरे दिन मंगलवार को जिम्ब्बावे के खिलाफ दूसरी पारी में स्टंप के समय चार विकेट पर 194 रन बना लिये है। बंगलादेश ने कल के एक विकेट पर 57 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। 20वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने महमुदुल हसन जॉय (33) को आउट कर जिम्बाब्वे को दूसरी सफलता दिलाई। 35वें ओवर में विक्टर न्याउचीने मोमिनुल हक (47) को आउट कर बंगलादेश को तीसरा झटका दिया। बंगलादेश का चौथा विकेट मुशफिकुर रहीम (चार) के रूप में गिरा। उन्हें भी मुजारबानी ने आउट किया। दिन का खेल समाप्त होने के समय बंगलादेश ने चार विकेट पर 194 रन बना लिये थे, नजमुल शान्तो (नाबाद 60) और (नाबाद 21) क्रीज पर मौजूद थे। बंगलादेश जिम्बाब्वे के पहली पारी में बनाये गये स्कोर के आधार पर अभी 112 रनों की बढ़त बना पाया है। जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजारबानी ने तीन विकेट लिये। विक्टर न्याउची ने एक बल्लेबाज को आउट किया। बंगलादेश ने पहली पारी में 191 रन का स्कोर बनाया था। वहीं जिम्ब्बावे ने पहली पारी में 273 रन बनाकर 82 रनों की बढ़त बनाई थी।

क्रेक्स ने बनाया हरमनप्रीत को ब्रांड एंबेसडर

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। दुनिया के शीर्ष क्रिकेट विश्लेषण मंच क्रेक्स ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर को अपना नया ब्रांड एंबेसडर बनाया है।

क्रेक्स ने आज हरमनप्रीत को अपना ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने की घोषणा करते हुए कहा कि यह साझेदारी महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए ब्रांड द्वारा निरंतर प्रयास को दर्शाता है। साथी भारतीय क्रिकेटर शिखर धवन के साथ, दो प्रसिद्ध खिलाड़ी मंच को व्यापक दर्शकों से जुड़ने में मदद करेंगे। क्रेक्स ऐप के जरिए क्रिकेट के सभी प्रारुपों टेस्ट, एकदिवसीय, टी-20 और यहां तक कि क्लब मैचों गेंद-दर-गेंद कमेंट्री, स्कोर, फिक्स्चर, टीम/खिलाड़ी रैंकिंग, समाचार और विस्तृत आँकड़े प्रशंसक प्राप्त कर सकते हैं। भारत की महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने ब्रांड एंबेसडर बनाये जाने पर कहा, मैं क्रेक्स के साथ साझेदारी करके रोमांचित हूँ, यह एक ऐसा मंच जो क्रिकेट के लिए मेरे जुनून को साझा करता है और महिलाओं के खेल को आगे बढ़ाने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है।

पार्टियां, गर्लफ्रेंड... युवराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को सुधारा, योगराज ने किया बड़ा खुलासा

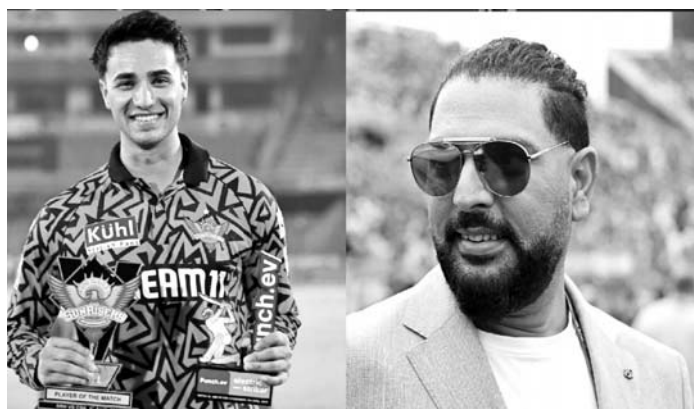

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। अभिषेक शर्मा इन दिनों भारतीय क्रिकेट में खूब छा रखा है। टी20 में भारत का उभरता सितारा है अभिषेक शर्मा। उन्हें भारत के नए पावर हिटर के नाम से बेहद ही कम समय में जाना जाने लगा। साल 2024 आईपीएल में दमदार प्रदर्शन कर अभिषेक शर्मा ने भारतीय टीम में जगह बनाई और एक साल के अंदर वह अपनी विशेष छाप छोड़ने में सफल रहे।हाल ही में उन्हें बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट में पहली बारी जगह मिली। उनकी सफलता के पीछे भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह का हाथ रहा।

उन्होंने हर बार तूफानी पारी खेलने के बाद युवराज सिंह को क्रेडिट दिया। इस बीच युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने अभिषेक शर्मा की जिंदगी संवारने में उनके बेटे के अहम योगदान को लेकर अहम खुलासे किए।दरअसल, योगराज सिंह ने अभिषेक शर्मा को सुधारने में अपने बेटे युवराज सिंह का अहम योगदान करार दिया। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया कि, आप जानते हैं कि जब हमने अभिषेक शर्मा के परफॉर्मेंस के बारे में और कोच से बात की तो आप जानते हैं उन्होंने क्या कहा? उन्होंने बताया कि वह एक गेंदबाज हैं, जो कि गेंदबाजी करना जानता हैं। युवराज ने कहा कि आप उनके परफॉर्मेंस रिकॉर्ड पर नजर डालिए। तो हमने उनके रिकॉर्ड्स को देखा, अभिषेक पहले ही 24 शतक जड़ चुके थे। युवी ने कहा कि आप क्यों गलत जानकारी दे रहे हैं कि उसने 24 सेंचुरी ठोक ली। ये 6 या सात साल पुरानी बात हैं।

योगराज ने आगे बताया कि जब युवी ने मुझे रिकॉर्ड भेजा और कहा कि पापा देखिए इस प्लेयर को। मैंने कहा देखिए ये सब जानकारी शेयर करने के बारे में है। ये समस्या है, कुछ लोग अपना करियर बनाने के बजाय जलन के कारण खिलाड़ी को खत्म करना चाहते हैं।

मिचेल मार्श ने बनाया शर्मनाक रिकॉर्ड, आईपीएल में 1000 रन बनाने में लगा दिए 16 साल

लखनऊ 22 अप्रैल। लखनऊ सुपर जायंट्स के सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श के नाम आईपीएल के इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल 2025 के 40वें मुकाबले में उन्होंने 45 रनों की पारी खेली। इस पारी के साथ उन्होंने अपने आईपीएल करियर में 1000 रन पूरे कर लिए हैं। वहीं उन्होंने 1000 रन पूरे किए हैं, बल्कि ये है कि उन्होंने ऐसा करने में कितना समय लिया। जहां मॉर्डन डे क्रिकेटर ऐसा करने के लिए 3 से 4 सीजन लेते हैं वहीं मिचेल मार्श को ऐसा करने में पूरे 16 साल लगे हैं। जी हां, आपकी जानकारी के लिए बता दें मिचेल मार्श का आईपीएल डेब्यू 2010 में हुआ था।क्कन चार्जर्स की ओर से डेब्यू करने के बाद मार्श पुणे वॉरियर्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स (2016-2017), सनराइजर्स हैदराबाद और दिल्ली कैपिटल्ल की तरफ से आईपीएल खेल चुके हैं।

वहीं आईपीएल में सबसे ज्यादा साल के बाद 1000 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की बात करें तो, मिचेल मार्श के बाद इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के ही मोइसेस हेनरिक्स का ना है, वहीं लिस्ट में एकमात्र भारतीय राहुल तेवतिया है जो इस सीजन गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे हैं।

सीएसके टीम के प्लेयर डेव्हन कॉनवे के पिता का हुआ निधन

चेन्नई, 22 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 का 38वां मैच मुंबई इंडियंस और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच खेला गया। इस मैच में मुंबई इंडियंस ने चेन्नई सुपर किंग्स को नौ विकेट से मात दे दी है। महेंद्र सिंह धोनी की अगुवाई वाली चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाड़ी इस मैच में हाथ पर काली पट्टी बांध कर उतरे थे। आमतौर पर किसी विरोध के लिए या किसी को श्रद्धांजलि देने के लिए खिलाड़ी हाथ पर काली पट्टी बांधकर मैच में खेलने उतरते है। इस बार टीम के खिलाड़ी सीएसके टीम के प्लेयर डेव्हन कॉनवे के पिता ने निधन पर शोक व्यक्त करने के लिए काली पट्टी बांधकर खेलने उतरे थे। बता दें कि मैच के बाद प्रेजेंटेशन सेरेमनी में शुरूआत से पहले हर्षा भोगले ने सांत्वना देने के लिए न्यूजीलैंड के खिलाड़ी कॉन्वे का नाम लिया। मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए इस मैच में कॉन्वे ने नहीं खेला था और वो अपने घर लौट रहे है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स ने सोशल मीडिया पर भी इसकी जानकारी दी है और कॉनवे के पिता के निधन की जानकारी देते हुए उन्हें श्रद्धांजलि भी दी है। कॉनवे के पिता का निधन हो गया है। इस कठिन समय में हम उनके और उनके परिवार के साथ खड़े है।

चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल सीजन 18 की शुरुआत में पहला मैच मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीता था। इस मैच के बाद टीम को लगातार पांच मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। चार मैचों में हारने के बाद टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ चोट के कारण टूर्नामेंट से ही बाहर हो गए थे। इसके बाद टीम की कमान एमएस धोनी को दी गई थी। धोनी की कप्तानी में भी टीम नहीं संभल पाई और हार का सिलसिला जारी रहा। वहीं आईपीएल में डेव्हन कॉनवे कुल तीन मैच खेल चुके है, जिसमें उनके बल्ले से कुल 94 रन निकले। पंजाब के खिलाफ उन्होंने 69 रनों की अहम पारी खेली थी मगर इस मैच में भी चेन्नई 18 रनों से हारी थी।

रोहित शर्मा ने किया कमाल, आईपीएल के इतिहास में ऐसा करने वाले बने पहले बल्लेबाज

मुंबई, 22 अप्रैल। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा आईपीएल 2025 में अपने रंग में दिखाई नहीं दे रहे हैं। इस सीजन अभी तक खेले 7 मैचों में उनके बल्ले से 26.33 की औसत से मात्र 158 रन ही निकले हैं। हालांकि, जब बड़ी टीम उनके सामने होती है तो रोहित रन बनाने का मौका नहीं छोड़ते। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ हुए पिछले मुकाबले में उन्होंने 76 रनों की नाबाद पारी खेली। इस पारी के साथ उन्होंने बल्लेबाज बन गए हैं। जी हां, इस लिस्ट में विराट कोहली, एमएस धोनी और क्रिस गेल जैसे बल्लेबाज उनके पीछे हैं।रोहित शर्मा का बल्ला चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खूब चलता है, जब बात वानखेड़े स्टेडियम में इन दोनों टीमों के मुकाबले की हो तो हिटमैन आग उगलते हैं। आईपीएल के इतिहास में जब-जब मुंबई इंडियंस की भिड़ंत चेन्नई सुपर किंग्स से वानखेड़े में हुई है रोहित शर्मा ने खूब रन बनाए हैं। पिछले मुकाबले में 76 रनों की पारी के साथ रोहित शर्मा अपने होमग्राउंड पर चेन्नई के खिलाफ 500 रन का आंकड़ा पार करने में कामयाब रहे। वह ऐसा करने वाले आईपीएल के इतिहास में पहले बल्लेबाज बने हैं।

आल इंडिया ब्रह्मपुत्र ओपन स्क्वैश

राजस्थान के अवलोकित को रजत, धैर्य और राशि ने जीते कांस्य पदक

जयपुर, 22 अप्रैल। राजस्थान के अवलोकित सिंह ने मंगलवार को गुवाहाटी में संपन्न 5वीं ऑल इंडिया ब्रह्मपुत्र ओपन स्क्वैश चैंपियनशिप 2025 में लड़कों के अंडर-19 वर्ग में रजत पदक हासिल किया। वहीं राजस्थान के धैर्य गोगिया और राशि चौधरी ने अपने- अपने वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किए। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक सुरभि मिश्रा ने बताया कि लड़कों के अंडर-19 वर्ग में अवलोकित ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया। अवलोकित ने उत्तर प्रदेश के यूशा नफीस के खिलाफ फाइनल में शानदार शुरुआत करते हुए पहले दो सेट जीत बढ़त बनाई लेकिन यूशा ने अगले दो सेट जीत मैच को निर्णायक सेट में पहुंचा दिया। निर्णायक सेट में अवलोकित अभागे रहे और चोट के कारण उन्हें रिटायर होना पड़ा। यूशा नफीस ने मुकाबला 8-11, 10-12, 11-9, 11-5 1-0 (रिटायर) से जीत स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अवलोकित को रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

लड़कों के अंडर-13 वर्ग में धैर्य गोगिया ने कांस्य पदक हासिल किया। धैर्य को सेमी फाइनल में तमिलनाडु के आर्यन प्रभु के हाथों 10-12, 5-11, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा। लेकिन इसके बाद धैर्य ने गुजरात के तीसरी वरीयता के कियान कनाडे को 11-9, 11-6, 7-11, 11-6 से हरा कांस्य पदक अपने नाम कर लिया।

इसी तरह लड़कियों के अंडर-13 वर्ग में राशि चौधरी ने महाराष्ट्र की समीरा को हरा अंतिम चार में जगह बनाई लेकिन सेमी फाइनल में उन्हें टॉप सीड महाराष्ट्र की ही शनाया रॉय के हाथों 8-11, 7-11, 6-11 से हार का सामना करना पड़ा। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में राशि ने हरियाणा की छवि पांचाल को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 9-11, 11-8, 7-11, 13-11, 11-8 से हरा कांस्य पदक हासिल कर लिया।

बियानी के आरोप निंदनीय और निराधार : राजीव खन्ना

जयपुर, 22 अप्रैल। राजीव खन्ना द्वारा एक पत्र राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल को लिखा गया है। इस पत्र को मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार एवं खेल मंत्री राजस्थान सरकार को भेजा गया है, जिसमें उनके विधायक द्वारा अभद्र टिप्पणी का जिक्र किया गया है। राजीव खन्ना ने मैच फिक्सिंग के सवाल पर कहा कि आईपीएल टूर्नामेंट बीसीसीआई के द्वारा मैनेज किया जाता है। बीसीसीआई के पर्यवेक्षक, बीसीसीआई के स्टाफ मैच के दौरान मौजूद रहते हैं। हर खिलाड़ी पर पूरी तरीके से नजर रखी जाती है। मैच फिक्सिंग का आरोप लगाना पूरी तरह से निंदनीय और निराधार है।

बियानी एडहॉक कमेटी के कन्वीनर है, इतने सम्माननीय आदमी को ऐसे इवेंट जोकि बीसीसीआई का खुद का इवेंट है, राज्य सरकार उस इवेंट को कर रही है। उस इवेंट पर ब्लेम लगाना, वो भी किसी साक्ष्य के, बड़ी निंदनीय बात है। आरसीए एडहॉक कमेटी भी तो बीसीसीआई की एक बॉडी है। बियानी इसी तरह बुलिंग करते रहे तो आने वाला समय राजस्थान क्रिकेट के लिए अच्छा नहीं है।

राजीव खन्ना के अनुसार उनके द्वारा बीसीसीआई को एक मेल कर इस पूरे प्रकरण की जानकारी दी गई है और बीसीसीआई से अनुरोध किया गया है कि इस विवाद में बीसीसीआई अपनी भूमिका निभाए। बीसीसीआई तय करेगा कि आगामी तीन मुकाबले जयपुर में होंगे या नहीं। राजीव खन्ना ने आगे विरोध जताते हुए कहा कि जयदीप बियानी के पास इसका कोई साक्ष्य है तो वह सबके सामने लाए, नहीं तो जयदीप बियानी अपने इस बयान पर माफी मांगें।

राजस्थान से बचे हुए तीनों मैच न छीने जाएं : नीरज पवन

जयपुर, 22 अप्रैल। राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल के शासन सचिव नीरज पवन ने कहा कि राजस्थान रॉयल्स के द्वारा एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के एडहॉक कमेटी कन्वीनर जयदीप बियानी के बयान पर आपत्ति दर्ज की है। नीरज के पवन के अनुसार बियानी द्वारा जो बयान दिया गया है, वह राजस्थान रॉयल्स, राजस्थान स्टेट स्पोर्ट्स काउंसिल की छवि को खराब करता है। नीरज पवन ने बताया कि यह पत्र आगे कार्रवाई के लिए आगे भेज दिया गया है, वहां से जो भी आदेश आएंगे, उसके अनुरूप कार्रवाई की जाएगी। हमारा पूरा प्रयास रहेगा कि राजस्थान से बचे हुए तीन मैच न छीने जाएं।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने आमेर में उपराष्ट्रपति वैंस का स्वागत किया

वैंस व उनके परिवार ने ऐतिहासिक आमेर किले का भ्रमण किया

■ **आमेर पहुँचने पर अमेरिकी उपराष्ट्रपति जैम्स वैंस व उनके परिवार का ढोल-नगाड़ों व सजे हुए हाथियों के साथ राजस्थानी परम्परा से स्वागत हुआ। लोक कलाकारों ने पारम्परिक वेशभूषा में कालबेलिया व कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया।**

जयपुर, 22 अप्रेल। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वैंस की जयपुर यात्रा के दूसरे दिन आमेर किले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनका आत्मीयतापूर्वक स्वागत किया।

मुख्यमंत्री ने वौंस को बुके भेंट कर उनके सुखद प्रवास के लिए शुभकामनाएं दीं और उन्हें राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति एवं आतिथ्य सत्कार परंपरा के बारे में जानकारी दी। वैंस, उनकी धर्मपत्नी उषा वैंस एवं बच्चे मंगलवार सुबह आमेर किले का भ्रमण करने पहुंचे। यहां उनका ढोल-नगाड़ों और सजे हुए हाथियों के साथ राजस्थानी परंपरा से स्वागत किया गया। इस दौरान लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेश-भूषा में कालबेलिया व कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। राजस्थानी कला-संस्कृति की मनोहारी प्रस्तुतियों से उपराष्ट्रपति वैंस और उनके परिजन अभिभूत नजर आए। इसके बाद वे आमेर किले का भ्रमण कर राजस्थान की ऐतिहासिक स्थापत्य धरोहर से रूबरू हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति वैंस सोमवार रात्रि सपरिवार जयपुर पहुंचे थे। वैंस 24 अप्रेल को प्रात: अमेरिका के लिए प्रस्थान करेंगे।

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वैंस जयपुर यात्रा के दौरान आमेर किला देखने गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उनके साथ थे।

पहलगाम में बड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर्यटकों को निशाना बनाकर आतंकी जम्मू-कश्मीर में सैलानियों के प्रवेश को रोकना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। मोदी ने एक्स पर कहा, मैं जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करता हूँ। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदनाएँ। मैं प्रार्थना करता हूँ कि घायल लोग जल्द से जल्द ठीक हो जाएँ। प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने कहा, इस जघन्य कृत्य के पीछे जो लोग हैं, उन्हें न्याय के कठघरे में लाया जाएगा, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। उनका नापाक एजेंडा कभी सफल नहीं होगा। आतंकवाद से लड़ने का हमारा संकल्प अडिग है तथा यह और भी मजबूत होगा। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, आतंकवादियों ने पर्यटकों के एक समूह पर गोलीबारी की, जिसमें कई लोग घायल हो गए। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि आठ घायलों को पहलगाम में एक अस्पताल ले जाया गया। बाद में दो लोगों को गंभीर हालत में श्रीनगर अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

दिल्ली हाईकोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पतंजलि के शरबत की लॉन्चिंग की थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कहा था कि एक कंपनी शरबत बनाती है। उससे जो पैसा मिलता है, उससे मदरसे और मस्जिदें बनवाती है। बाबा रामदेव ने कहा था कि जैसे लव जिहाद और वोट जिहाद चल रहा है, वैसे ही शरबत जिहाद भी चल रहा है। इसके खिलाफ रूह अफजा शरबत बनाने वाली कंपनी हमदर्द ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने दलीलें दीं। रोहतगी ने कहा कि यह धर्म के नाम पर हमला है।

उपराष्ट्रपति वैंस ने भारत-अमेरिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उत्पादों की अधिक खरीद करनी चाहिए और फिर "रक्षा उत्पादन" में परस्पर सहयोग करना चाहिए। वैंस ने दावा किया कि अमेरिकी रक्षा उत्पाद "सबसे बेहतरीन" हैं और इन्हें भारत के लोगों और देश की सुरक्षा में मदद करनी चाहिए। अमेरिका यह जानता है कि भारत-रूस से भी रक्षा उपकरणों की खरीद करता है।

यूक्रेन में चल रहे युद्ध के संदर्भ में, रूस अक्सर अपनी महत्वपूर्ण रक्षा सामग्री की आपूर्ति बनाए रखने में असमर्थ है, जिससे भारत को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। विविध रक्षा खरीद भारत को रक्षा आपूर्ति श्रृंखलाओं में रणनीतिक कमियों को दूर करने में मदद कर सकती है।

वैंस ने विशेष रूप से अत्याधुनिक एफ-35 विमानों की भारत द्वारा खरीद का उल्लेख किया है, जो युद्ध के सबसे घातक हथियारों में से एक माने जाते हैं। अब तक इन विमानों की बिक्री पर गंभीर प्रतिबंध थे, लेकिन ऐसा लग रहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब इन्हें भारत को बेचना चाहता हे। भारत को इन विमानों की खरीद में अरबों डॉलर तक खर्च करना पड़ सकता है।

इसके अलावा, चीन की अनुचित व्यापार प्रैक्टिस पर परोक्ष टिप्पणी करते हुए, वैंस ने कहा कि अमेरिका और भारत के बीच साझा सहयोग अन्यायपूर्ण तौर तरीकों को मात देने में मदद कर सकता है, जो बाज़ार में वास्तविक खिलाड़ियों के प्रवेश को अवरुद्ध करते हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका ऊर्जा उद्योग में भारत और अमेरिका के सहयोग की बात कर रहा है, खासकर भारत के तटवर्ती क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस और तेल के दोहन को लेकर।

अमेरिका का कहना है कि उसके पास ऐसी तकनीकें हैं, जो ऊर्जा क्षेत्र के विकास में भारत की मदद कर सकती हैं। वैंस ने यह भी कहा कि अमेरिका इस तरह के ऊर्जा-कुशल उत्पादन तरीकों को प्राप्त करने में भारत के साथ सहयोग करने के लिए तैयार है। इस प्रकार के सहयोग से तेज़ विकास के साथ कम ऊर्जा का उपयोग होगा। इसके अतिरिक्त, अमेरिका फार्मास्युटिकल्स और रसायन क्षेत्र में भी भारत के साथ काम करना चाहता है। अब तक फार्मा उत्पादों को रैसिप्रोकल टैरिफ व्यवस्था में शामिल नहीं किया गया था। हालांकि, अगर इन्हें भी इस व्यवस्था में लाया जाता है, तो भारत को भारी नुकसान हो सकता है। भारत अमेरिका को फार्मा उत्पादों का बड़ा निर्यात करता है, जो मुख्य रुप से भारतीय उद्योग द्वारा निर्मित होते हैं, लेकिन ये चीन से आयातित मूल फार्मास्युटिकल सामग्री (इनफुट) से बनते हैं। अगर चीन इस सामान की आपूर्ति को भारत के लिए प्रतिबंधित कर देता है, तो भारतीय फार्मा उद्योग को गंभीर नुकसान हो सकता है। इसलिए, भारत के पास एक अवसर है कि वह अमेरिका के साथ फार्मास्युटिकल सामग्री के उत्पादन के लिए एक नया आधार स्थापित करने के लिए सहयोग करे। इससे भारतीय दवा उद्योग में एक नई क्रांति आ सकती है।

इस क्षेत्र में भारत को सतर्क रहना चाहिए। चीन ने चेतावनी दी है कि कोई भी देश, जो अमेरिका के साथ मिलकर चीन के व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को चुनौती देगा, उसे कड़े प्रतिबंधों और दंड का सामना करना पड़ेगा। संभावना है कि चीन अमेरिकी बाजारों के लिए फार्मा उत्पाद भेजने के लिए भारत को फार्मास्युटिकल इनपुट की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगा सकता है।

वर्तमान वैश्विक व्यापार परिस्थितियों में, भारत अमेकिा-नेतृत्व वाले देशों और चीन-नेतृत्व वाले देशों के बीच एक प्रमुख और महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रुप में उभर रहा है। यूरोपीय संघ अपने पुराने सहयोगी अमेरिका और उसके वर्तमान रुख के बीच झूल रहा है। ऐसे में, भारत, जो अमेरिका के साथ गठबंधन में है और रुस से भी पुराने संबंधों को बनाए हुए है, एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। भारत को चाहिए कि वह इन अवसरों का लाभ उठाकर अपने भविष्य के लिए सबसे अनुकूल स्थिति में खुद को स्थापित करे। अब तक, भारत और अमेरिका के रिश्ते केवल औपचारिक रहे हैं। अब ऐसे अवसर सामने आ रहे हैं, जो इन रिश्तों को एक ठोस रुप दे सकते हैं। यह वार्ता का पहला चरण एक नई साझेदारी की शुरुआत हो सकता है। अगर दोनों देशों के बीच बातचीत की मौजूदा गति जारी रहती है, तो ये व्यापार वार्ताएँ अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में व्यापक सहयोग की ओर बढ़ सकती हैं।

30 जून से शुरु होगी कैलाश मानसरोवर यात्रा

■ **यात्रा में 30 जून से 22 अगस्त के बीच 50-50 श्रद्धालुओं के 5 दल कैलाश मानसरोवर जाएंगे।**

नई दिल्ली, 22 अप्रैल। कैलाश मानसरोवर यात्रा पांच साल बाद इस वर्ष 30 जून से शुरू होगी जिसका मार्ग उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले में 17 हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित लिपुलेख दर्रे से होगा। यहां सोमवार को जारी विज्ञिप्त में यह जानकारी दी। सरकारी विज्ञिप्त के अनुसार, हर वर्ष आयोजित होने वाली यह यात्रा 2020 में कोविड-19 महामारी के कारण स्थगित कर दी गई थी और उसके बाद से यह संचालित नहीं हो पाई, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के विशेष प्रयासों से इस वर्ष यह संभव हो पायी है। विज्ञिप्त के अनुसार उत्तराखंड सरकार एवं भारतीय विदेश मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित होने वाली इस यात्रा के संबंध में सोमवार को नयी दिल्ली में एक बैठक की गयी, जिसमें इसके संचालन का जिम्मा कुमाऊं मंडल विकास निगम को सौंपा गया।

यह यात्रा दिल्ली से 30 जून को शुरू होगी जिसमें 50-50 व्यक्तियों के कुल पांच दल होंगे और इस प्रकार इस यात्रा में ढाई सौ श्रद्धालु शामिल होंगे।

दाऊदी बोहरा मुसलमान, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुसलमान, सरकार के साथ खड़े हैं।" उन्होंने चेतावनी दी कि यह कदम धार्मिक अधिकारों व संस्थान की रक्षा के लिए समुदाय के संघर्ष को कमज़ोर कर सकता है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का एजेंडा सुप्रीम कोर्ट को भ्रमित करने और मुस्लिम समुदाय में फूट डालने का है।

वक्फ कानून, जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने अस्थायी रोक लगा दी है, की विभिन्न वर्गों ने कड़ी आलोचना की है, जिसमें राजनैतिक दल, मुस्लिम संगठन तथा कानूनी विशेषज्ञ शामिल हैं। इनका कहना है कि इस नए कानून में ऐसे प्रावधान हैं, जो मुसलमानों की धार्मिक एवं चैरिटेबल प्रॉपर्टी पर उनका नियंत्रण कमज़ोर कर सकते हैं। गत शनिवार को हैदराबाद के मुसलमानों का भारी विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें कई मुस्लिम संगठनों, विद्वानों व राजनैतिक दलों ने भाग लिया। प्रदर्शनकारियों ने मुसलमानों को बांटने की सरकारी नीति की आलोचना की। रैली में बोलते हुए ओवैसी की पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने बोहरा समाज के नेताओं की अपने पूर्व वादे से मुकरने के लिए आलोचना की। उन्होंने कहा, जेपीसी में बोहरा समाज ने साफ कहा था कि वे वक्फ बिल का समर्थन नहीं करेंगे। अब क्या बदल गया। नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी बोहरा समाज को गुमराह कर रहे हैं। बोहरा समाज अपने सुगठित ढांचे व अनुशासन के लिए जाना जाता है, उसका केन्द्र की सरकारों के साथ उदासीन या सहयोगी व्यवहार रहा है, लेकिन वक्फ एक्ट का सार्वजनिक समर्थन करने के कारण वे मुसलमानों के विरोध का सामना कर रहे हैं। सरकार का कहना है कि वक्फ कानून में संशोधन वक्फ सम्पत्ति के प्रशासन में पारदर्शिता लाएगा तथा इसका आधुनिकीकरण करेगा है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि नया कानून वक्फ बोर्ड की स्वायत्तता खत्म कर इसका कंट्रोल सरकार को दे देगा।

सुप्रीम कोर्ट मामले की सुनवाई के लिए तैयार है। ऐसे में कानून विशेषज्ञों को लगता है कि बोहरा समुदाय की याचिका सुनवाई को जटिल कर देगी और मुस्लिम समुदाय में विभाजन कर देगी। सरकार इसके जरिए संशोधन को न्यायोचित ठहरा सकती है। तनाव बढ़ रहा है और राजनैतिक दांव भी बहुत ऊंचे हैं, क्योंकि यह एक्ट मुस्लिम समुदाय के धार्मिक अधिकारों और केन्द्र सरकार से उनके रिश्ते के लिए निर्णायक होगा।

कोटा में एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बताया कि मृतक ने अपनी बहन को घटना से पहले उसके मोबाइल पर एक वाट्सअप किया था, जिसके बाद उसकी बहन ने ही हॉस्टल संचालक को सूचित किया। पुलिस इस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और आत्महत्या के अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है।

'न तो संसद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाले पदाधिकारियों को सत्तारूढ़ दल और विपक्ष के साथ बराबर दूरी कायम रखनी चाहिये। उन्होंने कहा, "प्रीसाइडिंग ऑफिसर्स की पक्षपातपूर्ण सोच उनके संवैधानिक पद की गरिमा को कम कर देता है।" उन्होंने आगे कहा: "कोई स्पीकर या चेयरमैन किसी पार्टी का प्रवक्ता के रूप में नज़र नहीं आना चाहिये।"

ग्राम पंचायतों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि छापोली ग्राम पंचायत के पुनर्गठन में इसकी अवहेलना की गई है। नई ग्राम पंचायत दस किलोमीटर दूर सोकडाला को बनाया जा रहा है, जबकि इसमें शामिल किए जा रहे कृष्ण नगर की सीमाएं भी इससे नहीं मिल रही हैं। इसके अलावा, स्थानीय विधायक ने भी कृष्ण नगर को नई ग्राम पंचायत बनाने का प्रस्ताव भेजा है। दूसरी ओर, स्थानीय जिला कलेक्टर इस संबंध में मांगी गई आपत्तियों का नियमानुसार निस्तारण नहीं कर रहे हैं। मामले की सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है। गौरतलब है कि राज्य में ग्राम पंचायतों का पुनर्गठन और पुन:सीमांकन का काम किया जा रहा है। इसके तहत, फिलहाल नई ग्राम पंचायतों को लेकर स्थानीय स्तर पर आपत्तियां मांगी जा रही हैं। जिला कलेक्टर की ओर से आपत्तियों का निस्तारण करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

'संसद ही ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विषय में 9 उच्च न्यायालय के निर्णयों को उलट दिया था। धनखड़ ने आपातकाल को "लोकतंत्र के इतिहास में सबसे ज्यादा अंधकारपूर्ण दौर" बताया। उन्होंने कहा, "मैं इसे "सबसे ज्यादा अंधकारपूर्ण" इसलिये कहता हूँ, क्योंकि देश की सबसे ऊँची अदालत ने 9 उच्च न्यायालयों के इस निर्णय को नजर अंदाज कर दिया था कि लोकतंत्र के मौलिक अधिकार कभी निलम्बित या स्थगित नहीं किये जा सकते।--"

राष्ट्रदूत हिन्दु संयुक्त परिवार की ओर से सोमेश शर्मा द्वारा ज्वाईन्ट मीडिया, आजाद मार्ग, मैन रोड, आयड, उदयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 57928/93 **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513 **कोटा कार्यालय :** पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033 **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371 **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908